# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी


## नए पद स्वीकृत, नई भर्ती भी

इधर चिकित्सा शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए पुराने के साथ नए मेडिकल कालेजों में 1009 नए पदों को स्वीकृति दी गई है। पुराने खाली पदों के साथ सृजित नए पदों पर भर्ती कब होगी इसका पता नहीं है। पिछले दिनों सहायक प्राध्यापक के 125 पदों पर भी भर्ती के लिए सीजीपीएससी से प्रक्रिया प्रारंभ की गई है मगर कमी दूर होने में अभी वक्त लगने की संभावना है।

कोरबा जिला अस्पताल की तस्वीर

# चिकित्सा शिक्षा की तबीयत नासाज, किसी मेडिकल कालेज के पास भवन नहीं, कोई बिना अस्पताल का, कहीं पढ़ाने वाले नहीं

- राज्य में संचालित 10 मेडिकल कालेजों का हाल-बेहाल, पांच नए खोलने की तैयारी भी
- कोरबा कालेज, इंजीनियरिंग तो कांकेर, महासमुंद मेडिकल कालेज नर्सिंग कालेज में संचालित

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में लगातार चिकित्सा शिक्षा का विस्तार हो रहा है। हर साल नए मेडिकल कालेज खुल रहे हैं। प्रदेश अभी 10 मेडिकल कालेज हैं। पांच और खोलने की तैयारी चल रही है। हालांकि जिस रफ्तार से कालेज खुल रहे हैं उस गति से सुविधाएं नहीं बढ़ रहीं। हाल यह है कि तीन कालेजों में चिकित्सा की पढ़ाई किराए के भवन में हो रही है और उनके पास ▶▶| शेष पेज 8 पर

हरिभूमि लाइव

### पर्याप्त संसाधन होना जरूरी

चिकित्सा महाविद्यालय के सफल संचालन के लिए पर्याप्त फैकल्टी यानी चिकित्सा शिक्षा होना जरूरी है। विद्यार्थियों के पास पढ़ाई के लिए पर्याप्त उपकरण होना चाहिए। कालेज के पास अपना सुविधायुक्त भवन के साथ अन्य संसाधन और क्लीनिकल मेटेरियल के रूप में मरीज होना आवश्यक है।

डा. विष्णु दत्त, पूर्व डीएमई

### कोरबा में सुविधायुक्त ओटी नहीं, मिली पीजी सीट

*कोरबा मेडिकल कालेज में इस पर सर्जरी, एनीस्थिसिया की पीजी सीट स्वीकृत हुई है। यहां का प्रैक्टिकल जिला अस्पताल में होता है, जहां एक ऑपरेशन थियेटर मौजूद है जिसकी स्थिति भी अच्छी नहीं है। जानकारों का कहना है कि जिला अस्पताल की ओटी से छात्र छोटी-मोटी सर्जरी सीखकर अपना काम चला सकेंगे। विषय विशेषज्ञ बनने के लिए वहां पर्याप्त संसाधनों की आवश्यकता है जो अब तक उपलब्ध नहीं है।*


आनंद का सच्चा भाव®

| | |
|---|---|
| 18 कैरेट रेट (75.00%) = | ₹92276/- |
| 22 कैरेट रेट (91.60%) = | ₹112700/- |
| 24 कैरेट रेट (99.99%) = | ₹123023/- |

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

ANAND Jewels

Pandri, Raipur



नर्सिंग काउंसलिंग प्रारंभ

बी.एस.सी (N), एम.एस.सी (N)

पोस्ट बेसिक बी.एस.सी (N)

ऑनलाइन चॉइस फिलिंग की तिथि

17-11-25 से 22-11-25 तक

श्री रावतपुरा सरकार ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स

7222910430/72

श्री रावतपुरा सरकार कॉलेज ऑफ नर्सिंग, रायपुर

7222910473

मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कुम्हारी

7222910451

रविशंकर इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग, नया रायपुर

7222910424


# बस्तर के बाद तेलंगाना में नक्सलियों को झटका 37 ने किया सरेंडर, 1.40 करोड़ के ईनामी

*कुख्यात नक्सली कमांडर माडवी हिड़मा के मारे जाने के बाद नक्सल संगठन को लगातार बड़े झटके लग रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों की सख्त रणनीति और तेजी से चल रहे एंटी नक्सल ऑपरेशनों के बीच जहां एक ओर कई मुठभेड़ हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर संगठन के भीतर आत्मसमर्पण की लहर तेज हो गई है। इस बीच, शनिवार को तेलंगाना में 37 सक्रिय नक्सलियों ने हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटे।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/कोंटा

शनिवार को 3 राज्य समिति मेंबर समेत 37 हार्डकोर नक्सलियों ने तेलगांना स्टेट के डीजीपी शिवधर के समक्ष हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हो गए। समर्पण करने वाले नक्सलियों में 3 राज्य समिति मेंबर, 3 डिवीजनल कमेटी सदस्य, 9 एरिया कमेटी मेंबर और 22 पार्टी मेंबर शामिल हैं। इन सभी पर कुल 1,40,05,000 रुपए का इनाम घोषित था। समर्पण करने वालों में हाल ही मे आध्रंप्रदेश में ढेर माड़वी हिड़मा का करीबी एर्रा भी शामिल है।

तेलंगाना में माओवादी संगठन को तगड़ा झटका लगा है जहां पहली बार बड़ी संख्या में शीर्ष नेतृत्व से जुड़े माओवादियों ने एक साथ हथियार ▶▶| शेष पेज 8 पर

### छत्तीसगढ़ के बाद तेलंगाना में नक्सल संगठन को बड़ा झटका

- आत्मसमर्पण करने वालों में 60 लाख के ईनामी तेलगांना व छग के तीन स्टेट कमेटी मेंबर भी शामिल
- तेलंगाना डीजीपी शिवधर के समक्ष 37 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

### समर्पित नक्सलियों में बस्तर के 23

जिन 37 माओवादियों ने शनिवार को समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हुए इनमें 12 तेलंगाना स्टेट कमेटी से जुड़े थे। जबकि 23 दक्षिण बस्तर डिवीजन कमेटी और 2 पीएलजीए बटालियन नंबर 1 व 2 के सक्रिय मेंबर भी शामिल थे। समर्पण के दौरान राज्य समिति सदस्य व 20 लाख के ईनामी आजाद ने सरेंडर के दौरान कहा कि वह लंबे समय से मुख्यधारा में लौटना चाहते थे। संगठन को ▶▶| शेष पेज 8 पर

### एक बड़ा कदम-आईजी

तेलगांना में करोड़ों के ईनामी शीर्ष नक्सल कैडर के समर्पण पर प्रतिक्रिया देते हुए बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने कहा कि सरकार ने विभिन्न मंचों पर लगातार यह स्पष्ट किया है कि जो भी कैडर हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में वापस लौटने का निर्णय लेते हैं। उन्हें पूर्ण सुरक्षा और अपने जीवन को नई आशा और विश्वास के साथ पुनर्निर्मित करने के अवसर और सहयोग प्रदान किए जाएंगे। यह विकास शांति और बेहतर भविष्य की एक सच्ची ▶▶| शेष पेज 8 पर

# नई दुनिया के संपादक सतीश की पुत्री की हादसे में मौत, जगदलपुर में एमबीबीएस की थी छात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

नेशनल हाईवे पर हाईवे ढाबा के करीब तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से आ रही बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मेडिकल छात्रा आली श्रीवास्तव ने उपचार के दौरान डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया। मेडिकल छात्रा नई दुनिया, रायपुर के संपादक सतीश श्रीवास्तव की पुत्री थी। वह जगदलपुर मेडिकल में एमबीबीएस ▶▶| शेष पेज 8 पर

*मीडिया जगत में शोक व्याप्त, हरिभूमि के प्रधान संपादक डा. हिमांशु ने शोक जताया*

### आज होगा पीएम

बाइक ट्रक के सामने के हिस्से में फंस गई थी। चालक ने बाइक को अपने साथ घसीटते हुए 100 मीटर आगे ले जाकर रोक दिया। इस दौरान आसपास के लोगों ने दोनों को मेकाज पहुंचाया था। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में लेकर आगे की जांच कर रही है। दोनों के शव को मेकाज के मरच्यूरी में रखा गया है और परिजनों को ▶▶| शेष पेज 8 पर

# चौधरी के गृह मंत्री बनते ही बिहार में एनकाउंटर

- हथियार तस्करी का आरोपी गिरफ्तार, मिनी गन फैक्टरी का खुलासा

**बेगूसराय।** बिहार के बेगूसराय जिले में हथियार तस्करी के कई मामलों में वांछित अपराधी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई के दौरान आरोपी शिवदत्त राय के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। एक खुफिया सूचना के आधार पर विशेष कार्य बल और जिला पुलिस की संयुक्त टीम शुक्रवार शाम साहेबपुर कमाल क्षेत्र में राय की तलाश में पहुंची। पुलिस को ▶▶| शेष पेज 8 पर

### पिस्तौल और नकद बरामद

पुलिस ने शालिग्राम इलाके में छापेमारी कर एक "मिनी-गन फैक्टरी" का भी पता लगाया। पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से सात देसी पिस्तौल, मैगजीन और 3.7 लाख रुपए बरामद किए गए हैं।

### पुलिस को देखते ही भागने लगे 6 बदमाश

एसटीएफ और स्थानीय थाना की पुलिस इनपुट वाले जगह पर पहुंची, तो दो बाइक पर सवार 6 बदमाश पुलिस को देखते ही गोली चलाने लगे। आत्मरक्षा में पुलिस ने गोली चलाई तो एक गोली शिवदत्त राय की जांघ में लगी तो वह गिर गया। जबकि, अन्य अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए।

### खाई में गिरने से सेना के जेसीओ की मौत

**मेंढर/जम्मू।** जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में सेना के एक 'जूनियर कमीशन्ड अधिकारी' की गलती से फिसलकर गहरी खाई गिर जाने से मौत हो गई। सूबेदार शुक्रवार शाम को बेहरामगल्ला के सेरी मस्तान इलाके में एक तलाश अभियान दल का नेतृत्व कर रहे थे। तभी एक खड़ी ढलान पर चढ़ते समय उनका संतुलन बिगड़ गया और वह खाई में गिर गए। सेना के जवानों ने राहत अभियान शुरू किया और जेसीओ को मृत पाया।

### ट्रक के टक्कर से बाइक सवार तीन की मौत

**अमेठी।** अमेठी जिले के गांव थौरा के पास एक ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना अमेठी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। मृतकों की पहचान महाराजपुर निवासी उत्कर्ष सिंह (32), बजरंग सिंह (25) और अंशु सिंह (29) हारीपुर के रुप में हुई है। तीनों युवक मोटरसाइकिल (बुलेट) से वापस घर लौट रहे थे, तभी थौरा गांव के पास तेज गति से सामने से आ रहे ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

### 4.79 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, चार गिरफ्तार

**आइजोल।** मिजोरम के आइजोल जिले में शनिवार को 4.79 करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित 'मेथ' गोलियां और हेरोइन जब्त की गई। इस बरामदगी के सिलसिले में म्यांमा के दो नागरिकों समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। संयुक्त टीम ने आइजोल में एक घर से 5.89 किलोग्राम 'मेथामफेटामाइन' गोलियां और 41 ग्राम हेरोइन जब्त की।

### रायपुर स्मार्ट ने 5 करोड़ खर्च कर बनवाई चौपाटी, अब उस जगह पर लाइब्रेरी बनाएंगे

# साइंस कालेज की शानदार चौपाटी 'चौपट', सुबह निगम ने उजाड़ा, भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जीई रोड पर साइंस कालेज के सामने बनाई गई शानदार चौपाटी आखिरकार हटा दी गई। भारी विरोध के बीच नगर निगम ने 60 दुकानों को आमानाका ब्रिज के नीचे शिफ्ट किया गया है। 3 साल पहले 5 करोड़ खर्च स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत इसे बनाया गया था और चौपाटी का आनंद उठाने लोग परिवार के साथ आते रहे। इसे रायपुर की सबसे अच्छी, सुकूनदायक और सुरक्षित चौपाटी माना जाता था।

- मूणत ने कहा- अवैध चौपाटी थी इसलिए हटाई, हम साढ़े तीन साल से विरोध कर रहे थे
- पुलिस और कांग्रेसियों के बीच झड़प, जेसीबी के नीचे लेटे पूर्व विधायक विकास

उसे हटाने का कांग्रेस ने जोरदार विरोध किया। वहीं पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने साइंस कालेज की चौपाटी को अवैध निर्माण करार दिया है।

रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा 3 साल पूर्व 5 करोड़ खर्च कर जीई रोड में साइंस कालेज खेल मैदान के सामने चौपाटी विकसित की गई। इसका पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने कड़ा विरोध किया था। 2023 में भाजपा सरकार आने के बाद चौपाटी को हटाने और उस स्थान पर नालंदा 5 लाइब्रेरी बनाने की योजना पर तेजी से काम शुरू हुआ। नवंबर 2025 में नगरीय प्रशासन विभाग ने नालंदा 2 का टेंडर पूरा होने की जानकारी दी और 15 नवंबर से चौपाटी शिफ्टिंग की तारीख घोषित की, लेकिन उससे पहले ही रेलवे ने 32 दुकानदारों को नोटिस भेजकर उस जमीन पर अपना दावा जता दिया। विवाद के बाद नगर निगम और रेलवे के बीच बातचीत का दौर चला।

### कांग्रेस ने कहा-विधायक की हठधर्मिता ने छात्रों का यूथ हब छीन लिया

यूथ हब चौपाटी को शिफ्टिंग किए जाने को लेकर कांग्रेस भवन में पत्रकार वार्ता आयोजित की गयी जिसमें पूर्व विधायक विकास उपाध्याय सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।, कॉंग्रेस नेताओं ने यूथ हब फूड कोड को हटाने की भाजपा सरकार की कार्रवाई का कड़ा विरोध किया। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि साइंस कॉलेज मैदान के सामने संचालित चौपाटी युवाओं के लिए चर्चा, बैठकों और संवाद का प्रमुख केंद्र रहा है। यह क्षेत्र यूनिवर्सिटी और कॉलेज से घिरा हुआ है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं बैठकर अध्ययन, बातचीत और समय व्यतीत करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक राजेश मुणत की हठधर्मिता के कारण चौपाटी को दूसरी जगह शिफ्ट किया जा रहा है, जिससे युवाओं की सुविधा छीन ली गई। विकास उपाध्याय ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार का यह कोई नया रवैया नहीं है। पत्रकार वार्ता में शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा पूर्व महापौर प्रमोद दुबे पंकज शर्मा कन्हैया अग्रवाल ,आकाश शर्मा, आकाश तिवारी ,श्री कुमार मेनन नागभूषण राव, सुंदर जोगी, सतनाम पनाग, बंशी कन्नौजे, इंद्रजीत राजपूत, श्रीनिवास प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

### चौपाटी हटाने का जमकर विरोध, रातभर धरने पर बैठे रहे विकास

शुक्रवार की रात से ही चौपाटी हटाने के विरोध में रायपुर पश्चिम के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय कांग्रेसियों और प्रभावित दुकानदारों के साथ चौपाटी स्थल पर धरने पर बैठ गए। शनिवार सुबह निगम अमला पुलिस बल के साथ जैसे ही मौके पर चौपाटी हटाने पहुंचा और जेसीबी मशीन शुरू हुई श्री उपाध्याय जेसीबी के सामने लेट गए। विरोध प्रदर्शन के बीच हंगामा हुआ, प्रदर्शनकारियों ने जेसीबी की चाबी छीन ली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को बलपूर्वक हटाया। इस दौरान पुलिस व प्रदर्शनकारियों के बीच झूमाझटकी भी हुई। विरोध प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस के पूर्व विधायक और कांग्रेसियों को घसीटते हुए पुलिस उठाकर ले गई।

### मूणत के घर के बाहर धरने पर बैठे हरितवाल

छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सुबोध हरितवाल इस मामले में शुक्रवार की रात विधायक राजेश मूणत से मिलने वेंडरों के साथ उनके घर गए। उन्हें बताया गया मूणत जी बाहर गए हैं। एकाएक भीड़ बढ़ते देख अचानक विधायक घर से बाहर आए और बातचीत की। श्री हरितवाल ने आरोप लागया है, मूणत की जिद्द का परिणाम है कि सैकड़ों परिवार की आजीविका प्रभावित हो गई। उन लोगों के घर खाने की दिक्कत होगी, उनके रोजमर्रा के जीवन में जमा खर्च प्रभावित होगा। स्काई वॉक के नाम पर राजेश मूणत ने अपनी हठधर्मिता का परिचय दिया है।

### अवैध थी चौपाटी, यूथ हब बनेगा : राजेश मूणत

पूर्व मंत्री और रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने कहा है, साइंस कालेज की चौपाटी अवैध रूप से निर्मित हुई है। यह एक दिन का विषय नहीं, विगत साढ़े तीन साल से वे इस मुद्दे को उठाते रहे हैं। रायपुर नगर निगम को मैंने पत्र दिया था कि एजूकेशन हब में अवैध चौपाटी का निर्माण किन शर्तों के तहत किया गया। स्मार्ट सिटी ने चौपाटी को यूथ हब बताकर निर्माण किया था। चौपाटी की जमीन नगर निगम की नहीं, बल्कि खेल विभाग की है। भाजपा के नेताओं ने अवैध चौपाटी निर्माण के विरोध में 12 दिनों तक प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा 29 लाख रुपए में दुकानों के संचालन के लिए एजेंसी को ठेका दिया गया। 60 दुकानों से हर महीने 25 हजार रुपए लिए जा रहे हैं। जो दुकानें एग्रीमेंट के तहत खोली जानी चाहिए थी, वह नहीं खोली गईं। कांग्रेसियों द्वारा चौपाटी हटाने के विरोध किए जाने पर श्री मूणत ने कहा, कांग्रेस केवल राजनीति कि लिए इसका विरोध कर रही है।

### मेयर ने कहा-किसी को बेरोजगार नहीं करेंगे

पत्रकारों से चर्चा करते हुए महापौर मीनल चौबे ने कहा वर्तमान सरकार किसी को बेरोजगार नहीं करना चाहती, बल्कि व्यवस्थित रूप से व्यवस्था कर युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही है। चौपाटी के लिए जगह न होने पर भी स्मार्ट सिटी द्वारा खेल विभाग की जमीन पर निर्माण कराया गया था। इसमें 29 लाख वार्षिक आय होती थी। इसके लिए तीन साल का एग्रीमेंट भी हुआ था। महापौर मीनल चौबे ने कहा, रेलवे विभाग से चर्चा कर सहमति मिलने के बाद आगे व्यवस्थापन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, ताकि प्रभावितों को सहूलियत मिल सके। पत्रकार वार्ता में नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर, पूर्व सभापति प्रफुल्ल विश्वकर्मा, शहर जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष दीपक जायसवाल, एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा, भोलाराम साहू, नंदकिशोर साहू, जोन अध्यक्ष गज्जू साहू सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

# रियल एस्टेट का कारोबार भी हो जाएगा चौपट, नई गाइडलाइन के बाद मकानों का बिकना मुश्किल

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

प्रदेश में जमीन की नई गाइडलाइन के बाद अब रीयल एस्टेट का कारोबार भी चौपट होने की स्थिति में आ गया है। वैसे भी रीयल एस्टेट में लंबे समय से निवेशक निवेश नहीं कर रहे हैं। जिस तरह से सोने की कीमत लगातार आसमान पर जा रही है, उससे घरों और जमीन में निवेश करने वाले सोने और चांदी की तरफ चले गए हैं। यही कारण है कि इस बार त्योहारी सीजन में मकान और प्लाट भी कम बिके हैं। अब तो और स्थिति खराब हो जाएगी। इसी के साथ संयुक्त रूप से जमीन लेने का सौदा भी महंगा हो गया है। ऐसा करने से दो करोड़ की जमीन की रजिस्ट्री साढ़े छह करोड़ की कीमत पर करानी होगी।

रीयल एस्टेट में वैसे भी लंबे समय से मंदी का दौर चल रहा है। ऐसे समय में जब केंद्र सरकार ने जीएसटी का नया स्लैब बनाया, तो सीमेंट के साथ ही बिल्डिंग मटेरियल के सामान की जीएसटी का स्लैब बदलने के बाद मकानों के सस्ते होने का रास्ता खुला। इसी के साथ किसी भी योजना में पहले 30 फीसदी स्थान में फ्लैट बनाने की मंजूरी को बढ़ाकर 40 फीसदी कर दिया गया है, तो इससे भी मकानों की लागत कम हो गई है, लेकिन अब जिस तरह से नई गाइड लाइन आई है उसको लेकर बिल्डर परेशानी में पड़ गए हैं। मकानों में निवेश करने वाले पहले मकान लेने के बाद

### संयुक्त रूप से जमीन लेना भी अब संभव नहीं

उसको एक-दो साल रखकर कीमत बढ़ने पर बेचे देते थे, लेकिन अब यह सौदा आसान नहीं रह गया है। अब अगर कोई चाहे कि उसने कोई 50 लाख का मकान लिया है और उसके दाम 60 लाख हो गए हैं और वह उसको बेच दे तो यह आसान नहीं होगा। क्योंकि जिस क्षेत्र में वह मकान है, वहां पर अगर जमीन की कीमत ही 50 से 60 लाख रुपए हो गई है तो रजिस्ट्री में बहुत ज्यादा पैसा लग जाएगा। पहले बाजार मूल्य से जमीन की कीमत कम रहने पर आसानी से थोड़ा फायदा देखकर निवेशक मकान बेच देते थे, लेकिन अब मकान की रजिस्ट्री में ज्यादा फटका लगने के कारण बार-बार मकान का सौदा करना संभव नहीं होगा। बिल्डरों का कहना है नए मकानों की बिक्री में भी परेशानी होगी, क्योंकि जमीन की कीमत ज्यादा होने पर मकान की कीमत से ज्यादा मूल्य पर रजिस्ट्री करानी पड़ेगी तो ग्राहक इसके लिए तैयार नहीं होंगे।

### संयुक्त जमीन का सौदा बड़ा महंगा

जमीन का कारोबार करने वाले बता रहे हैं कि अब संयुक्त रूप से जमीन खरीदना भी संभव नहीं होगा। पहले तीन लोग मिलकर एक एकड़ जमीन ले लेते थे। बाद में इसको दाम ज्यादा होने पर बेच भी देते थे। या फिर और जमीन लेकर काई योजना प्रारंभ कर देते थे। अब अगर एक एकड़ जमीन के दाम किसी क्षेत्र में दो करोड़ रुपए हैं और वहां पर वर्ग फीट में जमीन के दाम 15 सौ रुपए हैं तो एक एकड़ जमीन की रजिस्ट्री साढ़े छह करोड़ रुपए में होगी। क्योंकि तीन नाम से रजिस्ट्री होने के कारण 15-15 हजार वर्ग फीट के हिसाब से ही रजिस्ट्री होगी। ऐसे में दो करोड़ की जिस जमीन पर रजिस्ट्री के लिए करीब दस फीसदी के हिसाब से 20 लाख लगने चाहिए, उसके स्थान पर 65 लाख रुपए लग जाएंगे। ऐसे में अब संयुक्त रूप से जमीन की खरीदी भी बंद हो जाएगी।

### लकड़ी के बत्ते से किया दंपति पर हमला

**रायपुर।** परिवारिक विवाद के चलते एक व्यक्ति ने दंपति के सिर पर लकड़ी के बत्ता से हमला कर घायल कर दिया। हमले से दंपत्ति को चोटें आई है। खमतराई पुलिस के अनुसार पेशे से रोजी-मजदूरी करने वाला उपकुरा निवासी केशवराम साहू ने अपने बड़े भाई छविराम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। केशवराम ने पुलिस को बताया कि छविराम उसके घर के पास आकर गाली-गलौज कर रहा था। मना करने पर छविराम ने उसके सिर पर बत्ते से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने केशवराम की पत्नी पहुंची तो छविराम ने उसके सिर पर भी बत्ते से हमला कर दिया।

### घूमने जाने से मना करने पर युवक से मारपीट

**रायपुर।** कबीर नगर थाने में एक युवक ने एक अन्य युवक के खिलाफ घूमने जाने से मना करने पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। वाल्मीकि नगर निवासी सूरज जगत ने दयालु नाग के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। सूरज ने पुलिस को बताया कि दयालु ने उसे अपने साथ घूमने जाने के लिए कहा, तब इंकार करने पर दयालु ने सूरज के साथ मारपीट की।

# 10वीं, 12वीं बोर्ड परीक्षा फरवरी की जगह मार्च में हो

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के पूर्व सदस्य एवं शिक्षाविद संजय जोशी ने 20 फरवरी से 10वीं, 12वीं बोर्ड परीक्षा प्रारंभ करने का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने इसे बोर्ड का तुगलकी फरमान कहा है। उन्होंने

- पहले परीक्षा होने से छात्र पालक शिक्षक सभी चिंतित: जोशी

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल से अपने निर्णय पर पुनर्विचार कर बोर्ड परीक्षाएं 1 मार्च से प्रारंभ करने की मांग की है। श्री जोशी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शैक्षणिक सत्र 16 जून से प्रारंभ होता है उसके अनुसार बोर्ड परीक्षाएं 1 मार्च से प्रारंभ होती रही है। शैक्षणिक कैलेंडर के पालन की यह एक आदर्श स्थिति थी। किंतु इस वर्ष शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ में बोर्ड द्वारा बिना कोई पूर्व सूचना के एवं जब सत्र समाप्ति के मात्र चंद माह ही शेष है तब कल अचानक

20 फरवरी से बोर्ड परीक्षाओं के प्रारंभ की घोषणा ने समस्त शैक्षणिक जगत को स्तब्ध कर दिया है। बोर्ड परीक्षा के इस आकस्मिक घोषणा से छत्तीसगढ़ के समस्त विद्यार्थी, शिक्षक, पालक अचंभित हैं एवं तनाव की स्तिथि में आ गए है।

संजय जोशी ने कहा कि सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं फरवरी में इसीलिए प्रारंभ होती है क्योंकि उनका सत्र 1 अप्रैल से प्रारंभ होता है किंतु सीजी बोर्ड के स्कूल 16 जून से प्रारंभ होता है, तब उस स्थिति में फरवरी माह में बोर्ड की परीक्षाएं कैसे संभव है? बोर्ड के अधिकारी अपनी सुविधा को ध्यान रख छात्रहित को तिलांजलि दे रहे हैं।

### 1.72 लाख मीटर लगेंगे, दिसंबर तक सभी दफ्तरों में लगाना जरूरी, अब तक सवा लाख लगे

# सरकारी दफ्तरों के स्मार्ट मीटर का दायरा बढ़ा, अब पंचायत स्तर पर भी लग रहे

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रदेशभर के बिजली उपभोक्ताओं के मीटर को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। सबसे पहले सरकारी दफ्तरों में स्मार्ट मीटर लगाने का आगाज बीते साल फरवरी से किया गया था। पहले करीब एक लाख तीस हजार सरकारी दफ्तरों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने थे, लेकिन अब इसका दायरा बढ़ा दिया गया है। पंचायत स्तर पर भी जो सरकारी दफ्तर हैं, उनमें भी स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। इसी के साथ आंगवबाड़ी में मीटर लगाने का काम किया जा रहा है। अब 1.72 लाख सरकारी दफ्तरों में मीटर लगेंगे। ऐसे में अब इसकी डेडलाइन दिसंबर कर दी गई है। पहले अगस्त में सभी दफ्तरों में मीटर लगाने जरूरी थे। केंद्र सरकार की कड़ाई के बाद अब मीटर लगाने में तेजी आई है, अन्यथा सवा साल में तो दस फीसदी दफ्तरों में भी स्मार्ट मीटर नहीं लगे थे।

सरकारी दफ्तरों में स्मार्ट मीटर लगने की रफ्तार धीमी होने की जानकारी केंद्र सरकार को होने पर केंद्र सरकार के विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इस मामले में भारी नाराजगी जताई थी और हर हाल में अगस्त तक सभी सरकारी दफ्तरों में स्मार्ट मीटर लगाने का फरमान जारी किया था। इधर केंद्र सरकार की नाराजगी को देखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने इस साल के अंत तक सभी उपभोक्ताओं के भी स्मार्ट मीटर को भी

### सरकारी विभागों पर ढाई हजार करोड़ बकाया

बदलने का लक्ष्य तय किया है। अब तक सामान्य उपभोक्ताओं के करीब 30 लाख मीटर बदले गए हैं। इनके करीब 60 लाख स्मार्ट मीटर लगने हैं। बिजली बिल जमा करने के मामले में प्रदेश के सरकारी विभाग ही बेलगाम हैं। इन पर कितना भी बिल बकाया हो जाए, इनका कनेक्शन कट नहीं किया जाता है। लेकिन आम उपभोक्ता का थोड़ा सा बकाया होने पर पॉवर कंपनी के कर्मचारी कनेक्शन काटने पहुंच जाते हैं। हाल ही में 40 हजार से ज्यादा आम उपभोक्ताओं की बिजली कट की गई तो उपभोक्ताओं ने 25 करोड़ जमा किए। इधर पॉवर कंपनी हमेशा से सरकारी विभागों पर बकाया को लेकर परेशान रही है। छत्तीसगढ़ बनने के बाद कभी भी ऐसा नहीं हुआ है कि सरकारी विभागों पर बकाया पूरी तरह से समाप्त हो गया हो। इस समय भी सरकारी विभागों पर करीब ढाई हजार करोड़ बकाया है।

### सवा साल में लगे थे दस फीसदी

प्रदेश में करीब 60 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। इसके लिए टाटा और जीनस कंपनी को ठेका मिला है। 55 लाख से ज्यादा आम उपभोक्ताओं के मीटर लगने हैं। इसी के साथ दो लाख से ज्यादा ट्रांसफार्मरों में मीटर लगेंगे। इसी के साथ पहले 129332 सरकारी दफ्तरों में में मीटर लगने तय किए गए थे। सवा साल में महज दस फीसदी दफ्तरों में ही मीटर लग पाए थे। केंद्र सरकार की नाराजगी के बाद इसकी रफ्तार बढ़ाई गई। इसी के साथ इसका दायरा भी बढ़ाया गया है। अब पंचायत स्तर के भी सरकारी दफ्तरों को शामिल करने के कारण दफ्तरों की संख्या भी 1.72 लाख हो गई है। इसमें से करीब सवा लाख दफ्तरों और पंचायतों में स्मार्ट मीटर लगा दिए गए हैं। योजना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि तय डेडलाइन दिसंबर तक बचे सरकारी दफ्तरों में स्मार्ट मीटर लगाने की संभावना है।

बिलासपुर
रविवार 23 नवंबर 2025
अगहन शुक्ल पक्ष तृतीया
वर्ष : 25, अंक : 240
पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 30.5
न्यून. 15.8

# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

7 कुलदीप का जादू, दक्षिण अफ्रीका के 6 विकेट ...

विचार पेज
2 प्रदूषण पर लगाम की कारगर नीति बने

### पीएम मोदी की अगुवाई में अफ्रीका जी-20 ने बदल दिए दुनिया के नियम

# जी-20 की टूटी परंपरा, अमेरिका का बायकॉट फिर भी प्रस्ताव पास

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल देशों ने जलवायु परिवर्तन पर एक ऐतिहासिक घोषणापत्र पारित किया है। पीएम मोदी की अगुवाई में अफ्रीका जी-20 ने दुनिया के नियम बदल दिए। जी20 देशों के समूह की ओर से घोषणापत्र पर अमेरिका के विरोध और बहिष्कार के बाद बावजूद सर्वसम्मति से सहमति बनी है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

इतिहास गवाह है कि सदियों से दुनिया के नियम चंद अमीर देश तय करते आए हैं, लेकिन 22 और 23 नवंबर 2025 को जोहान्सबर्ग में जो हुआ, उसने पुरानी विश्व व्यवस्था की नींव हिला दी है। अमेरिका और यूरोप के कुछ देशों की दादागिरी और अब नहीं चलेगी। पहली बार अफ्रीका की धरती पर जी-20 का शिखर सम्मेलन हुआ। यह महज एक बैठक नहीं थी। यह ग्लोबल साउथ का शक्ति प्रदर्शन था। जी20 समूह की ओर से उठाए गए इस कदम को परंपरा के हटकर बताया जा रहा है, क्योंकि जी20 में शामिल दुनिया भर के नेताओं ने जलवायु परिवर्तन को लेकर अमेरिका की अनुपस्थिति ⏭शेष पेज 8 पर

**मेलोनी से की मुलाकात सिल्वा को लगाया गले**

पीएम मोदी ने जी 20 समिट में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और दुनियाभर के नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान ब्राजीली राष्ट्रपति लूला डि सिल्वा को उन्होंने गले लगा लिया। मोदी ने शनिवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात की।

## अफ्रीका में पहला जी20 शिखर सम्मेलन

अफ्रीका में आयोजित पहला जी20 शिखर सम्मेलन दुनिया के सबसे गरीब देशों को प्रभावित करने वाली लंबे समय से जारी कुछ समस्याओं के समाधान की दिशा में आगे बढ़ने के महत्वाकांक्षी एजेंडा के साथ शनिवार को शुरू हुआ। दुनिया की सबसे समृद्ध एवं प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के नेता और शीर्ष सरकारी अधिकारी दक्षिण अफ्रीका के प्रसिद्ध सोवेटो कस्बे के पास स्थित एक प्रदर्शनी केंद्र में एकत्र हुए, ताकि वे मेजबान देश द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं को लेकर किसी सहमति पर पहुंचने की कोशिश कर सकें। इन प्राथमिकताओं में बढ़ती वैश्विक असमानता को कम करने के उपायों के तहत जलवायु-संबंधी आपदाओं से उबरने के लिए गरीब देशों को अधिक सहायता देना शामिल है।

**पीएम मोदी बोले**

### आतंकवाद को खत्म करने रोकनी पड़ेगी फेंटेनिल की तस्करी

अमेरिकी टैरिफ की वजह से दुनिया में मची हुई आर्थिक अस्थिरता और जटिल संघर्षों के दौर में शनिवार को दक्षिण-अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। भारत की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसमें शिरकत की और पहले उद्घाटन सत्र में ही नई दिल्ली के 'वसुधैव कुटुंबकम और एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' के व्यापक दृष्टिकोण के तहत चार महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखें। आतंकवाद का मुद्दा भी इसमें शामिल है। जिसे लेकर प्रधानमंत्री ने खासतौर पर फेंटेनिल मादक पदार्थ का उल्लेख करते हुए इसकी तस्करी पर समूह देशों से तत्काल प्रभाव से रोक लगानी चाहिए। साथ की इस संबंध में समस्या के निदान स्वरूप मादक पदार्थों से जुड़े आतंकवाद के गठजोड़ के संबंध में जी-20 के ⏭शेष पेज 8 पर

# नशेड़ी ने पत्नी की हत्या कर कुएं में फेंकी लाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिहारपुर

- ऊपर से भर दिया पुआल, फरार आरोपी की तलाश

सूरजपुर जिले में पत्नी की कहासुनी से नाराज नशेड़ी पति ने डंडे व सिलबट्टे से हमला कर बेहरमीपूर्वक पत्नी की हत्या कर दी। साक्ष्य को छिपाने के लिए मृतका की लाश को पास के कुएं में फेंक दिया। आरोपी पति ने लाश के ऊपर पुआल डाल दिया ताकि किसी की नजर ना बड़े। छोटे बेटे की सूचना पर मृतिका की लाश को कुएं से बरामद हो गई। घटना के बाद आरोपी पति फरार हो गया है।

सूरजपुर जिले के दूरस्थ चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नवाटोला माझापारा निवासी अशोक राजक आदतन नशेड़ी है। नशे में वह आए दिन अपनी पत्नी देव कुमारी के साथ विवाद और मारपीट करता था। बीती रात वह शराब के नशे में घर पहुंचा तथा पत्नी देव कुमारी से किसी बात को लेकर विवाद करने लगा। ⏭शेष पेज 8 पर

**आरोपी की तलाश**

सूचना पर पहुंची पुलिस एवं एफएसएल की टीम की मौजूदगी में लाश को बाहर निकाला गया। पुलिस व एफएसएल की टीम घटना की जांच कर रही है। थाना प्रभारी प्रदीप सिदार ने बताया कि मामले की जांच चल रही है और आरोपी की तलाश जारी है।

### जांच में जुटे 200 पुलिस कर्मी

# सात करोड़ की डकैती, पुलिस कांस्टेबल समेत 3 गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ बेंगलुरू

बेंगलुरू पुलिस ने शहर में हाल ही में हुई सात करोड़ रुपए की लूट का खुलासा कर दिया है। एक पुलिस कांस्टेबल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने लूटे गए सात करोड़ में से करीब पांच करोड़ रुपए भी बरामद कर लिए हैं। अब पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर लूट में शामिल अन्य संदिग्धों की तलाश में जुटी है।

**5 करोड़ से ज्यादा की रकम बरामद**

बेंगलुरु पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने मीडिया से बातचीत में बताया कि अब तक 5.76 करोड़ रुपए बरामद किए गए हैं। बाकी रकम का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। सिंह ने कहा, 'हमने ग्यारह टीमें बनाई थीं और इस काम के लिए 200 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को लगाया था। 30 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की गई और तीन को गिरफ्तार किया गया है।

**खबर संक्षेप**

### मिलावटी घी से बने 20 करोड़ लड्डू

**चेन्नई।** तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के प्रसाद में मिलावट मामले में शनिवार को नया खुलासा हुआ। स्पेशल इन्वेस्टिगेंशन टीम ने बताया कि टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन बीआर नायडू ने कबूला है कि साल 2019 से 2024 के बीच 48.76 करोड़ लड्डू बनाए गए। टीटीडी के मुताबिक यह अनुमान रोजाना दर्शनार्थियों की संख्या, खरीद के रिकॉर्ड, बनाने और सप्लाई के आंकड़ों को मिलाकर निकाला गया है। एसआईटी ने चेयरमैन बीआर नायडू से आज करीब आठ घंटे पूछताछ की।

*शीतकालीन सत्र में सरकार लाएगी 10 नए बिल*

# परमाणु क्षेत्र में निजी कंपनियों के प्रवेश का खुलेगा रास्ता!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है और सरकार इस बार 10 नए विधेयक (बिल) पेश करने की तैयारी में है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है 'परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025', जो देश के नागरिक परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का रास्ता बनाएगा। अब तक यह क्षेत्र पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में रहा है। सरकार मध्यस्थता और सुलह अधिनियम में भी बदलाव लाने पर विचार कर रही

है। ज्यादा स्पष्टता के लिए एक समिति को इसकी समीक्षा का काम दिया गया है।

नेशनल हाईवेज (संशोधन) बिल, कॉरपोरेट लॉज (संशोधन) बिल, 2025 और सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड (एसएमसी) बिल, 2025 पेश करने की तैयारी है। इसके अलावा कुछ और बिल पेश किए जा सकते हैं।

**उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव का प्रस्ताव**

सत्र के एजेंडे में हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल भी शामिल है। लोकसभा के बुलेटिन के मुताबिक यह बिल ऐसे आयोग की स्थापना करेगा, जो विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को अधिक स्वायत्तता दे, उन्हें स्वतंत्र और स्वयं-शासित संस्थान बनने में मदद करे और मान्यता की प्रक्रिया को पारदर्शी और मजबूत बनाए। यह प्रस्ताव काफी समय से सरकार की योजना में रहा है और अब इसे आगे बढ़ाया जा रहा है।

### निर्वाचन का दावा अब तक 99 प्रतिशत फार्म प्रदेश में वितरित

# दावा: 99 फीसदी वोटरों को बांटे एसआरआई फार्म, हकीकत: लोग कह रहे मिला ही नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

**खास खबर**

छत्तीसगढ़ में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य जारी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी का दावा है कि प्रदेशभर में पंजीकृत मतदाताओं को गणना प्रपत्र का वितरण लगभग पूर्ण हो चुका है। निर्वाचन के दावे के बीच बहुत से मतदाताओं के पास गणना पत्रक अब तक नहीं पहुंच पाए हैं। बीएलओ ⏭शेष पेज 8 पर

**सीईओ छत्तीसगढ़ की वेबसाइट में बीएलओ डिटेल्स और नंबर देख सकते हैं**

**धरसींवा और अभनपुर में सबसे अधिक:** बताया गया है कि जिले में सबसे अधिक धरसींवा व अभनपुर विधानसभा क्षेत्र में तेजी से गणना प्रपत्र वितरण की की गई है। शहर के चारों विधानसभा में वितरण की स्थिति आपेक्षाकृत पीछे हैं। ⏭शेष पेज 8 पर

**आपके घर नहीं पहुंचे तो कर सकते हैं संपर्क:** यदि आपके घर अबतक बीएलओ अब तक नहीं पहुंचे तो आप सीईओ छत्तीसगढ़ की वेबसाइट में बीएलओ डिटेल्स और नंबर देख सकते हैं। उनसे संपर्क कर पूरी जानकारी ली जा सकती है। शासन के निर्देश के अनुसार बीएलओ को घर-घर जाकर एसआईआर करने के निर्देश दिए गए हैं।

**बड़ी संख्या में लोगों तक नहीं पहुंचे**

शहर के लोग अब तक असमंजस में फंसे हुए हैं, क्योंकि शहर में वर्तमान में बहुत से लोगों के घर अबतक बीएलओ नहीं पहुंचे हैं। इसलिए अधिकारियों ने बीएलओ को शहरी क्षेत्रों में काम में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। बीएलओ का कहना है कि सूची में जो पता दिया गया है वहां कई मतदाता नहीं रहते, उनका पता बदल गया है। उनसे संपर्क नहीं होने के कारण इन क्षेत्रों में कमी बताई जा रही है।

**देश की राजधानी दिल्ली समेत पूरा एनसीआर एक बार फिर जहरीली हवा की गिरफ्त में है। सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली-एनसीआर को कोई स्थायी समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें और राजनेता एक-दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिए तत्पर क्यों नहीं होते? कागज पर भले सरकार ने वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। ध्यान देने वाली बात यह है कि चीन जो कभी खतरनाक प्रदूषण से जूझ रहा था, एक दशक के अंदर अपनी वायु गुणवत्ता में सुधार लाने में कामयाब रहा। हम ऐसा क्यों नहीं कर पा रहे। चीन ने इसे राष्ट्रीय आपातकाल मानकर तेज गति से काम किया है। चीन की इस सफलता में निगरानी ने एक बड़ी भूमिका निभाई। देश ने एक व्यापक रियल टाइम वायु निगरानी नेटवर्क बनाया, जो शहर दर शहर और यहां तक कि फैक्ट्री दर फैक्ट्री प्रदूषकों पर नजर रखता था। इससे उन्हें उत्सर्जन कहां से आया, इसका एक सटीक डेटा मिला और उसी के मुताबिक कार्रवाई संभव हुई। हम ऐसा करने में कहां कमजोर पड़ रहे हैं, इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...**

# प्रदूषण पर लगाम की कारगर नीति बने

पर्यावरण

रविशंकर

स्वतंत्र पत्रकार

उत्तर भारत एक बार फिर जहरीली हवा की गिरफ्त में हैं। लोगों के लिए सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। आसमान में मौजूद धुंआ जनस्वास्थ्य संकट बन चुका है। लोग गैस चैंबर में रहने को मजबूर हैं। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक कई इलाकों में 400 के पार पहुंच चुका है,जो गंभीर श्रेणी में आता है। यानी सांस लेना भी खतरे से खाली नहीं। भले इस गंभीर होती समस्या से पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्देश जारी किए गए, मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। पर्यावरण के लिए काम करने वाली संस्था ग्रीनपीस की एक रिपोर्ट के मुताबिक़ भारत की राजधानी दिल्ली दुनियाभर में सभी देशों की राजधानी में सबसे ज़्यादा प्रदूषित शहर है।

**दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार पहुंच चुका है,जो गंभीर श्रेणी में आता है। यानी सांस लेना भी खतरे से खाली नहीं। भले इस गंभीर होती समस्या से पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्देश जारी किए गए, मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तात्कालिक कार्रवाई के बजाय निरंतर प्रयासों की जरूरत है। स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना, वाहनों की संख्या को नियंत्रित करना और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना जैसे उपाय दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं।**

## स्थायी समाधान क्यों नहीं

सवाल है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली-एनसीआर को कोई स्थायी समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें और राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिए तत्पर क्यों नहीं होते? कागज पर भले सरकार ने वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे पता चलता है कि हमारे यहां व्यवस्था प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए कितनी कारगर है। इसी बीच, ध्यान देने वाली बात यह है कि चीन जो कभी खतरनाक प्रदूषण से जूझ रहा था, एक दशक के अंदर अपनी वायु गुणवत्ता में सुधार लाने में कामयाब रहा। सवाल अहम यह है कि भारत दुनिया के दूसरे देशों से सबक क्यों नहीं ले रहा है। यह ठीक है कि भारत ने प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए कई उपाय शुरू किए हैं लेकिन धीमी गति और जमीनी स्तर पर कमजोर प्रवर्तन की वजह से उनका प्रभाव सीमित ही रहा। वहीं चीन ने प्रदूषण को राष्ट्रीय आपातकाल मानकर तेज गति से काम किया है। चीन की इस सफलता में निगरानी ने एक बड़ी भूमिका निभाई। देश ने एक व्यापक रियल टाइम वायु निगरानी नेटवर्क बनाया, जो शहर दर शहर और यहां तक कि फैक्ट्री दर फैक्ट्री प्रदूषकों पर नजर रखता था। इससे उन्हें उत्सर्जन कहां से आया, इसका एक सटीक डेटा मिला और उसी के मुताबिक कार्रवाई संभव हुई।

## चीन ने किया नीति में बदलाव

इसी के साथ चीन ने अपनी परिवहन प्रणाली में भी बदलाव किया। बीजिंग जैसे शहरों में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार किया, चौड़े पैदल यात्री क्षेत्र बनाएं,निजी वाहन पर निर्भरता कम की और साथ ही सार्वजनिक परिवहन में निवेश किया। इसी के साथ प्रदूषणकारी उद्योगों के प्रति भी चीन ने सख्ती दिखाई। चीन ने उद्योगों को स्वच्छ ईंधन और रिन्यूएबल एनर्जी की तरफ मोड़ कर कोयल पर अपने निर्भरता को भी कम किया। गैस आधारित बॉयलरों ने अनगिनत कोयला इकाइयों की जगह ली,जिस वजह से सल्फर उत्सर्जन में काफी कमी आई। भारत में अभी भी कोयले पर निर्भरता काफी ज्यादा है। साफ है, चीन का मॉडल दिखाता है कि मजबूत प्रवर्तन और एकीकृत सरकारी दृष्टिकोण से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। गौर करने वाली बात ये है कि प्रदूषण से आबादी के लिहाज से सबसे ज्यादा नुकसान भारत को ही होता है,लिहाजा भारत को अपनी जिम्मेदारी बखूबी समझते हुए तत्काल ही कुछ सार्थक और ठोस उपाय करना होंगे। साफ है, आज के समय दुनिया में सबसे ज्यादा बीमारियां पर्यावरण प्रदूषण की वजह से हो रही हैं। मलेरिया, एडस और तपेदिक से हर साल जितने लोग मरते हैं उससे ज्यादा लोग प्रदूषण से होने वाली बीमारियों से मर जाते हैं।

## उदासीन बनी है सरकार

बहरहाल, हर साल सवाल यही उठता है कि वायु प्रदूषण से हर साल होने वाली मौत को रोकने के लिए सरकार की तरफ से क्या कदम उठाए जा रहे हैं? इसके बावजूद लोग अपने त्रासदीपूर्ण भविष्य को लेकर पूरी से तरह से बेखबर हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर हमारी सरकार और समाज कर क्या रहे हैं? वास्तव में वायु प्रदूषण की समस्या इतनी जटिल होती जा रही है कि भविष्य अंधकारमय होता प्रतीत हो रहा है। वस्तुतः आज मनुष्य भोगवादी जीवन शैली का इतना आदि और स्वार्थी हो गया है कि अपने जीवन के मूल आधार समस्त वायु को दूषित कर रहा है, नैतिकता, धर्म, कर्तव्य सब भूल रहा है। बढ़ते वाहनों और कारखानों से निकलते धुएं ने वायु का, वृक्षों की कटाई से जीवनदायिनी गैसों को, मनुष्य द्वारा फैलाई जा रही गंदगी से जल को इस तेजी के साथ प्रदूषित कर रहा है कि दुगनी गति से बीमारियां भी फैल रही हैं। मानवीय सोच और विचारधारा में इतना ज्यादा बदलाव आ गया है कि भविष्य की जैसे मानव को कोई चिंता ही नहीं है। अमानवीय कृत्यों के कारण आज मनुष्य प्रकृति को रिक्त करता चला जा रहा है। जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण असंतुलन के चलते भूमंडलीय ताप, अम्लीय वर्षा, बर्फीली चोटियों का पिघलना, सागर के जल-स्तर का बढ़ना, मैदानी नदियों का सूखना, उपजाऊ भूमि का घटना और रेगिस्तानों का बढ़ना आदि विकट परिस्थितियां उत्पन्न होने लगी है। ये सारा किया कराया मनुष्य का है और आज विचलित, चिंतित भी स्वयं मनुष्य ही हो रहा है। लेकिन अफ़सोस की बात है कि हम चेत नहीं हो रहे हैं। साल दर साल बीत जाने के बाद भी भारत में वायु प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है। चाहे केंद्र सरकार हो या फिर राज्य सरकारें, कोई भी प्रदूषण से लड़ने के लिए गंभीर नहीं दिखता। ऐसे में सरकारों के प्रदूषण से लड़ने के लिए दीर्घकालीन नीतियां बनाने की जरूरत है, तो वहीं दूसरी तरफ लोगों को अपने स्तर पर वे सभी जतन करने की जरूरत है जो हवा को जहरीली होने से रोकें।

## विदेशों से सीख ले भारत

ये ठीक है कि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने कई कदम उठाए थे। फिर भी हम फिसड्डी साबित हुए। ऐसे में भारत की जिम्मेदारी बड़ी और ज्यादा गंभीर चुनौतीपूर्ण हो जाती है क्योंकि हमें विकसित और विकासशील दोनों ही प्रकार के देशों में किए जा रहे उपायों को अपनाना पड़ेगा। दअरसल, वायु प्रदूषण एक ऐसा मुद्दा है जो पूरी दुनिया के लिए चिंता की बात है ओर इसे बिना आपसी सहमति और ईमानदार प्रयास के हल नहीं किया जा सकता है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तात्कालिक कार्रवाई के बजाय निरंतर प्रयासों की जरूरत है। स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना, वाहनों की संख्या को नियंत्रित करना, और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना जैसे उपाय दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं। एक व्यवस्थित निगरानी तंत्र से पूरे वर्ष वायु गुणवत्ता का मूल्यांकन करना जरूरी है

# माइक्रो प्लास्टिक बिगाड़ रहा दिल्ली की सेहत

प्रदूषण

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

जहरीली हवा ने जहां एक ओर दिल्ली वालों की दिनचर्या बदल दी है, वहीं दूसरी ओर प्रदूषित हवा ने बच्चों, बुजुर्गों समेत महिलाओं के समक्ष अनेक प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं खड़ी कर दी हैं। सच तो यह है कि साल दर साल राजधानी में प्रदूषण से परेशानियां बढ़ती ही जा रही हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि दिल्ली पिछले कई वर्षों से प्रदूषण की मार झेल रही है। गर्भस्थ शिशुओं तक पर प्रदूषण का व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। इस क्रम में यदि हम जन्म पंजीकरण के आंकड़ों पर गौर करें तो पिछले वर्ष जन्म लेने वाले 30.31 प्रतिशत नवजात शिशुओं का वजन दो किलोग्राम तक था। वहीं, वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 31.54 प्रतिशत था। गौरतलब है कि जन्म के समय नवजात का वजन ढाई किलोग्राम से कम हो तो उसे सामान्य से कम माना जाता है। ऐसे में जन्म के समय सामान्य से कम वजन वाले नवजात शिशुओं की संख्या 30-31 प्रतिशत से अधिक है। इतना ही नहीं, एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक में छपी एक खबर के अनुसार चांदनी चौक की हवा में प्लास्टिक के कण भी पाये गये हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जैसा कि दैनिक ने लिखा है-'चेन्नई और मुंबई की तुलना में कोलकाता और दिल्ली की आबोहवा में माइक्रो प्लास्टिक की मौजूदगी कहीं अधिक है। इस वजह से इन दोनों शहरों की हवा में प्लास्टिक के ऐसे सूक्ष्म अंश अधिक हैं, जो सांस के जरिये शरीर में पहुंच सकते हैं। इस तरह के आइएमपी (सांस के साथ शरीर में पहुंचने योग्य माइक्रो प्लास्टिक) का कोलकाता में स्तर 14.23 माइक्रोग्राम घन मीटर और दिल्ली में 14.18 माइक्रोग्राम घन मीटर पाया गया। चेन्नई और मुंबई के वातावरण में इसकी मौजूदगी बहुत कम रही।' बताता चलूं कि खराब कूड़ा प्रबंधन इसके लिए जिम्मेदार है। वास्तव में, सर्दी के मौसम में प्रदूषण बढ़ने के साथ हवा में माइक्रो प्लास्टिक का स्तर भी 14 से 71 प्रतिशत बढ़ जाता है। दरअसल,यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सर्दियों में कूड़े का ठीक से प्रबंधन नहीं हो पाता और लोग सिंथेटिक कपड़े ज्यादा पहनते हैं। ठंड की वजह से हवा नीचे ही अटकी रहती है, जिससे प्रदूषण ऊपर नहीं उठ पाता। इस मौसम में पैकेट वाले खाने और प्लास्टिक वाले सेनेटरी नैपकिन का इस्तेमाल भी बढ़ जाता है, जिससे प्लास्टिक कूड़ा ज्यादा बनता है। दिल्ली के चांदनी चौक और सरोजिनी नगर जैसे बाजारों में हवा में माइक्रोप्लास्टिक ज्यादा पाया गया है। बहरहाल, क्या यह चिंताजनक बात नहीं है कि राजधानी में 22 स्थानों पर प्रदूषण का स्तर हाल ही में 400 पार कर गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, 19 नवंबर 2025 को बुधवार के वायु गुणवत्ता सूचकांक में 18 नवंबर 2025 मंगलवार की अपेक्षा लगभग 20 अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। गौरतलब है कि मंगलवार को मानक एक्यूआई 374 दर्ज किया गया, जबकि बुधवार को यह 392 दर्ज किया गया। शाम 7 बजे 22 जगहों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 से ऊपर दर्ज किया गया, जो कि गंभीर श्रेणी में आता है। वास्तव में, हवा की गति कम, तापमान में गिरावट और आंशिक रूप से बादल छाए रहने के कारण राजधानी में प्रदूषण के स्तर में लगातार पिछले कुछ दिनों से एक्यूआई 300 से अधिक है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि राजधानी में बुधवार की सुबह 8 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 391 दर्ज किया गया। इसी के साथ दिल्ली में लगातार छठे दिन वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही। बहरहाल, दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली और दिल्ली एनसीआर के कई क्षेत्र लगातार शामिल होते रहे हैं। यहाँ सर्दियों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब स्तर तक पहुँच जाती है, क्योंकि वाहन धुआँ, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण धूल और आसपास के राज्यों में पराली जलने का असर मिलकर प्रदूषण बढ़ा देते हैं। ठंडी हवा और कम हवा की रफ्तार प्रदूषित कणों को जमीन के पास रोके रखती है, जिससे पीएम . और पीएम का स्तर तेजी से बढ़ जाता है। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद भी अक्सर 'बहुत खराब' या 'गंभीर' श्रेणी में पहुँच जाते हैं। इस प्रदूषण से साँस और हृदय संबंधी बीमारियाँ बढ़ती हैं और बच्चों-बुजुर्गों पर इसका सबसे ज्यादा असर होता है। लगातार बढ़ते प्रदूषण ने दिल्ली-एनसीआर को वैश्विक स्तर पर अत्यधिक प्रदूषण प्रभावित क्षेत्र बना दिया है। इसी क्रम में हाल ही में शीर्ष अदालत ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को नवंबर-दिसंबर में प्रस्तावित खेल स्पर्धाएं स्थगित करने का निर्देश देने पर भी विचार करने को कहा है।

***सर्दी के मौसम में प्रदूषण बढ़ने के साथ हवा में माइक्रो प्लास्टिक का स्तर भी 14 से 71 प्रतिशत बढ़ जाता है। दरअसल, यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सर्दियों में कूड़े का ठीक से प्रबंधन नहीं हो पाता***

# ऐसे तो गल जाएंगे दिल्ली के फेफड़े

महारोग स्मॉग

डॉ. घनश्याम बादल

स्वतंत्र पत्रकार

दिल्ली में क्लाउड सीडिंग के माध्यम से कृत्रिम बारिश का सपना टूट गया है। लगातार तीन दिन तक आकाश में क्लाउड सीडिंग करने के बावजूद एक बूंद भी बारिश नहीं हुई और दिल्ली वासी 400 से ऊपर एक क्यू आई यानी हवा की बहुत ख़राब क्वालिटी के साथ सांस लेने को मजबूर हैं। हालत इतनी ख़राब है कि 100 मीटर दूर की बिल्डिंग दिखाई नहीं दे रही है। दीपावली के बाद अक्सर दिल्ली में स्मॉग की समस्या आती रही है और इसके पीछे जहां दीपावली के पटाखों को जिम्मेदार ठहराया जाता है वहीं हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा पराली जलाए जाने के आरोप लगाकर भी पल्ला झाड़ लिया जाता है जबकि असलियत यह है कि जिस तरह दिल्ली में परिवहन एवं वाहनों की स्थिति है उसके चलते आने वाले वर्षों में पूरे साल ऐसी ही स्थिति रहने वाली है और यदि कारगर उपाय नहीं किए गए तो फिर दिल्ली के फेफड़े खराब होने तय हैं। दिल्ली ही नहीं दूसरे व्यस्त महानगरों में भी भारी स्मॉग और कहर बरपा रही है। हर साल दिसंबर जनवरी के महीने कोहरे व स्मॉग के शिकार होते ही हैं। जितना बड़ा शहर उतना ही ज़्यादा स्मॉग और उससे ज़्यादा उससे उपजा संकट। इन दिनों में स्मॉग के चलते बीमार होने के साथ-साथ सड़क दुघर्टनाओं में भी न जाने कितनी जानें जाती हैं। रोज ही लाखों यात्री समय से अपने गंतव्य पर नहीं पंहुच पाते हैं। देश भर में यातायात प्रभावित होता है। प्रतिदिन कितनी ही ट्रेन व बसें तथा हवाई जहाजों की उड़ानें भी लेट होती हैं या फिर रद्द की जाती हैं। कोहरे के प्रकोप का तोड़ ढूंढ पाने हर प्रयास नाकाम सिद्ध हो रहा है। स्मॉग ज्यादातर औद्योगिक शहरी क्षेत्रों में जल कणों का कार्बन कणों तथा अन्य सूक्ष्म कणों के मिश्रण से अधिक तीव्रता से बनता है और ज्यादा देर तक बना रहता है। इसमें विभिन्न रसायनों के वाष्पकण मिल जाने से इसकी प्रकृति अम्लीय भी हो जाती है जो अधिक हानिकारक है। कुदरत से छेड़छाड़ की प्रवृति सबसे बड़ी वजह है स्मॉग के कहर की। यदि सचमुच ही दिल्ली एवं दूसरे शहरों के लोगों को स्मॉग की मार से बचाना है तो हमें दलीय राजनीति एवं क्षुद्र स्वार्थ सबसे पहले छोड़ने होंगे। आज यह समय की मांग है कि हमें स्मॉग से पीड़ित शहरों एवं लोगों को राहत दिलाने के लिए उन सब कारणों को दूर करना जिनकी वजह से स्मॉग की समस्या उत्पन्न होती है। कुल मिलाकर यदि स्मॉग का हल नहीं ढूंढ पाए तो फिर यह तो तय है कि दिल्ली के फेफड़े जल्द ही ख़राब हो जाएंगे और दिल्ली ही क्यों हर उस नगर, महानगर की हालत ऐसी ही होना निश्चित है। इसलिए बेहतर हो कि समय रहते यथार्थ परक व्यवहारिक और गहन सोच वाले कदम उठाए जाएं।

***कुदरत से छेड़छाड़ की प्रवृति सबसे बड़ी वजह है स्मॉग के कहर की। यदि लोगों को स्मॉग की मार से बचाना है तो हमें दलीय राजनीति सबसे पहले छोड़नी होगी***

# नकली बादल से हल नहीं होती वायु प्रदूषण की असली समस्या

दो टूक

पंकज चतुर्वेदी

स्वतंत्र पत्रकार

जब भीषण चक्रवात मोंथा ने सारे देश को भीगा दिया था और बादल दिल्ली के आसपास ही मंडरा रहे थे, वायु प्रदूषण से हताश दिल्ली महानगर पर नकली बरसात करवाकर हवा साफ करवाने का प्रयास असफल ही रहा। याद करें डेढ़ महीने पहले ही राजस्थान में कभी जयपुर के करीब विशाल झील रही और बीते दो दशक से पूरी तरह सूखी जमवा रामगढ़ की झील को भरने के लिए कृत्रिम बारिश के प्रयोग एक तमाशे से अधिक नहीं रहे। वहां कई बार ड्रोन उड़ाये और चार बार असफल रहने के बाद नाममात्र की बूंदें गिरी जिसने झील के तल को गीला तक नहीं किया। दिल्ली सरकार दीपावली के ठीक अगले दिन कृत्रिम बादल से पानी बरसाने की बात कर रही थी और यह होता तो एसिड रैन या तेजाब की बारिश एक बड़ी संभावना थी। कैसी विडंबना है कि समाज और सरकार दोनों के स्तर पर वायु प्रदूषण कम करने के कोई प्रयास होते नहीं, उलटे जब आतिशबाजी के धुएं से दम घुटने लगा तो तकनीक के बदौलत एक छद्म प्रयास किया जा रहा है। दिवाली के एक हफ्ते बाद भी दिल्ली-समग्र की कोई चार करोड़ जनसंख्या जिस वायु में सांस ले रही हैं, वह न केवल उनकी उम्र घटा रही है, बल्कि विभिन्न गंभीर बीमारियों के इलाज में खर्च से जेब में भी छेद कर रही है। सालों से चर्चा होती रही है कि इस शहर को गैस चेम्बर बनाने में सड़कों पर जाम, अनियोजित निर्माण से उड़ती धूल का बड़ा हिस्सा है। निरंकुश आतिशबाजी ने इसमें रासायनिक जहर को और जोड़ दिया और इस तरह से हवा को दूषित करने को काबू करने के कोई निर्णायक उपाय हो नहीं रहे। ऐसे में नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है। जिस कृत्रिम बरसात का झांसा दिया जा रहा है, उसकी तकनीक को समझना जरूरी है। इसके लिए हवाई जहाज से

**नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है। कृत्रिम बरसात की तकनीक को समझना जरूरी है।**

सिल्वर-आयोडाइड और कई अन्य रासायनिक पदार्थों का छिड़काव किया जाता है, जिससे सूखी बर्फ के कण तैयार होते हैं। असल में सूखी बर्फ ठोस कार्बन डाइऑक्साइड ही होती है। सूखी बर्फ के पिघलने से पानी नहीं बनता और यह गैस के रूप में ही लुप्त हो जाती है। यदि परिवेश के बादलों में थोड़ी भी नमी होती है तो यह सूखी बर्फ के कणों पर चिपक जाते हैं और इस तरह बादल का वजन बढ़ जाता है, जिससे बरसात हो जाती है। एक तो इस तरह की बरसात के लिए जरूरी है कि वायुमंडल में कम से कम 40 फ़ीसदी नमी हो, फिर यह थोड़ी सी देर की बरसात ही होती है। इसके साथ यह ख़तरा बना रहता है कि वायुमंडल में कुछ ऊंचाई तक जमा स्मॉग और अन्य छोटे कण फिर धरती पर आ जाएं। साथ ही सिल्वर आयोडाइड, सूखी बर्फ के धरती पर गिरने से उसके संपर्क में आने वाले पेड़-पौधे, पक्षी और जीव ही नहीं, नदी-तालाब पर भी रासायनिक ख़तरा संभावित है। वैसे भी दिल्ली के आसपास जिस तरह सीएनजी वाहन अधिक है, वहां बरसात नए तरीके का संकट ला सकती है। विदित हो सीएनजी दहन से नायट्रोजन ऑक्साइड और नाइट्रोजन की ऑक्सीजन के साथ गैसें जिन्हें 'आक्साईड आफ नाइट्रोजन' का उत्सर्जन होता है। चिंता की बात यह है कि "आक्साईड आफ नाइट्रोजन " गैस वातावरण में मौजूद पानी और ऑक्सीजन के साथ मिलकर तेजाबी बारिश कर सकती है। यह वैश्विक रूप से प्रामाणिक तथ्य है कि नकली तरीके से बरसात करवाना कई बार बहुत भारी पड़ता है, फिर उस दिल्ली एनसीआर में, जहां कुछ मिनट की बरसात से सड़कों पर नदी-नाले भरने से जाम होता है और यही जाम दिल्ली की हवा में सबसे अधिक जहर घोलता है। जाहिर है बरसात से जितना प्रदूषण कम नहीं होगा, उससे अधिक बरसात के कारण वाहनों के ठिठकने से उपजे धुएं से बढ़ेगा ही। कृत्रिम बारिश से होने वाली भारी बारिश से बाढ़ आ सकती है, जिससे जान-माल की हानि हो सकती है। प्रकृति को कोई भी नकली या बाहरी प्रयास बचा नहीं सकता। इसके लिए मानव को ही आत्म नियंत्रण करना होगा ताकि कम से कम हवा दूषित हो। कृत्रिम बरसात करवाना वैसा ही है जैसे नल की टोंटी कर पोंछा लगाने की कवायद।

# विकासशील देशों के लिए संकट बनी प्लास्टिक कचरे की सुनामी

ई-कचरा

प्रमोद भार्गव

स्वतंत्र पत्रकार

पर्यावरण पर वैश्विक निगरानी रखने वाली सिएटल स्थित संस्था 'बासेल एक्शन नेटवर्क' (बीएएन) की ताजा रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि अमेरिका से लाखों टन खराब इलेक्ट्रॉनिक सामग्री कई देशों में ठिकाने लगाने की दृष्टि से भेजी जा रही है। इनमें से अधिकांश दक्षिण पूर्व एशिया के विकासशील देश हैं। इन देशों में इस खतरनाक कचरे का सुरक्षित रूप से नष्ट करने का कोई उपाय नहीं है, इसलिए वे इसे लेने को तैयार नहीं हैं। बावजूद दस अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियां प्रयोग की उम्र समाप्त कर चुके इलेक्ट्रॉनिक्स को एशिया और पश्चिमी एशिया के निर्धन देशों में ठिकाने लगा रही हैं। इसे ई-कचरे की छिपी हुई सुनामी माना जा रहा है।

रपट के अनुसार यह ई-कचरे की अदृश्य सुनामी है, क्योंकि ये विकासशील एवं गरीब देश इस कचरे का पुनर्चक्रण करने में समर्थ नहीं है। फिर भी ताकतवर पूंजीपति देश इन देशों को अपने कचरे का ठिकाना बनाने में बेहिचक लगे हुए हैं। अतएव पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली संस्थाओं को यह आकलन करना कठिन हो रहा है कि घातक कचरा जिन देशों में फेंका जा रहा है, वहां का वायुमंडल किस हद तक प्रभावित एवं प्रदूषित होगा। इसका वहां के लोगों के स्वास्थ पर कितना असर पड़ेगा, यह अंदाजा कोई नहीं लगा पा रहा है। इस कचरे में कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल और अन्य आईटी उपकरण शामिल हैं। इनमें सीसा, कैडमियम और पारा जैसी सामग्रियां हैं, जो मूल्यावन होने के साथ विषाक्त हैं। जैसे-जैसे गैजेट्स नए मॉडल के साथ तेजी से बदले जा रहे हैं, वैसे-वैसे पुनर्चक्रित नहीं किया जाने वाला कचरा पांच गुना बढ़ता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ और अनुसंधान शाखा (यूएनआईटीएआर) के अनुसार एकत्रित आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर 2022 में 6.2 करोड़ मीट्रिक टन ई-कबाड़ उत्पन किया गया। 2030 तक इसके उत्पादन की मात्रा 8.2 करोड़ मीट्रिक टन हो जाने का अनुमान हैं। रपट के अनुसार हर महीने लगभग 2000 कंटेनरों में लगभग 33,000 मीट्रिक टन अमेरिका में इस्तेमाल किया गया। ई-कचरा अमेरिकी बंदरगाहों से बाहर भेजा जाता है। इन कंटेनरों की खेपों की आपूर्ति करने वाली कंपनियों को ई-कचरा ब्रॉकर कहा जाता है। ये आमतौर पर स्वयं कचरे का पुनर्चक्रण करने की बजाय इसे लाचार गरीब देशों के बंदरगाहों पर उतार देती हैं।

**पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली संस्थाओं को यह आकलन करना कठिन हो रहा है कि घातक कचरा जिन देशों में फेंका जा रहा है, वहां का वायुमंडल किस हद तक प्रभावित एवं प्रदूषित होगा।**

यह कचरा लगातार एशियाई देशों में कचरे के बोझ को बढ़ाकर कई तरह के पर्यावरणीय संकट पैदा कर जल-वायु और पृथ्वी को प्रदूषित कर रहा है। इस कचरे से घातक लैंडफिल गैसों का भी उत्सर्जन कुछ सालों के बाद होने लगता है। इनसे उत्पन्न जहरीला रसायन जल और मिट्टी को दूषित करता है। इस कचरे का बहुत बड़ा हिस्सा गरीब लोग अपनी आजीविका चलाने के लिए कबाड़खानों में पहुंचा देते हैं। यहां काम करने वाले मजदूर अक्सर बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के उन्हें हाथों से जला एवं पिघला कर अलग कर खोलते हैं। इस प्रक्रिया विषाक्त धुआं निकलता है, जो अत्यंत हानिकारक होता है। बासेल एक्शन नेटवर्क की संधि के मुताबिक इस्तेमाल किए गए ई-कचरे को एक देश से दूसरे देश भेजने की अनुमति केवल ऐसे कचरे को हैं, जिसे पुनर्चक्रित करके पुनः इस्तेमाल किया जा सके और जो पर्यावरण को प्रदूषित नहीं करने वाला हो। लेकिन ये कंपनियां ऐसी किसी शर्त का पालन नहीं कर रही हैं। यही कारण है कि दुनिया में पुनर्चक्रण की तुलना में ई-कबाड़ में पांच गुना वृद्धि हो रही है। आज ई-कचरा,जिसमें बड़ी मात्रा में प्लास्टिक के उपकरण भी शामिल हैं,नष्ट करना भारत समेत दुनिया के देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। इसे नष्ट करने के जैविक उपाय तलाशे जा रहे हैं। जापान के क्योटो विश्वविद्यालय ने एक ऐसे जीवाणु के अनुसंधान का दावा किया है,जो जैविक रूप से प्लास्टिक नष्ट कर सकता है। हालांकि भारत में यही काम औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकी कचरे को नष्ट करने के लिए केंचुओं से कराया जा रहा है। औसतन एक टन ई-कचरे के टुकड़े करके उसे यांत्रिक तरीके से पुनर्चक्रित किया जाए तो लगभग 40 किलो धूल या राख जैसा पदार्थ तैयार होता है। इसमें अनेक कीमती धातुएं समाहित रहती हैं। इन धातुओं के पृथक्करण की प्रक्रिया मानव शरीर और पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली है, इसलिए इस हेतु बायो-हाइड्रो मेटलर्जिकल तकनीक कहीं ज्यादा बेहतर मानी जा रही है। इस तकनीक को अमल लाते वक्त सबसे पहले बैक्टीरियल लीचिंग प्रोसेस ; बायो लीचिंग का प्रयोग करते हैं। इसके लिए ई-कचरे को बारीक पीसकर उसे जीवाणुओं के साथ रखा जाता है। बैक्टीरिया में मौजूद एंजाइम कचरे में उपस्थित धातुओं को ऐसे यौगिकों में बदल देते हैं कि उनमें गतिशीलता पैदा हो जाती है। बायो-लीचिंग की विधि में जीवाणु कुछ विशेष धातुओं को अलग करने में मदद करते हैं। हालांकि कई प्रकार के जीवाणुओं और फफूंद का उपयोग प्रिंटेड सर्किट बोर्ड से सीसा, तांबा और टिन को अलग करने के लिए किया जाता रहा है। इस कचरे को जो कंपनियां जिन देशों में ठिकाने लगा रही हैं, वहां इस कचरे के निस्तारण संबंधी जैविक उपाय स्टार्टअप के रूप में बेरोजगारों को उपलब्ध करा दें तो गरीब देशों के युवाओं को रोजगार तो उपलब्ध होगा ही, दुनिया प्रदूषण मुक्त भी बनी रहेगी।

# आखिरी पल तक तेजस को बचाने की कोशिश करते रहे विंग कमांडर नमांश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुबई एयर शो 2025 में हुए तेजस विमान हादसे का एक बिल्कुल साफ नया वीडियो सामने आया है। यह वीडियो दिखाता है कि हिमाचल के बहादुर पायलट विंग कमांडर नमांश स्याल (37) ने आखिरी पल में अपनी जान बचाने की पूरी कोशिश की।

उन्होंने इजेक्ट बटन दबाया, लेकिन ऊंचाई और समय दोनों कम थे। विमान जमीन से टकराया और आग का गोला बन गया। वीडियो में तेजस कम ऊंचाई पर बैरल रोल और नेगेटिव-जी टर्न कर रहा था। अचानक संतुलन बिगड़ा और विमान नीचे गिरने लगा। ठीक 49-52 सेकंड पर आग लगी। एक छोटा पैराशूट जैसा ऑब्जेक्ट दिखा – यानी विंग कमांडर स्याल ने आखिरी पल में इजेक्ट बटन दबाया। लेकिन ऊंचाई सिर्फ कुछ मीटर थी, पैराशूट नहीं खुल सका।

### पहले विमान बचाने की कोशिश की थी विंग कमांडर नमांश ने

*विशेषज्ञों का कहना है – नमांश स्याल ने पहले विमान को कंट्रोल करने की पूरी कोशिश की। तेजस का रिकॉर्ड बहुत अच्छा है, इसलिए उन्होंने सोचा शायद बचा लेंगे। जब कुछ नहीं हुआ तब इजेक्ट किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। आपको बता दें, भारतीय वायु सेना का फाइटर जेट तेजस शुक्रवार को दुबई में एयर शो के दौरान हादसे का शिकार हो गया था। उड़ान भरने के ठीक बाद तेजस जमीन पर गिर गया था। 10 साल की सेवा में तेजस से पहली बार किसी पायलट की जान गई। पिछला हादसा मार्च 2024 में जैसलमेर के पास हुआ था, तब पायलट सुरक्षित निकल गए थे।*

दुबई एयर शो में शुक्रवार को गई है बहादुर पायलट की जान

### रविवार को अंतिम संस्कार

नमांश हिमाचल प्रदेश, कांगड़ा (नागरोटा बागवान) के रहने वाले हैं। वायुसेना में 16 साल से सेवाएं दे रहे थे। उनकी पोस्टिंग इन दिनों कोयंबटूर में थी। वह, 6 दिन से दुबई में एयर शो में हिस्सा ले रहे थे। शुक्रवार को एयरपोर्ट पर शो का अंतिम दिन था। उस दिन ही तेजस दुर्घटनाग्रस्त हो गया।उनकी 7 साल की बेटी है, पत्नी अफसान रिटायर्ड विंग कमांडर हैं। रविवार दोपहर नमांश का पार्थिव शरीर गग्गल एयरपोर्ट पहुंचेगा। कांगड़ा में राजकीय और सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार होगा।

### पिता ने यू-ट्यूब पर देखा था बेटे का प्लेन क्रैश होते

बेटे की शहादत की खबर यू-ट्यूब पर वीडियो देखते हुए मिली। हादसे से एक दिन पहले नमांश ने ही उन्हें एयरशो के वीडियो टीवी या यूट्यूब पर देखने को कहा था। एयरशो की वीडियो देखते ही उन्हें हादसे के बारे में पता चला। थोड़ी देर बाद वायुसेना के 6 अधिकारी उनके घर पहुंचे। तभी उन्हें बेटे के साथ हुए हादसे की पुष्टि का एहसास हुआ। जगरनाथ स्याल भारतीय सेना में सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने बताया, मैं एयरशो के वीडियो देख रहा था, तभी एक रिपोर्ट में तेजस के गिरने की खबर आई। दिल दहल गया।

## खबर संक्षेप

### यूपी में घुसपैठियों के लिए डिटेंशन सेंटर

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के सभी जिलाधिकारियों को घुसपैठियों की पहचान कर उन पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। आदेश में प्रत्येक जिलों में अवैध घुसपैठियों के लिए अस्थायी डिटेंशन सेंटर बनाने के निर्देश भी हैं।' आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने तक वहीं आवास सुनिश्चित किया जाएगा। योगी ने कहा कि 'डिटेंशन सेंटर' में रखे गए अवैध घुसपैठियों को तय प्रक्रिया के तहत उनके मूल देश वापस भेजा जाएगा।' उत्तर प्रदेश, नेपाल से खुली सीमा साझा करता हैं जहां दोनों देशों के नागरिक बिना रोक-टोक आ-जा सकते हैं, लेकिन अन्य देशों के लोगों पर जांच लागू होती है। उन्होंने कहा, प्रदेश की कानून-व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समरसता सर्वोच्च प्राथमिकता है।

### शूटिंग के दौरान श्रद्धा कपूर की ऊंगली टूटी

**मुंबई।** एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ईथा पर काम कर रही हैं। यह फिल्म मशहूर लावणी डांसर और तमाशा कलाकार विठाबाई भाऊ नारायणगांवकर की बायोपिक है। फिल्म की शूटिंग महाराष्ट्र के नासिक के पास औंधेवाडी में चल रही थी। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले हफ्ते डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर को शूटिंग रोकनी पड़ी, क्योंकि श्रद्धा के बाएं पैर की एक उंगली में फ्रैक्चर हो गया। चोट उन्हें उस समय लगी, जब वह लावणी डांस का एक सीन कर रही थीं। एक सूत्र ने बताया कि लावणी संगीत में तेज ताल और फास्ट स्टेप्स होते हैं। डांस के एक स्टेप में श्रद्धा ने सारा वजन बाएं पैर पर डाल दिया और उनका बैलेंस बिगड़ गया, जिससे उन्हें चोट लगी। इस गाने को संगीतकार अजय गोगावले और अतुल गोगावले ने तैयार किया है। श्रद्धा इस गाने में चमकीली नऊवारी साड़ी, भारी गहनों और कमरपट्टा में नजर आने वाली थीं। उन्होंने युवा विठाबाई का रोल निभाने के लिए करीब 15 किलो वजन बढ़ाया था।

### पश्चिम बंगाल में एक और बीएलओ ने की आत्महत्या

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में शनिवार को एक और बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) ने आत्महत्या कर ली। बुधवार को ही जलपाईगुड़ी में एक बीएलओ ने आत्महत्या की थी। 9 नवंबर से अब तक यहां तीन बीएलओ की मौत हो चुकी है, जिनमें से दो ने आत्महत्या की है। पुलिस के अनुसार, यह ताजा घटना नदिया जिले में हुई है। मृतक बीएलओ का नाम रिंकू तरफदार है, उसके परिवार ने आरोप लगाया है कि वह एसआईआर के काम के कारण काफी तनाव में थी और इसी वजह से उसने आत्महत्या की है। पुलिस के मुताबिक, रिंकू छपरा के कृष्णानगर स्थित बंगालझी इलाके में अपने घर के कमरे में छत से लटकी हुई मिलीं। हमें उसके कमरे से एक नोट मिला है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच जारी है।'इधर, बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज करने का फैसला किया है। वह मंगलवार को बनगांव में एक रैली को संबोधित करेंगी और उत्तर 24 परगना जिले में एक विरोध मार्च में हिस्सा लेकर एसआईआर के खिलाफ आंदोलन की शुरुआत करेंगी।

**इंटेलिजेंस रिपोर्ट में हुआ खुलासा, विदेशी नागरिक भी शामिल**

# व्हाइट कॉलर आतंकी नेटवर्क नया खतरा जम्मू-कश्मीर में 131 दहशतगर्द एक्टिव

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंटेलिजेंस रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि जम्मू-कश्मीर में वर्तमान में 131 आतंकवादी सक्रिय हैं और बड़ी आतंकी घटना की फिराक में हैं। सुरक्षा बलों ने जवाब में सतर्कता और ऑपरेशनल तैयारी बनाए रखी है और कई काउंटर-टेररिज्म ऑपरेशन कर रही है। 2025 में अब तक, सेना, पुलिस और दूसरे सुरक्षाकर्मियों ने अलग-अलग मुठभेड़ों में लगभग 45 आतंकवादियों को मार गिराया है, जो यूटी में ऑपरेशन की तेज रफ़्तार को दिखाता है।

नवंबर 2025 की लेटेस्ट इंटेलिजेंस रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक 131 आतंकियों में 122 पाकिस्तानी आतंकवादी हैं और 9 स्थानीय कश्मीरी हैं। बहरहाल, आतंकवादियों की यह संख्या साल की शुरुआत से काफी ज़्यादा है, जब मार्च 2025 में पाकिस्तानी आतंकवादियों की संख्या 59 बताई गई थी, जो बॉर्डर पार से घुसपैठ की कोशिशों में दोगुने से ज़्यादा बढ़ोतरी दिखाता है। सुरक्षा एजेंसियों ने इस बढ़ोतरी का कारण दुश्मन ताकतों द्वारा लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पार आतंकवादियों की घुसपैठ कराने की लगातार कोशिशों को बताया है।

**दिल्ली ब्लास्ट के बाद देशभर में सुरक्षाबलों द्वारा चलाया जा रहा है अभियान**

### कई राज्यों में फैला व्हाइट कॉलर नेटवर्क

*हालांकि अब आतंकी संगठन नया तरीका अपना रहे हैं। वे कैंपों में भर्ती करने की बजाय पढ़े-लिखे नौजवानों, डॉक्टरों, इंजीनियरों, सरकारी अफसरों और बिजनेसमैन को चुपके से कट्टरपंथी बना रहे हैं। ये लोग बाहर से बिल्कुल सामान्य लगते हैं, इसलिए इन्हें व्हाइट कॉलर टेररिस्ट कहा जा रहा है। ये नेटवर्क सिर्फ कश्मीर में नहीं, देश के कई राज्यों में फैल चुका है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सैकड़ों ओजीडब्लू (ओवर ग्राउंड वर्कर) पकड़े गए हैं।*

### इस साल 31 आतंकी मारे

इस साल (2025) अब तक सुरक्षा बलों ने 31 आतंकवादियों को मार गिराया है। 2024 में 61 आतंकवादी मारे गए थे। लेकिन सबसे बड़ा झटका ऑपरेशन सिंदूर से लगा, जिसमें पाकिस्तान के अंदर 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए।

### स्थानीय भर्ती लगभग बंद

131 आतंकियों में 122 पाकिस्तानी आतंकवादी हैं और 9 स्थानीय कश्मीरी हैं। इस साल पारंपरिक आतंकी संगठनों (लश्कर, जैश, हिज्बुल) ने सिर्फ एक स्थानीय युवक को भर्ती किया था, वो भी कुछ ही दिनों में मार दिया गया। यानी 2025 में स्थानीय स्तर पर आतंकियों की भर्ती लगभग जीरो हो गई है। लोग अब आतंकवाद से दूर भाग रहे हैं। एलओसी पर घुसपैठ बहुत कम हो गई है।

### 'सफेदपोश टेरर मॉड्यूल' का आरोपी तुफेल भट गिरफ्तार

जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने शनिवार को 'सफेदपोश टेरर मॉड्यूल' मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान शहर के बटमालू इलाके के निवासी तुफेल नियाज भट के रूप में हुई है। यह गिरफ्तारी मॉड्यूल की चल रही जांच के तहत की गई है। सूत्रों के अनुसार, यह पूरा मॉड्यूल अक्तूबर के मध्य में बुनपोरा और नौगाम में पुलिस और सुरक्षाबलों को धमकी देने वाले पोस्टरों की जांच के दौरान पकड़ा गया। सीसीटीवी फुटेज और जांच के बाद पहले तीन संदिग्ध आरिफ निसार दर (उर्फ साहिल), यासिर-उल-अशरफ और मकसूद अहमद दर (उर्फ शाहिद) को गिरफ्तार किया गया। उनके पूछताछ से मौलवी इरफान अहमद, एक पूर्व पैरामेडिक और मौलाना, गिरफ्तार हुए, जिन्होंने कथित रूप से पोस्टर सप्लाई किए और डॉक्टरों को उग्रवादी बनाया।

**बिहार में एनडीए की हुई है एकतरफा जीत**

# सीमांचल की शर्त पर नीतीश को समर्थन देने को तैयार ओवैसी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने संकेत दिया है कि उनकी पार्टी बिहार में नीतीश कुमार सरकार को समर्थन देने को तैयार है, लेकिन इसके लिए एक शर्त है- सीमांचल क्षेत्र को उसके हक का न्याय मिले. अमौर में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि सीमांचल दशकों से उपेक्षा का शिकार रहा है और अब यह स्थिति बदलनी चाहिए। ओवैसी ने कहा, 'हम नीतीश कुमार की सरकार का समर्थन देने को तैयार हैं, लेकिन सीमांचल को न्याय मिलना

चाहिए। विकास सिर्फ पटना और राजगीर तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सीमांचल आज भी नदी कटाव, भारी पलायन और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। सरकार को इन मुद्दों पर गंभीरता दिखानी होगी।'

### सीमांचल के 5 सीटों पर ओवैसी की पकड़

सीमांचल, जो बिहार के पूर्वोत्तर में स्थित है, राज्य का सबसे पिछड़ा इलाका माना जाता है। यहां मुसलमानों की आबादी अधिक है और हर साल कोसी नदी की बाढ़ इस इलाके को तबाह करती है। क्षेत्र की करीब 80% आबादी ग्रामीण है और विकास कार्यों में इसकी हिस्सेदारी बेहद कम देखी जाती है। हालिया विधानसभा चुनावों में सीमांचल की 24 सीटों में से 14 सीटें एनडीए ने जीतीं. इसके बावजूद ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने यहां अपनी पकड़ बनाए रखी और 5 सीटें अपने नाम कीं. यही संख्या 2020 में भी थी। हालांकि, 2020 में चुने गए एआईएमआईएम के 5 में से 4 विधायक बाद में आरजेडी में शामिल हो गए थे।

**तख्तापलट मामले में सजा से पहले एक्शन**

# ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो हुए गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| ब्राजिलिया

ब्राजील की राजनीति में शनिवार को एक बड़ा मोड़ तब आया जब पूर्व राष्ट्रपति जैर बोल्सोनारो को 27 साल की जेल की सजा काटने से कुछ ही दिन पहले गिरफ़्तार कर लिया गया। यह वही मामला है जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2025 में उन्हें दोषी पाया था। 2022 के चुनाव में जब बोल्सोनारो लूला दा सिल्वा से हार गए, तभी से उन्होंने सत्ता पर बने रहने की कोशिशें तेज़ कर दी थीं। अदालत की जांच में सामने आया कि उन्होंने सेना और अपने समर्थकों के साथ मिलकर एक सैन्य तख्तापलट की योजना बनाई। उन्होंने चुनाव की वैधता पर सवाल उठाए और एक ऐसी साज़िश रची जिसमें लूला और एक सुप्रीम कोर्ट जज को हटाने का प्लान तक शामिल था। जनवरी 2023 में उनके समर्थकों ने सरकारी इमारतों पर हिंसक हमला किया। हजारों लोग सड़क पर उतर आए, संसद और अन्य भवनों को नुकसान पहुंचाया था। अदालत ने इसे बोल्सोनारो द्वारा तैयार किए गए बड़े षड्यंत्र का हिस्सा माना. इस हमले के बाद 1500 से ज़्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

### पांच अपराधों में दोषी

पांच न्यायाधीशों की पैनल ने बोल्सोनारो को पांच गंभीर अपराधों में दोषी ठहराया। तख्तापलट की साजिश, लोकतंत्र को नुकसान पहुँचाने की कोशिश, हिंसा को बढ़ावा देना, चुनाव प्रक्रिया को अस्थिर करना, एक आपराधिक नेटवर्क का नेतृत्व करना। एक जज ने उन्हें बरी करने की बात कही, लेकिन बहुमत ने उन्हें दोषी मानते हुए लंबी सजा का रास्ता साफ़ कर दिया।

# ट्रम्प का प्लान स्वीकारने का दबाव जमीन खोने की कगार पर हैं हम

## यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा

एजेंसी ▶▶| कीव

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि हम अपनी जमीन और जमीर को खोने के कगार पर हैं। रूस के साथ युद्ध के चार साल के दौरान पहली बार यूक्रेन के सामने दोराहे के हालात हैं।

हमने शर्तें मानी तो अपने देश का एक बड़ा हिस्सा खो देंगे। साथ ही जिस जज्बे और जमीर से हम रूस के खिलाफ लड़ रहे थे उसे भी गंवा बैठेंगे। जेलेंस्की ने शुक्रवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा अगर यूक्रेन ने शर्तें नहीं मानी तो वह अमेरिका के जैसे एक अच्छे पार्टनर को खो देगा। जेलेंसकी ने कहा- मैं अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ इस बारे में बातचीत करना चाहता हूं। जिससे कि यूक्रेन के पक्ष को और मजबूती से रखा सके।इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि मुझे भरोसा है कि यूक्रेन मेरे पीस प्लान को स्वीकार करेगा। ट्रम्प ने 27 नवंबर तक जेलेंस्की को प्लान पर जवाब देने का अल्टीमेटम दिया हुआ है। इस बीच शुक्रवार देर रात को रूस ने अमेरिकी प्लान का समर्थन किया है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि ट्रम्प का ये प्लान यूक्रेन में स्थायी शांति का आधार बनेगा।

### यह है ट्रंप का प्लान

ट्रम्प ने 28 पॉइंट का प्लान तैयार किया है। इसके मुताबिक यूक्रेन को अपना लगभग 20% हिस्सा रूस को देना होगा। इसमें पूर्वी यूक्रेन का डोनबास का इलाका शामिल है। यूक्रेन मात्र 6 लाख जवानों वाली सेना ही रख सकेगा। नाटो में यूक्रेन की एंट्री नहीं होगी। नाटो सेनाएं यूक्रेन में नहीं रहेंगी। प्लान में कहा गया है कि रूस द्वारा शांति प्रस्तावों को मानने पर उस पर लगे सभी प्रतिबंधों को हटा दिया जाएगा। साथ ही यूरोप में जब्त की गई लगभग 2000 करोड़ रुपए की संपत्ति भी डीफ्रीज होगी। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश यूक्रेन के साथ हैं। स्टार्मर ने कहा- यूरोप में शांति स्थापना के लिए पीस प्लान में यूक्रेन के पक्ष को मजबूती से रखना होगा। यूक्रेन की संप्रभुता के लिए उसे सुरक्षा कवच देना जरूरी है। यूक्रेन की सेना में कटौती करना ठीक नहीं है।

# पहली बार छह देशों के चीफ जस्टिस-जज होंगे शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर (सोमवार) को देश के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) के रूप में राष्ट्रपति भवन में शपथ लेंगे। इस शपथ ग्रहण समारोह में कई देशों के मुख्य न्यायाधीश और न्यायाधीश शामिल होंगे।

यह पहली बार है जब किसी भारतीय मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण समारोह में कोई अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, इस दिन भूटान से लेकर श्रीलंका तक छह देशों के एक दर्जन से ज्यादा न्यायाधीश और मुख्य न्यायाधीश मौजूद रहेंगे। प्रतिनिधिमंडल में भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरीशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश तथा उनके परिवार के सदस्य शामिल हैं।

**ऐतिहासिक होगा जस्टिस सूर्यकांत का शपथ समारोह**

### 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में लेंगे शपथ

जस्टिस सूर्यकांत 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। वे मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई का स्थान लेंगे। 10 फरवरी, 1962 को हरियाणा के हिसार जिले में एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे न्यायमूर्ति सूर्यकांत को 24 मई, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत किया गया। 2019 में सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नति से पहले, उन्होंने हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने 1981 में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हिसार से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने 1984 में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से विधि स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

# मेयर की हत्या में 7 बॉडीगार्ड गिरफ्तार

**मेक्सिको।** मेक्सिको में उरुआपान शहर के मेयर कार्लोस मैनसो की 1 नवंबर को दिनदहाड़े उनके परिवार के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस हत्या की साजिश में उनके ही 7 बॉडीगार्ड शामिल थे। ये सातों गार्ड सक्रिय पुलिसकर्मी थे और हत्या के बाद भी ड्यूटी पर थे।

मेयर की हत्या के बाद उनकी पत्नी को मेयर बनाया गया था। यह गार्ड उनकी पत्नी की सुरक्षा में लगे हुए थे। शुक्रवार को इन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। हत्या के समय 17 साल के एक लड़के ने मेयर पर गोली चलाई थी और मेयर के गार्ड्स ने उसी वक्त उसे मार गिराया था। अब जांच में पता चला है कि वह लड़का सिर्फ मोहरा था और असली साजिश मेयर के अपने सुरक्षा दल और ड्रग माफिया ने मिलकर रची थी। इस हत्या का मास्टरमाइंड जॉर्ज आर्मांडो उर्फ 'एल लिसेंसियाडो' है, जिसे बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। वह जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल का सरगना बताया जा रहा है।

### नाइजीरिया में 300 बच्चों का किया गया अपहरण

**नई दिल्ली।** नाइजीरिया में एक कैथोलिक बोर्डिंग स्कूल से हथियारबंद लोगों ने 303 छात्रों का अपहरण कर लिया है। क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया ने बताया कि कुल 315 लोग अगवा किए गए, जिनमें 303 छात्र और 12 शिक्षक शामिल हैं। हथियारबंद हमलावर स्कूल में घुसे और छात्रों, टीचरों और एक सुरक्षा गार्ड को उठा ले गए। सुरक्षा गार्ड को गोली भी मारी गई। कुछ छात्र भागकर बच निकले हैं, और स्कूल बंद कर दिया गया है।

# अमेरिका को दो और पोर्ट देगा पाकिस्तान

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को दो और पोर्ट डेवलप करने का ऑफर किया है। ये पोर्ट बलूचिस्तान के ओरमारा और जिवानी हैं।

ईरान की सीमा के पास स्थित ये दोनों पोर्ट रेअर अर्थ मिनरल्स के परिवहन के काम में आएंगे। मुनीर के नए ऑफर में शामिल ओरमारा और जिवानी की जियो लोकेशन ईरान के चाबहार बंदरगाह के पास है। इनमें से जिवानी पोर्ट भारत की तरफ से डेवलप किए जा रहे ईरानी चाबहार पोर्ट से सिर्फ 115 किमी दूर है। इससे पहले मुनीर बलूचिस्तान के ग्वादर जिले में स्थित पासनी पोर्ट डेवलपमेंट करने के लिए अमेरिका को सौंपने का ऐलान कर चुके हैं। अमेरिका की रणनीति यहां पर पोर्ट हासिल कर अरब सागर में अपनी मौजूदगी को मजबूत करना है। साथ ही यहां से गुजरने वाले चीन के CPEC रूट पर नजर रखना है।

# 'काशी तमिल संगमम' का होगा आयोजन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय अगले महीने 2 दिसंबर को काशी तमिल संगमम (केटीएस) के चौथे संस्करण का आयोजन करेगा। तमिलनाडु और काशी के बीच मौजूद गहरे सभ्यतागत संबंधों का उत्सव मनाने से जुड़ी ये अनोखी पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन पर आधारित है। 2025 में इसकी थीम (विषय) 'तमिल सीखें, तमिल करकलम' रखी गई है। जिसका उद्देश्य पूरे देश में तमिल भाषा सीखने को बढ़ावा देना है।

मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि केटीएस-4.0 उत्तर और दक्षिण भारत के दोनों क्षेत्रों के बीच सभ्यतागत, सांस्कृतिक, भाषाई और लोगों के बीच संबंधों का सम्मान करता है। जिसमें एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना साफ तौर पर झलकती है। कार्यक्रम का आयोजन आईआईटी मद्रास

और बीएचयू काशी के समन्वय से किया जाएगा। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार सहित कई अन्य केंद्रीय मंत्रालयों की भी भागीदारी रहेगी।

पर्यटन एवं संस्कृति, आईएनबी, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, उद्योग, एमएसएमई जैसे केंद्रीय मंत्रालय मुख्य हैं। ये आयोजन सांस्कृतिक आदान-प्रदान, भाषाई संवर्धन, ज्ञान साझाकरण से राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाने की केंद्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

### तमिलनाडु से शामिल होंगे 1400 प्रतिनिधि

तमिलनाडु से केटीएस में सात अलग-अलग श्रेणियों (छात्र, शिक्षक, लेखक-मीडिया पेशेवर, कृषि, पेशेवर-कारीगर, महिलाएं, आध्यात्मिक विद्वान और अभ्यासी) में कुल 1400 प्रतिनिधि शामिल होंगे। जो दोनों क्षेत्रों के 8 दिवसीय दौरे पर भी रहेंगे। इनकी वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या की यात्राएं होंगी। इसके अलावा बातचीत, सेमीनार, सांस्कृतिक प्रदर्शन, स्थानीय व्यंजनों, हस्तशिल्प और विरासत में भी शामिल होंगे। ये लोग वाराणसी के महत्वपूर्ण तमिल धरोहर स्थलों जैसे महाकवि सुब्रमण्यम भरतियार का पैतृक निवास, केदार घाट, लघु तमिलनाडु क्षेत्र में स्थित काशी मद्दम, काशी विश्वनाथ मंदिर और माता अन्नपूर्णा मंदिरों का भ्रमण करेंगे। अकादमिक और साहित्यिक बातचीत के लिए बीएचयू के तमिल विभाग की यात्रा भी की जाएगी।

### तमिलनाडु जाएंगे 300 कॉलेज छात्र

कार्यक्रम के तहत तीन पहल पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। तमिल करकलम अभियान के जरिए 50 हिंदी जानने वाले तमिल शिक्षक काशी में स्कूली छात्रों को पढ़ाएंगे। काशी के 300 कॉलेज छात्र 15 दिवसीय तमिल शिक्षण कार्यक्रम के लिए तमिलनाडु के संस्थानों की यात्रा करेंगे। सीआईसीटी चेन्नई और मेजबान संस्थान इनकी मदद करेंगे। तमिलनाडु और काशी के बीच प्राचीन सांस्कृतिक मार्गों का पता लगाने वाला ऋषि अगस्त्य वाहन अभियान 2 दिसंबर से तेनकाशी से शुरू होकर 10 दिसंबर को काशी में समाप्त होगा। ये अभियान पांडियन शासक श्री आदि वीर पराक्रम पांडियन के प्रयासों का प्रतीक है। जिन्होंने काशी से तमिलनाडु तक की अपनी यात्रा से भारतीय संस्कृति में एकता का संदेश फैलाया। साथ ही एकता की भावना को रेखांकित करने के लिए शहर का नाम बदलकर तेनकाशी (दक्षिण काशी) रखते हुए भगवान शिव को समर्पित एक मंदिर का निर्माण कराया। अभियान चेर, पांड्य, पल्लव, चालुक्य और विजयनगर काल के सभ्यताकालीन संबंधों पर रोशनी डालेगा। इसके अलावा शास्त्रीय तमिल साहित्य, सिद्ध चिकित्सा और साझा विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाएगा।

# बदल रहा मौसम का मिजाज
# बढ़ती गर्मी-घटती सर्दी

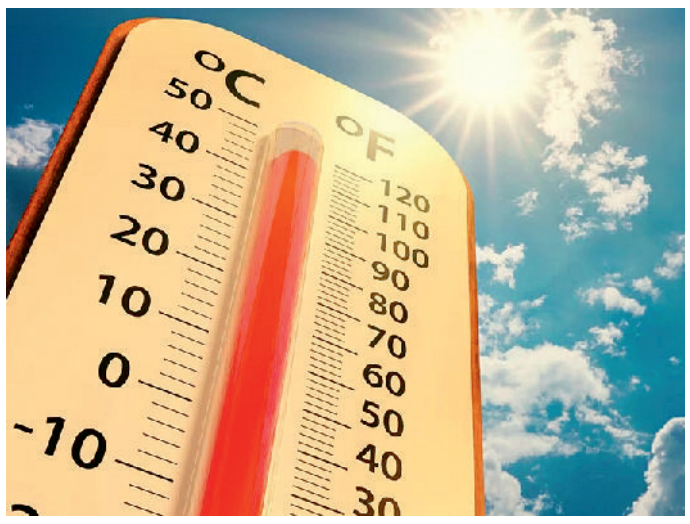

हालांकि इस वर्ष आने वाले दिनों के लिए कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना बताई जा रही है। लेकिन जिस तरह से मौसम का मिजाज वैश्विक स्तर पर बदल रहा है, उससे आगामी वर्षों में सर्दी की अवधि और उसकी तीव्रता घटती जाएगी। इसके उलट वर्षा कम होगी और गर्मी की तपिश बढ़ती जाएगी। इसके कई दुष्प्रभाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में प्रभावी नीति बनाने के साथ सामूहिक प्रयास भी करने होंगे।








कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

सर्दी धीरे-धीरे बढ़ रही है। मौसम विभाग की ताजा भविष्यवाणी के अनुसार आने वाले दिनों में उत्तरी भारत में प्रबल शीत लहर की आशंका है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस साल जबरदस्त ठंड पड़ेगी। वजह होगी पर्याप्त वर्षा और अलनीनो प्रभाव। मगर क्या इस दौरान हम कड़कड़ाती सर्दियों वाले दिनों के लंबे दौर भी देखेंगे? यह भी आशंका है कि ठेठ ठिठुरन वाले दिन कुछ कम ही रहेंगे। सर्द रातों और ठंडी हवाओं का कम होना, केवल मौसम का प्रश्न नहीं बल्कि जीवन के संतुलन से भी जुड़ा है। यदि सरकारों ने वैज्ञानिक नीतियों को जनजीवन से जोड़ने की गति नहीं बढ़ाई और आम लोगों ने जरूरी सहभागिता नहीं की तो आने वाले वर्ष 2100 तक भारतीय उपमहाद्वीप का मौसम ऐसा होगा, जहां 'गर्मी ही सामान्य' और 'सर्दी एक दुर्लभ अनुभव' रह जाएगी।

## आने वाले वर्षों में घटेगी सर्दी

संयुक्त राष्ट्र संघ एन्वॉयर्नमेंटल पैनल ऑफ क्लाइमेट की रिपोर्ट बताती है कि 1980 से 2020 के बीच यानी चालीस सालों में बेहद ठंडी रातों और अत्यंत सर्द दिनों की संख्या में चार गुना की कमी आई है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते जमीनी सतह का तापमान बढ़ने से बाकी दिनों में भी ठंड सामान्य ही रह रही है। ऐसे में घने कोहरे वाले दिन भी साल दर साल घट रहे हैं। यदि मौजूदा रुझान जारी रहा तो साल 2050 तक भारत में भीषण सर्दी वाले दिनों में 60 से 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट आने और गर्मी वाले दिनों में तीन गुना बढ़ोत्तरी की आशंका है।

## ठंड की अवधि होती जाएगी कम

नेचर पत्रिका के अध्ययन के अनुसार 2080 से 2100 के बीच गर्म दिनों और रातों की घटनाएं सात गुना तक बढ़ेंगी। इस कारण 'कड़ाके की ठंड के दिन' लगभग विलुप्त हो सकते हैं। फिलहाल यह तय है कि अब सर्दियां 'पिछली शताब्दियों जैसी लंबी और स्थायी' नहीं होंगी। ठंड की अवधि कुछ कम और तीव्रता अस्थाई रहेगी। अल्पकालिक मौसमी उतार-चढ़ाव बने रहने के साथ सर्दी में भी कभी-कभी बारिश, गर्मी और पश्चिमी विक्षोभ के जैसे मौसम के अतिरेकी तेवर देखने को मिलेंगे। पांच-सात दशकों के बाद सर्दी का लगभग लोप हो जाना भविष्य के लिए कितना विनाशकारी होगा, इसका अंदाजा भी भयावह है।

## बदल रहा है मौसम का चक्र

इस बात के संकेत अब स्पष्ट होने लगे हैं कि हिमालय से लेकर दक्षिण तक मौसम का पारंपरिक चक्र तेजी से बदल रहा है। भारत 'गर्मी प्रधान देश' बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

उत्तराखंड में कई जगहों पर बीते एक-दो दशकों के बीच तापमान में सामान्यतः तीन डिग्री तक की बढ़त देखी गई है। कमोबेश यही हाल हिमाचल और कश्मीर का भी है। वैज्ञानिकों के अनुसार भारत में न्यूनतम तापमान प्रति दशक औसतन 0.2 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ता जा रहा है। इसका मतलब है कि ठंडी हवाएं चलने की अवधि सिमटती जा रही है, जबकि गर्म रातें अब लंबी चलती हैं। इसका नतीजा यह है कि मिट्टी में नमी दिन-प्रतिदिन घट रही है। पेड़ कटने से हवा की नमी भी कम हो रही है। उधर जलस्रोत सूख रहे हैं, तो नदियों और पहाड़ी जलस्रोतों का पुनर्भरण कम हो रहा है और इसके चलते वर्षा चक्र अस्थिर हो गया है।

## फसलों पर दिख रहा असर

हिमालयी और पर्वतीय राज्यों में इसका असर अब साफ दिख रहा है। सेब, केसर और बागवानी की अन्य फसलें जो ठंडी रात-दिन के अंतर पर निर्भर हैं, उनका उत्पादन गिरने लगा है। सेब के फूल बिन मौसम खिल जा रहे हैं, तो उनके पकने और रसीले होने के लिए जो कड़क सर्दी चाहिए, वह उनको लगातार कुछ दिनों तक नहीं मिल रही, सो गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ रहा है। किसान अब कम ऊंचाई पर 'ऊष्णकटिबंधीय फसलें', बाजरा और मक्का उगाने को मजबूर हैं, जिससे पहाड़ी कृषि की पारंपरिक पहचान मिटती जा रही है। फूलों और औषधीय पौधों की जैवविविधता भी खतरे में है, उनकी रासायनिक गुणवत्ता, औषधीय प्रभावशीलता भी कम हो रही है, क्योंकि तापमान बढ़ने से परागण और फूलने का समय असंतुलित हो गया है, उनके रासायनिक संघटक बदल जा रहे हैं।

## स्वास्थ्य-पर्यावरण पर पड़ेगा असर

पर्यावरणविद और मौसम विज्ञानी दोनों इस बात पर सहमत हैं कि बदलते मौसम की वजह से नमी विहीन सूखी गर्म हवाओं की अवधि 2050 तक दोगुनी हो सकती है। यह बदलाव खेती किसानी से लेकर जीवन के लिए आवश्यक जैविक सूक्ष्मजीवों के पनपने में असंतुलन तो पैदा करेगा ही, साथ ही कीट-रोगों के फैलाव जैसी समस्याएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 2030 तक भारत में गर्मी से उपजी बीमारियों से मरने वालों की संख्या तीन गुना बढ़ सकती है। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां नए क्षेत्रों में भी पैर पसारेंगी। विशेष रूप से वृद्धजन, बच्चे और मजदूरी करने वाले सबसे अधिक जोखिम में हैं। जाहिर है इस प्रक्रिया से जनधन दोनों को बहुत नुकसान होगा। जंगलों में आग को भी इससे हवा मिलेगी। इस तरह सर्द रातों का घट जाना सिर्फ मौसम परिवर्तन नहीं बल्कि पारिस्थितिक संतुलन के अस्थिर होने का संकेत है।

## होगा भारी आर्थिक नुकसान

भीषण सर्दी वाले दिनों के दौर कम होने से पैदा जलवायु असंतुलन का सीधा नुकसान अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तंत्र पर पड़ेगा। बताते हैं, वैश्विक तापमान में चार डिग्री सेल्सियस का इजाफा, अर्थव्यवस्था को 40 फीसदी कमजोर कर देगा। अनुमान है कि जलवायु आपदाओं के कारण देश को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2 फीसदी तक घट सकता है। अगर दुनिया वैश्विक तापमान में होती वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस पर सीमित रखने में सफल भी हो जाती है, तो इसकी वजह से प्रति व्यक्ति औसत जीडीपी में 16 फीसदी की गिरावट आ सकती है।

## बढ़ेंगी प्राकृतिक आपदाएं

घटती सर्दी, बढ़ती गर्मी के कारण श्रम उत्पादकता में कमी, जीडीपी को कम करेगी। फ्लैश फ्लड, बादल फटने एवं बाढ़ तथा भू-स्खलन की घटनाओं की संख्या और भयावहता दोनों बढ़ेंगी तो अवसंरचना को नुकसान होगा। इसका परोक्ष प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। *

## बनना होगा एन्वॉयर्नमेंटल कॉन्शस

एन्वॉयर्नमेंटल मैनेजमेंट की ताजा रिपोर्टों ने भारत की जलवायु को लेकर जो गंभीर चेतावनी दी है, उसके प्रति सरकार और जनमानस में कितनी चिंता है, इसके प्रति उनका सरोकार कैसा है यह तो निकट भविष्य में पता चलेगा। लेकिन अब समय आ गया है कि सरकारों को इसके लिए बहुस्तरीय तैयारी करनी होगी। शहरों में 'ग्रीन बेल्ट' और कूलिंग-कॉरिडोर नीति को अनिवार्यतः लागू करना होगा। पर्वतीय राज्यों में जलवायु अनुकूल कृषि, जल संरक्षण, ग्लेशियर तथा निगरानी प्रणालियां बढ़ानी होंगी। शहरी इलाकों में हरित आवरण, वर्षा जल संचयन और ऊर्जा दक्ष भवनों को बढ़ावा देना होगा। जलवायु परिवर्तनों को सह सकने वाली फसलों के अनुसंधान को बढ़ावा मिलना चाहिए। जंगलों की कटाई पर रोक लगे। पर्यावरणीय चेतना को प्राथमिकता दिए बिना इस आसन्न संकट से बचाव कठिन है।

---

हम जैसा भोजन करते हैं, उससे हमारे स्वास्थ्य पर ही नहीं पर्यावरण पर भी असर होता है। कई स्टडीज में साबित हुआ है कि प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट, हमारी हेल्थ और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में बहुत मददगार साबित हो सकता है। इस बारे में जानिए।

# प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट
# स्वस्थ जीवन-सुरक्षित पर्यावरण

जीवनशैली
मोनिका सिन्हा

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में जहां जंक फूड, नॉनवेज फूड्स और अत्यधिक प्रिजर्व्ड फूड्स हमारी थाली का हिस्सा बन चुकी हैं, वहीं वैज्ञानिक शोध बार-बार यह सिद्ध कर रहे हैं कि प्लांट आधारित भोजन यानी पौधों से उत्पन्न होने वाली डाइट, हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है बल्कि गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम भी काफी हद तक कम करता है।

**स्टडीज में हुआ खुलासाः** जुलाई 2024 में वी. वियालोन और उनके सह-लेखकों द्वारा प्रकाशित एक वैज्ञानिक रिपोर्ट में यह बताया गया कि जिन लोगों की जीवनशैली में धूम्रपान, अत्यधिक शराब सेवन, असंतुलित खान-पान और अनियमित नींद जैसी आदतें शामिल नहीं थीं, उनमें टाइप 2 डायबिटीज, कैंसर और हृदय संबंधी रोगों का खतरा बहुत कम पाया गया। यह अध्ययन 'स्वस्थ जीवनशैली सूचकांक' पर आधारित था और इसका उद्देश्य यह समझना था कि व्यक्ति की आदतें उसके दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर कितना प्रभाव डालती हैं।

**कई बीमारियों से बचाएः** प्लांट बेस्ड डाइट के फायदों को जानने की दिशा में किए गए डॉ. डी सुब्रमणियन के एक रिसर्च पेपर में यह बताया गया कि पौधों पर आधारित आहार लेने वाले लोगों में कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है। इस अध्ययन में डेनमार्क, दक्षिण कोरिया, स्पेन और ब्रिटेन सहित कई देशों के लगभग चार लाख लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, दालों और मेवों पर आधारित भोजन लेते हैं, उनमें 'मल्टीमॉर्बिडिटी' अर्थात एक साथ दो या अधिक दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा, काफी घट जाता है। शोध में यह भी पाया गया कि प्लांट आधारित आहार इंसुलिन प्रतिरोध को कम करता है, जिससे शरीर में ग्लूकोज का स्तर नियंत्रित रहता है और मेटाबॉलिक बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है।

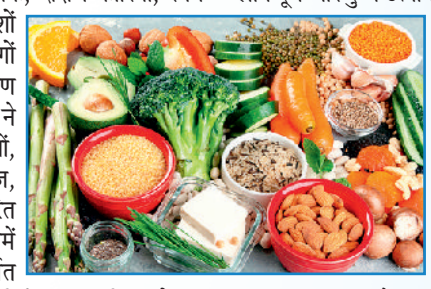



**कई पोषक तत्वों से होता है भरपूरः** पौधों पर आधारित आहार उच्च फाइबर, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है और कोशिकाओं को क्षति से बचाता है। अध्ययन से यह भी सिद्ध हुआ कि जो लोग नियमित रूप से फल, सब्जियां और अनाज का सेवन करते हैं, उनमें बीपी, कोलेस्ट्रॉल, स्ट्रोक, हृदयाघात और टाइप 2 डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है।

**होता है ईकोफ्रेंडलीः** प्लांट आधारित भोजन का एक और बड़ा लाभ यह है कि यह पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी है। मीट, मछली और अंडे जैसे पशु आधारित भोजन की तुलना में पौधों पर आधारित भोजन से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बहुत कम होता है। इसका सीधा संबंध जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संतुलन से है। हालांकि वैज्ञानिक दृष्टि से मेडिटेरेनियन आहार को दुनिया के कई देशों में स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है, परंतु उसमें मछली और चिकन का उपयोग होता है। इसके विपरीत वीगन आहार में किसी भी पशु उत्पाद यहां तक कि दूध का भी उपयोग नहीं किया जाता। इस दृष्टि से प्लांट आधारित या वीगन आहार स्वास्थ्य के साथ-साथ नैतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अधिक उपयुक्त माना जाता है।

**करना चाहिए प्रोत्साहितः** अगर हम भारत की बात करें तो यहां लगभग 35 प्रतिशत लोग शाकाहारी हैं। वे अनाज, दालें, फल और सब्जियों को अपने भोजन में नियमित रूप से शामिल करते हैं। इनमें से कुछ लोग दूध और दुग्ध उत्पाद भी लेते हैं, जबकि लगभग 10 प्रतिशत लोग पूरी तरह वीगन डाइट लेते हैं। हालांकि चिंता की बात यह है कि भारत की शहरी आबादी का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा मधुमेह से पीड़ित है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्री डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। धूम्रपान, तंबाकू सेवन, अस्वस्थ खान-पान और शारीरिक निष्क्रियता इस समस्या को और गंभीर बना रही हैं। अब समय आ गया है कि हमारे नीति निर्माता, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और आम नागरिक प्लांट आधारित आहार के महत्व को समझें। विद्यालयों, कार्यस्थलों और अस्पतालों में प्लांट आधारित भोजन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। लोगों को यह बताया जाना आवश्यक है कि मांस और तले हुए भोजन की जगह ताजे फल, सब्जिया, दालें और साबुत अनाज को अपनी थाली में शामिल करना फायदेमंद है। वर्तमान समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में प्लांट आधारित भोजन केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की आवश्यकता है। यह न केवल रोगों से बचाव करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नैतिक जीवनशैली की दिशा में भी एक सशक्त कदम है। अब समय है कि हम अपने भोजन के प्रति सचेत हों। प्लांट आधारित भोजन को अपनाकर हम न केवल अपना स्वास्थ्य सुधार सकते हैं, बल्कि धरती को भी अधिक सुरक्षित और संतुलित बना सकते हैं। *

---



नवगीत
डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

## बेवा जैसी रातें

दिन पाए हैं ऊसर जैसा
बेवा जैसी रातें
काट रहे हैं हर लम्हे को
बेमन से अकुलाते।

जहर उगलते रहे हमेशा
समझे जिनको चंदन
व्यर्थ गई पूजा-उपासना
व्यर्थ गया हर वंदन
सारा जीवन होम कर दिया
फिर भी नहीं अघाते।

रोज हवाएं लाया करतीं
हैं खबरें भड़कीली
छाया है आतंक दिलों में
सबके पास है तीली
ताने मारा करती हैं अब
ऋतुएं आते-जाते।

मुंह में राम बगल में छुरी
लेकर सब चलते हैं
मान चुके हैं जिनको अपना
उनको भी खलते हैं
पीछे लोग किया करते हैं
किसिम-किसिम की बातें।

---

लघुकथाएं

## कंपोस्ट

समाज सेवा के क्षेत्र में बृजेश जी के योगदान से प्रभावित वह उनसे मिलने उनके घर पहुंचा। लेकिन वहां पहुंचकर उसे बृजेश जी के व्यवहार और जीवनशैली में अलग ही रंग नजर आया।

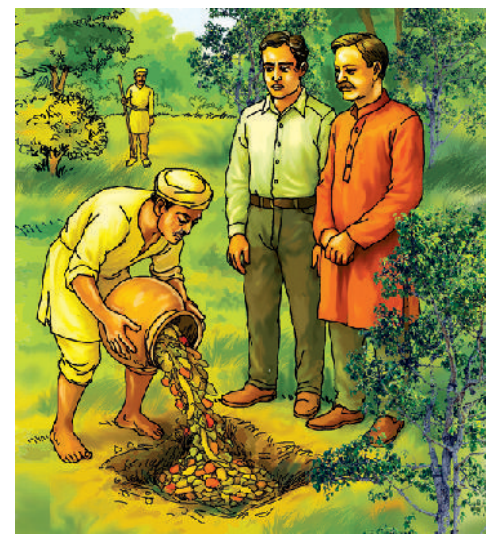



दो सौ पांच .. दो सौ छह.. और यह दो सौ सात पता तो यही है, लेकिन यह मकान तो नहीं लग रहा।' मकान खोजते हुए मैं सोच रहा था। तभी नेमप्लेट पर नजर पड़ी- ब्रजेश आहूजा 'हम्म यही है।'

दरअसल, आठ-नौ वर्ष बाद मैं इस इलाके में आया था। इस बीच ये साधारण-सा घर न केवल सिंड्रेला की तरह कीमती लिबास पहन चुका था, बल्कि साथ वाले दो सौ आठ नंबर को डकार कर खासा मुटिया भी गया था। मकान की चार दीवारी के अंदर से झांकते अशोक के छोटे-छोटे पेड़ मानो, मुझे पहचानने की कोशिश कर रहे थे।

'जब मैं पिछली बार आया था तब तुम नहीं थे।' मैंने भी जतला दिया और घर के दरवाजे पर लगी घंटी बजा दी। ब्रजेश जी वर्षों से समाज-सेवा के लिए समर्पित हैं। गरीबों, बेसहारों और वंचितों के लिए तीन तो एनजीओ चलाते हैं, और इनके अतिरिक्त भी कई संस्थाओं के परामर्श-मंडल में शामिल हैं। आए दिन इस पुण्य कर्म हेतु पुरुस्कृत और सम्मानित भी होते रहते हैं। आज भी मैं अपनी संस्था द्वारा दिए जा रहे सम्मान का निमंत्रण लेकर ही उनके घर पर आया था।

गेट खुलने में ज्यादा देर नहीं लगी। खोलने वाला अशोक के पेड़ों से पुराना था, सो उसने आदर से अंदर आने के लिए कहा। अंदर घुसते ही मकान के वैभव से थोड़ी चमत्कृत-सी आंखें इधर-उधर टोहने लगीं तो बृजेश जी अपने बगीचे के एक कोने में खड़े नजर आए। शाम के छह बज रहे थे। एयर कंडीशनर की ठंडी हवा खाने के अरमान को जब्त करते हुए मैंने बृजेश जी का अभिवादन किया और अपने चेहरे पर उभर आया पसीना पोंछते हुए यह बोल ही दिया, 'बृजेश जी! इतनी गर्मी में घर से बाहर यहां?'

'अरे! आओ-आओ मित्र! हम तो सेवक ठहरे। हमारे लिए क्या गर्मी वर्मी, वैसे कंपोस्ट बना रहे हैं। सरकार तो अब जागी है, हम तो कब से पर्यावरण के लिए प्रयासरत हैं।' उन्होंने सगर्व कहते हुए अपने सामने खोदे गए लगभग तीन फीट गहरे और ढाई फीट चौड़े एक गड्ढे की ओर संकेत किया। तभी घर के अंदर से उनका बावर्ची एक थाली में सब्जियों और फलों के ढेर सारे छिलके लाया और उस गड्ढे में डाल कर चला गया। तब तक माली बगीची से बटोरी सूखी पत्तियां ले आया था। उसने वो पत्तियां उस गड्ढे में डालीं और फिर बृजेश जी के इशारे पर उस पर मिट्टी की एक मोटी परत लगा दी।

'ये जैविक कचरा भी न, बड़े काम का होता है। ये जो लहलहाती बगिया देख रहे हो न, ये इसी से बनी कंपोस्ट का कमाल हैं।' बृजेश जी मुझे बताने लगे। तभी, उनके सेकरेट्री ने एनजीओ के किसी विदेशी दानकर्ता के कॉल पर होने की सूचना देते हुए फोन उनके हाथों में पकड़ा दिया। वो फोन पर बात करते हुए 'हे..हे..' करते हंस रहे थे और मेरी नजर बगिया से हटकर अब उनकी आलीशान कोठी पर टिक गई थी। *

**- शोभना श्याम**


एआई इमेज

## सच्चाई

देखो नीलिमा, मुझे गांव जाना ही पड़ेगा। पिताजी इस दुनिया में नहीं रहे। उनके अंतिम संस्कार में तो नहीं जा पाया था लेकिन अब तेरहवीं में तो कम से कम जाना ही पड़ेगा। अरे भई, दुनिया को दिखाने के लिए जाना ही पड़ेगा। वरना लोग मुझे क्या कहेंगे? तुम बेबी के बर्थ-डे पार्टी को अच्छी तरह अरेंज कर लेना।'

तभी आठ वर्षीया बेबी वहां दौड़ती हुई आई और पापा से लिपटते हुए बोली, 'पापा आप कहां जा रहे हैं, मेरी बर्थ-डे पार्टी में आप नहीं रहेंगे क्या?'

यह सुनकर नीलिमा ने क्रोध भरे स्वर में कहा, 'तुम्हारे पापा अपने पिताजी की मरनी में जा रहे हैं। इन्हें तो हमारी कोई फिक्र ही नहीं है। अरे ऐसे व्यक्ति के मरने-जीने से हमें कोई मतलब नहीं रखना चाहिए। तुम्हारे पिताजी ने अपनी पूरी जमीन-जायदाद तुम्हारे छोटे भाई के नाम कर दी। तुम्हें क्या मिला? फिर भी तुम पिता की तेरहवीं में जाने के लिए परेशान हुए जा रहे हो।' अपने दादाजी के लिए मम्मी के मुंह से कटु वचन सुनकर बेबी को अच्छा नहीं लगा। वह रोते हुए अपनी मम्मी से बोली, 'दादाजी कितने अच्छे थे। एक बार यहां आए थे तो मुझे और चीकू भैया को कितना प्यार करते थे। हमें अच्छी-अच्छी कहानियां सुनाया करते थे। मैं भी पापा के साथ गांव जाऊंगी।'

नीलिमा ने गुस्से में कहा, 'बेबी तुम कहीं नहीं जाओगी। तुम्हारा बर्थ-डे है न। गांव में तुम्हारे पापा, चाचा सब देख लेंगे।'

'मम्मी, आप इसलिए नाराज हो न दादाजी से कि उन्होंने पापा को जमीन नहीं दिया। चाचू को सब दे दिया। पर दादाजी क्या करते। आप लोग तो दादाजी को यहां बुलाते भी नहीं थे, न ही गांव उनसे मिलने जाते थे। चाचू तो दादाजी को हॉस्पिटल ले जाते थे, उनकी अच्छी तरह देखभाल करते थे।'

कुछ ठहरकर बेबी ने बड़ी मासूमियत से पूछा, 'मम्मी, क्या पापा के मरने पर चीकू भैया भी नहीं आएंगे।' यह सुनकर बेबी के मम्मी-पापा अवाक रह गए। *

**-डॉ. शैल चंद्रा**

---

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

## प्रकृति से आबद्ध काव्याभिव्यक्तियां

वर्तमान हिंदी काव्य परिदृश्य में ज्ञानेंद्रपति, वरिष्ठतम पीढ़ी के प्रतिष्ठित कवियों में शामिल हैं। वह जीवन-संवेदना की जिस भावभूमि पर उतरकर कविता रचते हैं, उनकी अभिव्यक्ति दार्शनिक आख्यान बन जाती है। इस बात को प्रमाणित करती हैं, हाल में छप कर आए उनके नवीनतम कविता संग्रह 'प्रकृति और कृति' की कविताएं।

यहां उनकी कविताओं में प्रकृति के तमाम घटक सहजता से आवाजाही करते हैं और हमें कुदरत को देखने का सर्वथा नवीन दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। *'तुम चले गए/और तुम्हारे साथ मेरे जीवन का संगीत चला गया।'* (एक चिड़े के लिए अशोक गीत) और *'निफूले जीवन में भी/किसी फूल की सुगंध उठकर/नथुनों तक आती है/कभी कभी'* (चुपचाप) जैसी पंक्तियां इस बात का सघनता से अहसास कराती हैं कि प्रकृति से दूर होकर हमारा जीवन, निरंतर जीवंतता खोता जा रहा है। कितने मनोहारी और आनंदमयी अनुभूतियों से हम वंचित होते जा रहे हैं। कुछ कविताओं में वे बिल्कुल अलग तेवर में अपनी बात को पूरी सशक्तता से हमारे सामने रखते हैं। *'किताबें मनुष्यता की रीढ़ की उदग्र हड्डी बन चुकी हैं/ कोई भी अमानुषिक ताकत जिसे क्षत-विक्षत कर ले/क्षैतिज नहीं कर सकती।'* (मनुष्यता की रीढ़) *

**पुस्तकः** प्रकृति और कृति (कविता संग्रह), **रचनाकारः** ज्ञानेंद्रपति, **मूल्यः** 350 रुपए, **प्रकाशकः** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

## गोल्ड लीजिंग, जिसके जरिए आजकल लोग कर रहे कमाई क्या हैं फायदे और नुकसान

*आजकल कई लोग ऐसे हैं जो गोल्ड लीजिंग के जरिए काफी अच्छी कमाई कर रहे हैं. अब यह गोल्ड लीजिंग क्या है? आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं. साथ में गोल्ड लीजिंग के फायदे और नुकसान के बारे में भी बताने वाले हैं।*

हर व्यक्ति चाहता है, कि उसके पास ज्यादा पैसा हो और उसे पैसों की कभी कमी न हो। इसके लिए लोग कमाई करने के साथ साथ अपने पैसों को निवेश करते हैं। इसके अलावा आजकल लोग अपनी तिजोरी में रखें हुए सोने से भी कमाई कर रहे हैं। जी हां, हम बात कर रहे हैं गोल्ड लीजिंग की। आजकल कई लोग ऐसे हैं जो गोल्ड लीजिंग के जरिए काफी अच्छी कमाई कर रहे हैं। अब यह गोल्ड लीजिंग क्या है? आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं। साथ में गोल्ड लीजिंग के फायदे और नुकसान के बारे में भी बताने वाले हैं।

### गोल्ड लीजिंग क्या होता है ?

गोल्ड लीजिंग को आसान शब्दों में समझें तो गोल्ड लीजिंग में आप अपने सोने को किराए पर देते हैं और कमाई कर लेते हैं। आजकल कई डिजिटल प्लेटफॉर्म लोगों को गोल्ड लीजिंग की सुविधा ऑफर कर रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म के जरिए लोग अपने गोल्ड को किराए पर दे सकते हैं और कमाई कर सकते हैं। गोल्ड लीजिंग में आप एक निश्चित समय के लिए अपने गोल्ड को लीज या किराए पर देते हैं। इसके बदले में आपको 2 से 7 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है। अब खास बात यह है कि गोल्ड लीजिंग में मिलने वाला रिटर्न आपको गोल्ड के रूप में भी मिल सकता है और यह कैश में भी हो सकता है। वहीं अगर सोने का भाव बढ़ता है, तो आपका रिटर्न भी बढ़ता है।

### गोल्ड लीजिंग के फायदे-नुकसान

गोल्ड लीजिंग में अगर सोने की कीमतें बढ़ती हैं तो आपको ही फायदा होगा लेकिन सोने की कीमत गिरने पर आपका रिटर्म कम हो सकता है।
गोल्ड लीजिंग के जरिए आप अपने तिजोरी में रखे सोने के जरिए काफी अच्छी कमाई कर सकते हैं लेकिन गोल्ड लीजिंग एक नया ट्रेंड है। ऐसे में इसके लिए अभी नियम पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। वहीं कई मामलों में निवेशक के साथ फ्रॉड भी हो सकता है।
इसके अलावा अगर आप गोल्ड लीजिंग की अवधि के बीच में अपना सोना वापस चाहते हैं, तो सोना वापस लेना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

# बच्चे के जन्म से शुरू करें निवेश, 18 साल होने पर तैयार होगा 50 लाख का फंड

*पढ़ाई से लेकर शादी तक, सबका खर्च बढ़ रहा है खर्च, क्या आप अपने बच्चे के भविष्य निर्माण के लिए तैयार हैं? यह सवाल इसलिए क्योंकि घर में बच्चे सबको प्रिय होते हैं। लेकिन बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए बच्चे का आर्थिक भविष्य संवारने का काम सभी नहीं करते।*

आमतौर पर देखा जाता है कि माता - पिता अपने बच्चों की पढ़ाई या शादी जैसे लंबे लक्ष्यों के लिए उनके नाम पर ही एक अलग फंड बनाना पसंद करते हैं। यह फंड अक्सर जन्मदिन या खास मौकों पर मिली छोटी-छोटी रकम से शुरू होता है और फिर माता-पिता समय-समय पर इसमें नियमित रूप से पैसा जोड़ते रहते हैं। विशेषज्ञ भी इसे अच्छा तरीका मानते हैं। आज हम आपको बता रहे हैं म्यूचुअल फंड में चिल्ड्रेन फंड के बारे में।

- **बच्चे की पढ़ाई और शादी की चिंता रहेगी दूर**
- **भविष्य में अच्छे बिजनेस करने के लिए भी मिलेगा पैसा**

### निवेश का भरोसेमंद तरीका

चिल्ड्रन म्यूचुअल फंड के क्षेत्र में उदाहरण के लिए हम आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड को देखते हैं। यह एक ऐसी योजना है जिसका लंबा और भरोसेमंद रिकॉर्ड रहा है। इसने समय के साथ अच्छे रिटर्न दिए हैं। यह एक ओपन-एंडेड निवेश योजना है जो बच्चों के लिए बनाई गई है। इसमें कम से कम पांच साल का लॉक-इन होता है, या फिर जब बच्चा बालिग हो जाए, जैसा भी पहले हो। यह फंड इक्विटी और डेट दोनों प्रकार की संपत्तियों में निवेश करता है और जरूरत पड़ने पर बेंचमार्क से बाहर के विषयों में भी अवसर के अनुसार निवेश करने का फ्रीडम रखता है।

### उतार-चढ़ाव का असर भी कुछ हद तक कम होता

इस योजना की खासियत इसका बदलते हालात के मुताबिक ढलने वाला निवेश तरीका है। यह किसी एक तय निवेश फॉर्मूले पर अडिग नहीं रहती, बल्कि बाजार की स्थिति के अनुसार कभी बचाव की मुद्रा में तो कभी आक्रामक रुख अपनाती है। इससे फंड मैनेजर को समय-समय पर आर्थिक माहौल के हिसाब से उलट दिशा में भी कदम उठाने का अवसर मिलता है, जिससे पोर्टफोलियो में एक लचीलापन और जीवंतता बनी रहती है।

### बाजार के हिसाब से होता है काम

जब बाजार में स्थिरता की जरूरत हो, तो यह फंड अपनी हिस्सेदारी का करीब 35% तक डेट में ले जा सकता है। और जब माहौल अनुकूल हो, तो उसी तेजी से फिर इक्विटी में लौट भी सकता है। इससे एक तरफ बढ़त के अवसरों का लाभ मिलता है और दूसरी तरफ अनिश्चित समय में उतार-चढ़ाव का असर भी कुछ हद तक कम होता है। कुल मिलाकर, यह चिल्ड्रन फंड उन अभिभावकों के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभरता है जो अपने बच्चों की निवेश योजना में लचीलापन, सक्रिय फैसले और लंबी अवधि की सोच इन तीनों का संतुलित मेल चाहते हैं।

### क्या है रिटर्न

अगर कोई व्यक्ति 31 अगस्त 2001 को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड में 10 लाख रुपये निवेश किया होता तो 31 अक्टूबर 2025 तक यह राशि बढ़कर लगभग 3.3 करोड़ रुपये हो जाती। यह 15.58% की उल्लेखनीय वार्षिक कंपाउंडेड वृद्धि है। इसकी तुलना में, बेंचमार्क में ऐसा ही निवेश करीब 2.12 करोड़ का होता। यानी सीएजीआर 13.46 पर्सेंट का रिटर्न मिला है। इस फंड के एसआईपी रिटर्न भी कमाल के रहे हैं। अगर शुरुआत से हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की जाती, तो कुल 29 लाख का निवेश 31 अक्तूबर, 2025 तक 2.2 करोड़ रुपये का हो जाता। अगर पिछले 15 साल से निवेश किया जा रहा है तो 18 लाख का योगदान बढ़कर 55.4 लाख रुपये तक पहुंच जाता। इसका मतलब 13.76 फीसदी सीएजीआर की दर से रिटर्न मिला। इसी अवधि में इसके बेंचमार्क का रिटर्न केवल 11.88 फीसदी है। पिछले एक, तीन और पांच साल में भी फंड ने लगातार अपने बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया है।

### जल्दी निवेश करना क्यों है जरूरी

मान लीजिए कि किसी अभिभावक को अपने बच्चे के 18 साल का होने तक 50 लाख रुपये का कोर्पस तैयार करना है। अगर पहले माता-पिता (ए) ने बच्चे के जन्म के समय ही निवेश शुरू किया, तो 18 साल की अवधि में 12% की मान्य वृद्धि दर पर उन्हें हर महीने 6,598 रुपये निवेश करने होंगे। कुल मिलाकर 14.25 लाख रुपये का योगदान करना पड़ेगा। अगर दूसरे माता-पिता (बी) ने बच्चे के छह साल का होने पर निवेश शुरू किया, तो 12 साल की अवधि में उन्हें हर महीने 15671 रुपये लगाने होंगे। कुल योगदान 22.56 लाख रुपये का हो जाएगा। अगर तीसरे माता-पिता (सी) ने निवेश तब शुरू किया जब बच्चा 12 साल का हुआ, तो 12% की वृद्धि दर पर उन्हें हर महीने 47,751 रुपये लगाने होंगे और कुल योगदान 34.38 लाख रुपये तक पहुंच जाएगा। यानी लक्ष्य एक ही हो लेकिन देरी करने वालों को कहीं ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। माता-पिता बी को ए की तुलना में 12.3 लाख और सी को 20.13 लाख रुपये अधिक निवेश करने पड़ेंगे। यही है निवेश में देरी की वास्तविक लागत। अंत में, बात फिर वहीं आती है। निवेश जितना जल्दी शुरू होगा, लंबे समय वाले इक्विटी निवेश की शक्ति उतनी ही प्रभावी होगी। माता-पिता चाहें तो बहुत सधी हुई रफ्तार से बच्चे के सपनों जैसा उज्ज्वल भविष्य गढ़ सकते हैं।

## हर माह 10,000 रुपये की बचत, बच्चों के लिए बनाएं 43 लाख का फंड

*पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम और सुकन्या समृद्धि योजना यानी एसएसवाई स्कीम में आप हर साल थोड़ा थोड़ा निवेश कर लाखों का फंड बना सकते हैं। दोनों स्कीम में आपको 15 सालों तक अपने निवेश को जारी रखना होता है। आइए जानते हैं...*

पैसों को एक अच्छी स्कीम में निवेश करना हर व्यक्ति के लिए जरूरी होता है। हर व्यक्ति को अपनी मंथली इनकम का कुछ हिस्सा एक अच्छी स्कीम में निवेश जरूर करना चाहिए, जिससे वह अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित कर सकें। ऐसी कई स्कीम और योजनाएं हैं, जहां आप अपने पैसों को सुरक्षित निवेश कर सकते हैं और लाखों का रिटर्न पा सकते हैं। आज हम आपको दो ऐसी स्कीम में बारे में बताएंगे, जिसमें आप हर महीने केवल 10,000 रुपये निवेश कर पूरे 43 लाख रुपये से ज्यादा का फंड बना सकते हैं। यह दोनों स्कीम सरकारी स्कीम है। ऐसे में यहां आपका पैसा भी सुरक्षित रहेगा। हम बात कर रहे हैं पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम और सुकन्या समृद्धि योजना यानी एसएसवाई स्कीम के बारे में. दोनों ही स्कीम में आप हर साल थोड़ा थोड़ा निवेश कर सकते हैं और दोनों स्कीम में आपको 15 सालों तक अपने निवेश को जारी रखना होता है।

### पीपीएफ और एसएसवाई में रिटर्न

पीपीएफ में 7.1 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है और एसएसवाई में 8.2 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। पीपीएफ में कोई भी व्यक्ति निवेश कर सकता है लेकिन एसएसवाई में केवल माता-पिता अपना 10 साल से कम उम्र की बेटी के नाम पर निवेश कर सकते हैं। दोनों ही स्कीम में 1000 रुपये से 1.50 लाख रुपये प्रति वर्ष निवेश किया जा सकता है।

### ऐसे बढ़ेगा आपका फंड

अगर आप हर महीने 10,000 रुपये की बचत कर 5-5 हजार रुपये दोनों स्कीम में 15 सालों तक निवेश करते हैं तो आप 43 लाख रुपये से ज्यादा का फंड बना सकते हैं। हर महीने 5000 रुपये अगर आप पूरे 15 सालों तक पीपीएफ में निवेश करते हैं तो आप 15 सालों में कुल 9 लाख रुपये निवेश करेंगे। 15 साल बाद आपको कुल 16.27 लाख रुपये मिलेंगे। ऐसे में आपको 7.27 लाख रुपये का लाभ होगा। हर महीने 5000 रुपये अगर आप पूरे 15 सालों तक एसएसवाई में निवेश करते हैं तो आप 15 सालों में कुल 9 लाख रुपये निवेश करेंगे। 15 साल बाद आपको कुल 27.71 लाख रुपये मिलेंगे। ऐसे में आपको 18.71 लाख रुपये का लाभ होगा। इस तरह से आप 15 साल में कुल 43.98 लाख रुपये का फंड बना सकते हैं।

# जॉइंट फैमिली खत्म, अब बुढ़ापे में कौन देगा सहारा? मिडिल क्लास की सबसे बड़ी टेंशन पर अलर्ट

**योजना बनाने में देरी से रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त धन नहीं हो पाता जमा जिससे भविष्य हो जाता है अनिश्चित**

भारत में रिटायरमेंट का संकट गहरा रहा है, क्योंकि पुरानी व्यवस्थाएं अब पर्याप्त नहीं हैं। बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य खर्च और सामाजिक सुरक्षा की कमी के कारण 70% से अधिक वरिष्ठ नागरिक परिवार पर निर्भर हैं। योजना बनाने में देरी से रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त धन जमा नहीं हो पाता, जिससे भविष्य अनिश्चित हो जाता है।

**नई दिल्ली:** भारत में रिटायरमेंट का संकट अब आने वाला नहीं है, बल्कि यह पहले से ही मौजूद है। ज्यादातर भारतीय परिवार इसके लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं हैं। वेल्थ एडवाइजर नितिन पुष्करन ने इसे लेकर लिंक्डइन पर एक पोस्ट में चेतावनी दी है। उनके मुताबिक, बच्चों का सहारा, पेंशन या प्रॉपर्टी जैसी पुरानी व्यवस्थाएं अब रिटायरमेंट को सुरक्षित करने के लिए काफी नहीं हैं। पुष्करन

ने लिखा, 'हम संयुक्त परिवार वाली व्यवस्था से निकलकर एकल आय वाली अर्थव्यवस्था में आ गए हैं।' उन्होंने बताया कि बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी खर्च और सामाजिक सुरक्षा की कमी ने मिलकर देश में एक बड़ा आर्थिक संकट पैदा कर दिया है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, 60 साल से ज्यादा उम्र के 70% से अधिक भारतीय पूरी तरह से अपने परिवार पर निर्भर हैं। वहीं, 10% से भी कम लोग ईपीएफ, एनपीएस या सुपरएन्युएशन जैसी किसी भी रिटायरमेंट स्कीम में नियमित रूप से पैसा जमा करते हैं।

### क्या फेल होती है रिटायरमेंट प्लानिंग?

पुष्करन ने इस बात पर जोर दिया कि रिटायरमेंट में असफलता का कारण आय की कमी नहीं, बल्कि योजना बनाने में देरी है। उन्होंने एक उदाहरण दिया कि अगर कोई 35 साल का व्यक्ति आज से 10,000 रुपये हर महीने एसआईपी में लगाना शुरू करे तो 60 साल की उम्र तक उसके पास 1 करोड़ रुपये से ज्यादा जमा हो जाएंगे।

### संकट बढ़ाने वाले कई और कारण

इस संकट को बढ़ाने वाले कुछ और कारण भी हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाला खर्च 11-14% तक है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा में से एक है। साथ ही, लोगों की औसत उम्र भी 70 साल से ज्यादा हो गई है। पुष्करन ने यह भी बताया कि नौकरी के बीच में ईपीएफ से पैसे निकालना भी एक बड़ी वजह है, जिससे कई नौकरीपेशा लोगों का रिटायरमेंट के लिए जमा होने वाला एकमात्र जरिया खत्म हो जाता है। भारत लौटने वाले एनआरआई (अनिवासी भारतीय) भी अक्सर रिटायरमेंट के बाद के खर्चों का सही अंदाजा नहीं लगा पाते। उनकी सलाह सीधी और स्पष्ट है, 'रिटायरमेंट के लिए पहली प्राथमिकता से योजना बनाएं, बची हुई रकम से नहीं। आपकी भविष्य की जीवनशैली आपके बच्चों या ईएमआई पर निर्भर नहीं होनी चाहिए।'

## लॉन्ग टर्म एसआईपी करोड़पति तो बना देगी, लेकिन उस पर टैक्स कितना भरना पड़ेगा?

एक्सपर्ट्स की राय
बिजनेस डेस्क

एसआईपी में निवेश करके लॉन्ग टर्म में करोड़ों का फंड बनाया जा सकता है। आजकल वित्तीय एक्सपर्ट्स भी एसआईपी में निवेश करने की सलाह देते हैं। निवेशकों के साथ ही सोशल मीडिया पर भी एसआईपी में निवेश करने के फायदे गिनाऐ जाते हैं। यह सुनकर तो बहुत अच्छा लगता है कि 20-25 साल लगातार एसआईपी में निवेश करने के बाद आपके पास करोड़ों रुपए का फंड जमा हो जाएगा, आप करोड़पति बन जाएंगे। लेकिन आपको यह नहीं बताया जाता है कि एसआईपी रिटर्न जब आपको मिलेगा तब आपको कितना टैक्स भरना पड़ेगा। लॉन्ग टर्म में कमाई गई आई पर आपको टैक्स का भुगतान करना पड़ेगा जिससे आपका रिटर्न कम हो जाएगा।

### रिटर्न के साथ टैक्स का भुगतान

लंबे समय के बाद आप यदि एसआईपी पर भारी भरकम मुनाफा कमाते हैं तो उस पर आपको टैक्स का भुगतान करना ही पड़ेगा। इसीलिए आपको पहले ही समझ जाना चाहिए की लॉन्ग टर्म कैपिटल गैन टैक्स सिस्टम के अंतर्गत एसआईपी रिटर्न पर आपको कितना टैक्स देना पड़ेगा और कितना रिटर्न आपको मिल सकता है।

### उदाहरण से समझिये पूरा गणित

मान लेते हैं कि आप हर महीने 15000 एसआईपी में निवेश करते हैं। यह एसआईपी लगातार 20 साल तक जारी रखी जाती है। और यदि इस पर आपको 12% की दर से औसतन रिटर्न भी मिले तो 20 साल बाद मिलने वाला ब्याज सहित कुल रिटर्न 1,49,87,219 हो जाएगा। प्लीज रिटर्न पर आपको लॉन्ग टर्म कैपिटल गैन टैक्स का भुगतान करना होगा। नियम के अनुसार यदि आपका लाभ 1 साल से ज्यादा के निवेश पर 1,25,000 से ज्यादा है तो उस पर आपको 12.5% टैक्स के साथ 4% सेस का भी भुगतान करना पड़ेगा। यानी 1,49,87,219 में से 1,25,000 हटाने के बाद बची राशि पर आपको 12.5% टैक्स और 4% सेस का भुगतान करना पड़ेगा। इसके बाद भी आपको एक करोड़ से ज्यादा का रिटर्न तो मिलेगा ही लेकिन आपका रिटर्न थोड़ा कम हो जाएगा। इसलिए यदि आप लॉन्ग टर्म के लिए एसआईपी कर रहे हैं तो अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में यह भी शामिल करें कि उसे एसआईपी पर आपको बाद में टैक्स का भुगतान भी करना पड़ेगा।

## अब इस डिजिटल पेमेंट के तरीके में एक और दमदार ट्विस्ट

# स्मार्ट होता भारत अब यूपीआई से पा रहा क्रेडिट का फायदा, मिल रहे रिवॉर्ड और कैशबैक भी

*सोचिए आप दुकान पर जाएं, यूपीआई से पेमेंट करें और आपका न सिर्फ सेकंड्स में पेमेंट पास हो जाए, बल्कि कैशबैक भी मिल जाए। है ना फायदे का सौदा? ये ही फायदा लेकर आया है कीवी एप , जिससे पेमेंट करना आपको फायदा ही फायदा पहुंचाएगा। क्योंकि इस पर कैशबैक के साथ ही ईएमआई तक की सुविधा का आनंद लिया जा सकता है।*

योजना
बिजनेस डेस्क

पैसों से जुड़े लेन-देन के तरीकों की भारत में यात्रा काफी लंबी और रोचक रही है। पहले जहां लोग जेब में कैश या चेक लेकर घूमते थे, तो वहीं बाद में इसकी जगह डेबिट/क्रेडिट काड्र्स ने ले ली। और फिर आया पेमेंट को सुपर ईजी बना देने वाला बदलाव, यानी यूपीआई क्यू कोड, जिसमें व्यक्ति बस एक स्कैन करता है और महज सेकंड्स में ट्रांजेक्शन पूरा हो जाता है। अब इस डिजिटल पेमेंट के तरीके में एक और दमदार ट्विस्ट आ चुका है। इसमें लोगों को न सिर्फ यूपीआई पेमेंट की रफ्तार और सहूलियत मिल रही है बल्कि वो क्रेडिट की ताकत का फायदा भी उठा रहे हैं। सोचिए कि आप किसी किराना स्टोर में जाएं, वहां पर अपनी रोजाना की चीजें खरीदें और यूपीआई स्कैन से तुरंत पेमेंट कर दें, लेकिन इसके बावजूद आपके सेविंग अकाउंट से एक भी पैसा न कटे! और तो और आपको क्रेडिट कार्ड कैशबैक, रिवॉर्ड पॉइंट्स व बड़ी खरीदारी के भुगतान को ईएमआई में तब्दील करने का विकल्प भी मिल जाए। है ना ये शॉपिंग एक्सपीरियंस में दमदार ट्विस्ट? इसका श्रेय जाता है कीवी जैसे प्लेटफॉर्म को जिसने यूपीआई पेमेंट्स को एप के जरिए क्रेडिट से जोड़ने का काम किया है। यानी अब आप यूपीआई पेमेंट सीधे क्रेडिट कार्ड से कर सकते हैं।

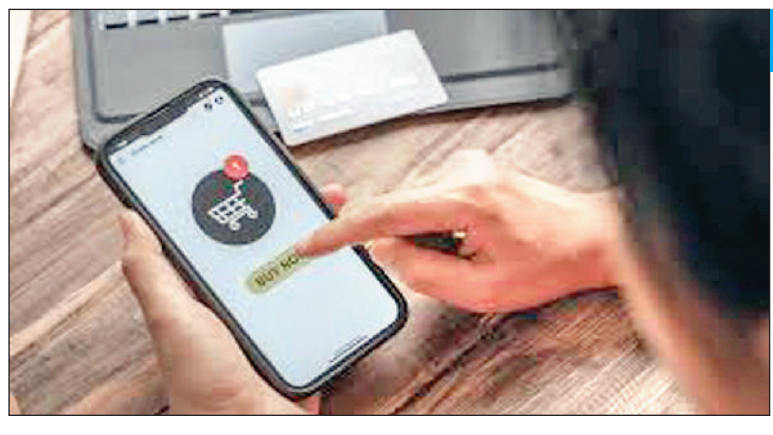

### एक स्कैन और बैंक से सीधे कट जाती है राशि

चाहे किताब खरीदनी हो, घर के लिए चावल या फिर वॉशिंग मशीन, सभी तरह की खरीदारी के लिए यूपीआई सबसे आम तरीकों में से एक बन चुका है। एक स्कैन से सारे पेमेंट हो जाते हैं, जिसके लिए बैंक अकाउंट से पैसे कटते हैं। अब इसमें समस्या ये है कि अगर व्यक्ति के खाते में पर्याप्त राशि नहीं हुई, तो पेमेंट अप्रूव नहीं होगा। साथ ही इसमें पूरा भुगतान एकमुश्त ही करना होता है फिर चाहे आप 10 रुपये की चीज खरीद रहे हों या फिर 50,000 रुपये की। इससे जेब पर एकदम से काफी भार भी पड़ता है। लेकिन अगर आपके यूपीआई के साथ क्रेडिट कार्ड की ताकत जुड़ी हो, तो इन चीजों का भार हल्का हो जाता है।

### रुपे क्रेडिट कार्ड फॉर यूपीआई के फायदे

- तुरंत और आसान भुगतानः बस स्कैन करें और यूपीआई से भुगतान करें। यानी आपको पेमेंट के लिए न तो अपने साथ क्रेडिट कार्ड कैरी करने की जरूरत है और ना ही वॉलेट में कैश तलाशने की।
- रिवॉर्ड और कैशबैकः यूपीआई पेमेंट करने पर भी कैशबैक और रिवॉर्ड पॉइंट्स जैसे फायदे मिलते हैं, वो भी बिना किसी उलझन भरी शर्तों या छिपे हुए नियमों के।
- बाद में पेमेंट की सुविधाः बड़े अमाउंट को आप आसानी से ईएमआई में तबदील कर सकते हैं, जिससे आपकी जेब पर एकदम से बोझ नहीं आता।

### यहां क्रेडिट और यूपीआई चलते हैं साथ-साथ

यूपीआई पर क्रेडिट का फायदा पाने के काम को कीवी ने बेहद आसान बना दिया है। बस आपको कीवी एप पर साझेदार बैंकों द्वारा जारी किए गए पर रुपे क्रेडिट कार्ड को ऐप के जरिए यूपीआई से जोड़ना है, जिसका प्रोसेस काफी आसान है। एक बार ये लिंक हो गया, तो यूजर कीवी एप के जरिए ईजी पेमेंट, रिवॉर्ड्स के साथ ही पेमेंट को ईएमआई में बदलने जैसे कई फायदों का लाभ उठा सकेगा। कीवी एप से हुए यूपीआई पेमेंट्स पर कम से कम 1.5% का कैशबैक मिलता है, जो सीधा बैंक में जाता है, जिसे कभी भी निकालकर इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें न तो कोई छुपी हुई शर्तें हैं और ना ही कोई जटिल कन्वर्जन। और तो और कीवी एप पर उपलब्ध रुपे क्रेडिट कार्ड फॉर यूपीआई पूरी तरह से लाइफटाइम फ्री भी है। कुल मिलाकर ये आज के डिजिटल इंडिया के लिए ही बना है, जो शॉपिंग के एक्सपीरियंस को ईजी और रिवॉर्ड रिच बना देता है।

### क्रेडिट-स्मार्ट और सशक्त होता भारत

जैसे-जैसे ज्यादा लोग यूपीआई के जरिए क्रेडिट का इस्तेमाल करने लगे हैं, वैसे-वैसे भारत में पैसे खर्च करने और संभालने का तरीका धीरे-धीरे बदलता जा रहा है। जो लोग अब तक सिर्फ डेबिट कार्ड या नकद पर निर्भर थे, उनके लिए ये बिना किसी झंझट के क्रेडिट की दुनिया में कदम रखने का आसान रास्ता बन गया है। कीवी जैसे प्लेटफॉर्म की पारदर्शी और आसान सेवाओं से भारत में डिजिटल पेमेंट न सिर्फ तेज हो रहे हैं, बल्कि ये लोगों को अधिक सशक्त और क्रेडिट स्मार्ट भी बना रहे हैं, जो नए भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने में सक्षम बनाता है।

### गंभीर तथ्य सामने आने पर एनआईए अलग से जांच करेगी

# एनआईए कर रही आईएसआईएस नेटवर्क की एटीएस जांच की मॉनिटरिंग

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में पाकिस्तान माड्यूल के आईएसआईएस नेटवर्क की जांच कर रही एटीएस की टीम माना बाल संप्रेक्षण गृह पहुंचकर अलग से कमरे में लगातार पूछताछ कर रही है। सूत्रों के मुताबिक दोनों किशोरों को माना बाल संप्रेक्षण गृह में कड़ी सुरक्षा में अलग कमरे में रखा गया है। जिस कमरे में किशोरों को रखा गया है, उस कमरे के आसपास किसी को जाने की अनुमति नहीं है। जिस कमरे में बच्चे रह रहे हैं, उस कमरे में संप्रेक्षण गृह प्रभारी के अलावा बच्चों की सुरक्षा में तैनात प्रहरियों को जाने की अनुमति है।

पाक हैंडलर के कब्जे में आतंकवाद की ट्रेनिंग ले रहे बच्चों से पूछताछ में एटीएस को जो तथ्य मिल रहे हैं, उन तथ्यों को एटीएस की टीम एनआईए को शेयर कर रही है। एनआईए एटीएस द्वारा जुटाए तथ्यों की अपने एंगल से जांच कर रही है। गंभीर तथ्य सामने आने पर आतंकी नेटवर्क की एनआईए अलग से जांच करेगी। फिलहाल एटीएस इस बात की जांच कर रही है कि पकड़े गए किशोरों के संपर्क में राज्य के कितने लड़के थे। जो

## ब्रेनवाश कर किशोरों को कहा था कि भारत को खत्म करने के बाद चीन पर कब्जा जमाएंगे




लड़के किशोरों के संपर्क में थे, उन लोगों को पाक हैंडलर के इशारे पर दोनों लड़के किस तरह से ब्रेनवाश कर रहे थे, एटीएस इस बात की जांच कर रही है। पाक हैंडलर दोनों बच्चों को पूरी तरह से अपने गिरफ्त में लेने के बाद उन्हें धर्म के नाम पर कई बड़े सपने दिखाकर सामान्य लोगों से पूरी तरह से काट चुके थे। सूत्रों के मुताबिक पाक हैंडलर ने दोनों किशोरों को अपने हम विचार वाले लोगों से ज्यादा से ज्यादा संपर्क बढ़ाने प्रेरित किया करते थे। साथ ही जो उनके विचार से सहमत होते, उनकी जानकारी पाक हैंडलर बच्चों से मंगाते थे। सूत्रों के मुताबिक पाक हैंडलर दोनों बच्चों को राज्य में हिंसा फैलाने बड़ी जिम्मेदारी देने की फिराक में थे। बच्चे कोई बड़ी साजिश कर पाते, इसके पहले पकड़े गए। इस तरह से पाक में बैठे आतंकियों के मंसूबों पर पानी फिर गया। पाकिस्तान में बैठे आतंकी नेटवर्क ने दोनों बच्चों को इस बुरी कदर प्रभावित कर लिया था कि उन्हें पाकिस्तानी आतंकियों की हर बात सच लगने लगी थी। पाकिस्तानी आतंकियों ने दोनों बच्चों को विश्वास दिया दिया था कि आगामी पांच से दस साल में भारत में उनका कब्जा होगा। भारत में कब्जा करने के बाद चीन पर कब्जा करने जैसे सब्ज बाग दिखाए।

एटीएस को आशंका है कि पाक हैंडलर ने जिस तरह से रायपुर, भिलाई के दो बच्चों को अपने गिरफ्त में लिया है, इसी तरह पाक हैंडलर द्वारा कई और बच्चों को टार्गेट किया होगा। सूत्रों के मुताबिक एटीएस पांच हजार से ज्यादा सोशल मीडिया अकाउंट की निगरानी कर रही है। जिन पर ज्यादा संदेह है, उनकी मैन्युअल मॉनिटरिंग की जा रही है।

### सोशल साइट की निगरानी बढ़ाई गई

बच्चों के आतंकी कनेक्शन सामने आने के बाद एटीएस के साथ साइबर सेल ने सोशल मीडिया की निगरानी पहले से और ज्यादा तेज कर दी है। संदिग्ध अकाउंट का आईपी एड्रेस निकालकर लिंक की जांच कर रही है। इसके अलवा संदिग्ध अकाउंट को सर्विलांस में लेकर अलग से जांच की जा रही है। जिन सोशल साइट को जांच के दायरा में एटीएस तथा साइबर सेल ने रखा है, उसमें इंस्टाग्राम प्रमुख है।

# 100 साल पुराने शिफ्ट किए गए पेड़ों की सूखी सांसें

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

रेलवे के विकास कार्यों की जद में आ रहे 100 साल पुराने पेड़ों को बचाने रेलवे ने पिछले साल स्टेशन के पीछे गुढ़ियारी की ओर 20 से अधिक पेड़ों को शिफ्ट किया था। शुरुआत में यह रेलवे का प्रयास सफल दिखा। कुछ महीने के भीतर कई पेड़ों में नई जड़ें विकसित हुईं, कुछ में पत्ते, फूल और फल भी दिखने लगे थे, लेकिन अब इन पेड़ों की स्थिति चिंताजनक है। हरिभूमि की पड़ताल में सामने आया कि लगभग 50 प्रतिशत पेड़ पूरी तरह सूख चुके हैं। इस शिफ्टिंग में रेलवे ने लाखों रुपए खर्च किए थे। शिफ्टिंग के बाद नियमित सिंचाई और देखरेख नहीं होने से बारिश का पानी भी इन पेड़ों को जीवन नहीं दे सका। बबूल, बेल, बरगद और नीम जैसे पेड़ सूखे हुए मिले। पेड़ स्थानांतरित करने के बाद शुरुआत के दिनों में पेड़ में ध्यान दिया गया, लेकिन बाद में यह नियमित देखभाल के अभाव से इन पेड़ों से अब जान निकल चुकी है। बता दें कि रेलवे ने पेड़ों को शिफ्टिंग के लिए आधुनिक तकनीक से जुड़ी एजेंसी से मदद ली थी। दावा था कि पेड़ जीवन रहेंगे, लेकिन सालभर से अधिक टिक नहीं पाए। आधा दर्जन से अधिक पेड़ वर्तमान में सूख चुके हैं। शिफ्टिंग किए गए पेड़ों को पानी नहीं मिल रहा है। जिस जगह पर पेड़ लगाया गया है बीते कई महीनों से वहां पेड़ों को पानी नहीं मिला है। जमीन भी कठोर हो चुकी है। वर्तमान में 50 फीसदी सूखे है और उतने ही अभी जीवित है। अब रेलवे इन पेड़ों को काटने व हटाने में खर्च करेगा। ट्री-ट्रांसप्लांटेशन विशेषज्ञ का कहना है कि अब इन पेड़ों पर ध्यान नहीं दिया तो यह पौधें ही चंद महीनों में ही सूख जाएंगे। ट्री-ट्रांसप्लांटेशन के बाद देखभाल जरूरी होती है। रेलवे के ओर से शिफ्टिंग के बाद पौधों में पानी डाला जाता था, जो अब बंद है। सालभर पहले रेलवे ने जड़ के साथ पेड़ों को जमीन से निकालकर रेलवे परिक्षेत्र की बाउंड्री के नजदीक रेलवे लोको कॉलोनी, टीटीई रेस्ट रूम के आसपास शिफ्ट किया था।पेड़ पुराने और विशाल होने के कारण ट्रक और क्रेन की मदद ली थी। पेड़ को उखाड़ने के लिए पहले ट्रांसप्लांटेशन मशीन के जरिए लंबी जड़ों तक खुदाई की थी। कई पेड़ों की जड़ें 5 से 10 मीटर लंबी थीं। लगभग 7 से 15 फीट गहरा गड्ढा खोदने के बाद पेड़ों को जड़ों के साथ निकाला गया और फिर दूसरी जगह पर शिफ्ट किया गया था।

### बारिश के भरोसे ट्रांसप्लांटेशन पेड़ जिंदा नहीं रहतेः विशेषज्ञ

हरिभूमि ने ट्री-ट्रांसप्लांटेशन विशेषज्ञ डॉ. आनंद शर्मा से इस बारे में बात की। वे बताते हैं कि किसी भी बड़े पेड़ को हटाकर दूसरी जगह स्थापित करने के बाद कम से कम 12–18 महीने तक रोज या निर्धारित अंतराल में सिंचाई व पौधे के चारों तरफ मिट्टी को ढीला करके एरेशन, बढ़ती नई जड़ों की रक्षा के लिए मल्चिंगकीट व फफूंद संक्रमण से बचाव के लिए ट्री हेल्थ ऑडिट, मानसून से पहले और बाद में पोषक तत्वों का प्रबंधन इनमें से एक भी कदम में लापरवाही पेड़ों को धीरे-धीरे सुखा देती है। बड़े पेड़ों की नई जड़ें कई महीनों तक कमजोर रहती हैं। इसलिए सिर्फ बारिश के भरोसे उन्हें छोड़ा नहीं जा सकता।

# भले ही यह साबित हो गया हो कि अपराध घटित हुआ है, लेकिन यह नहीं कि अपराध अपीलकर्ता ने ही किया

### छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पॉक्सो एक्ट के तहत उम्रकैद की सजा पाए एक दोषी को बरी किया

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पॉक्सो (पास्को) एक्ट के तहत उम्रकैद की सजा पाए एक दोषी को बरी कर दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि पुलिस द्वारा पहचान परेड की प्रक्रिया में भारी खामियां थीं और अभियोजन पक्ष आरोपी को अपराध से जोड़ने वाली परिस्थितियों की कड़ी साबित करने में विफल रहा। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति विभु दत्त गुरु की खंडपीठ ने निचली अदालत के फैसले को रद्द करते हुए कहा कि भले ही यह साबित हो गया हो कि अपराध घटित हुआ है, लेकिन यह साबित नहीं हो सका कि अपराध अपीलकर्ता ने ही किया है।

प्रसेन कुमार भार्गव द्वारा दायर की गई थी। जिसे बलौदाबाजार की विशेष अदालत ने 8 जुलाई 2022 को आईपीसी की धारा 450, 363,506-II और पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अभियोजन पक्ष का मामला था कि 26 सितंबर 2019 की रात, एक 11 वर्षीय



नाबालिग लड़की को उसके घर से सोते समय अपहरण कर लिया गया। पीड़िता का आरोप था कि उसे एक "कैप्सूल-नुमा" वाहन में ले जाया गया और उसके साथ दुष्कर्म किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने अपीलकर्ता का एक वाहन जब्त किया और पहचान परेड के दौरान पीड़िता द्वारा आरोपी की पहचान कराई गई।

अपीलकर्ता के अधिवक्ता, तर्क दिया कि पूरी जांच प्रक्रिया दोषपूर्ण थी। पीड़िता आरोपी को पहले से नहीं जानती थी, लेकिन औपचारिक पहचान परेड से पहले ही आरोपी को थाने में पीड़िता और गवाहों को दिखा दिया गया था। इसके अलावा पहचान परेड जेल के बजाय सिंचाई विभाग के रेस्ट हाउस में आयोजित की गई थी, जो नियमों का उल्लंघन है। बचाव पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि अगर परेड से पहले आरोपी को गवाह को दिखा दिया जाए, तो पहचान का कोई महत्व नहीं रह जाता। राज्य की ओर से निचली अदालत के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि नाबालिग पीड़िता का बयान स्वाभाविक व विश्वसनीय है। उन्होंने तर्क दिया कि वाहन की बरामदगी और पीड़िता द्वारा आरोपी की पहचान करना अपराध साबित करने के लिए पर्याप्त है। हाईकोर्ट ने कहा कि "मेडिकल रिपोर्ट से यह साबित होता है कि पीड़िता के साथ दुष्कर्म हुआ था, लेकिन मेडिकल राय केवल अपराध की पुष्टि करती है, अपराधी की पहचान नहीं करती,

## अमित बघेल की तत्काल गिरफ्तारी की मांग हाईकोर्ट से खारिज

बिलासपुर। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख अमित बघेल के खिलाफ कथित हेट स्पीच मामले में दायर याचिका पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी भी आपराधिक जांच में अदालत जबरन दिशा-निर्देश नहीं दे सकती। कोर्ट ने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निगरानी की मांग को न्यायिक दायरे से बाहर बताया।

अवंती विहार निवासी अमित अग्रवाल की ओर से दायर याचिका में आरोप लगाया गया था कि बघेल सिंधी, जैन और अग्रवाल समाज के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दे रहे हैं और राज्य सरकार कार्रवाई नहीं कर रही है। याचिकाकर्ता ने बघेल की तुरंत गिरफ्तारी, समयबद्ध जांच और उच्च स्तरीय मॉनिटरिंग की मांग की थी। राज्य सरकार ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि बघेल के खिलाफ विभिन्न स्थानों पर कई एफआईआर दर्ज हैं और सभी मामलों में जांच विधि सम्मत रूप से जारी है। जांच में देरी या निष्क्रियता के आरोपों को सरकार ने गलत बताया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने कहा कि जब कई एफआईआर की जांच पहले से प्रगति पर है, तब हाईकोर्ट के लिए हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं बनती। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी आपराधिक जांच का माइक्रो मैनेजमेंट न्यायालय नहीं कर सकता। कानून अपनी प्रक्रिया से ही चलेगा, न दबाव में और न निर्देशों से।

## कार्यालय नगर पंचायत पथरिया, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

EMAIL ID-nppatharia13@gmail.com

क्रमांक 668/लो.नि.वि./न.पं./2025-26 पथरिया, दिनांक 20/11/2025

**निविदा आमंत्रण सूचना**

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से नगर पंचायत पथरिया के निम्नलिखित कार्य हेतु स्पीड पोस्ट के माध्यम से तीन लिफाफा पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि-04.12.2025 समय 3.00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि -08.12.2025 समय 3.00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि -11.12.2025 समय 3.00 बजे तक
4. निविदा खोलने की अंतिम तिथि -11.12.2025 समय 4.30 बजे तक

| क्र. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत राशि (लाख में) | अमानत राशि | निविदा प्रपत्र मूल्य | समयावधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | वार्ड क्रमांक 11 मे शिव मंदिर से अस्पताल तक पाईप लाईन विस्तार कार्य। | 8.54 | 6500.00 | 750.00 | 02 माह |

निविदा से संबंधित समस्त नियम/शर्त एवं जानकारी निविदा दिनांक से पूर्व कार्यालयीन समयावधि में संबंधित शाखा से प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत पथरिया

# मछुआ समाज ने मनाया विश्व मत्स्य दिवस

**रायपुर।** विश्व मात्स्यिकी दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याणा बोर्ड द्वारा इंदिरा कृषि विश्वविद्यालय जोरा में शुक्रवार को मत्स्य कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज की महिला पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य और मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरतलाल मटियारा की अध्यक्षता में किया गया। इस मौके पर बोर्ड के अध्यक्ष श्री मटियारा ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से मछुआरा समाज की समस्याओं को शासन को अवगत कराया जाएगा। जिसमें मछुआरा समाज की आर्थिक और सामाजिक सहायता की मांग के तहत, मछुआरों का बेहतर जीवन स्तर, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और आय बढ़ाने के लिए सरकार से नीतियों और योजनाओं की मांग करते हैं। उनकी मांगों में उचित भंडारण और परिवहन की व्यवस्था, सीधे बाजार तक पहुंच, सहकारी समितियों के गठन और व्यावसायिक कौशल विकास के अवसर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि रायपुर परिक्षेत्र के नवनिर्वाचित अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं युवा अध्यक्ष विगत कुछ दिनों से रायपुर महानगर में निवासरत मछुआरा समाजजनों के घर-घर जाकर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। अतिथि के रूप में रामकृष्ण धीवर एवं बसंत तारक को भी आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में धीवर समाज रायपुर परगना के अध्यक्ष एवं प्राचीन मौली माता मंदिर तेलीबांधा के संस्थापक दीपक धीवर, कोषाध्यक्ष किशोर सपहा, उपाध्यक्ष चंद्रा धीवर, संरक्षक गेंदलाल धीवर, हरीश धीवर, जितेन्द्र फेकर, अंजू मटियारा आदि शामिल थे।

### केमिस्ट पद के लिए पात्र-अपात्र सूची जारी

**रायपुर।** आबकारी विभाग के अंतर्गत केमिस्ट पद के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच के उपरांत पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। यह सूची निर्धारित मापदंडों एवं शैक्षणिक योग्यता के आधार पर तैयार की गई है। जारी सूची में उन अभ्यर्थियों के नाम शामिल किए गए हैं, जो विभागीय नियमों के अनुसार सभी आवश्यक अहर्ताएं पूर्ण करते पाए गए हैं। जो अभ्यर्थी निर्धारित शर्तों को पूर्ण नहीं कर सके, उन्हें अपात्र की श्रेणी में रखा गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी अभ्यर्थी को सूची को लेकर आपत्ति या संशोधन कराना हो, तो वह निर्धारित तिथि 19 नवंबर से 3 दिसंबर के भीतर संबंधित कार्यालय में आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

## राशिफल

**मेष** — मन अशान्त रहेगा। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों के साथ वाद-विवाद से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

**वृष** — मन परेशान रहेगा। आत्मसंयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि होगी।

**मिथुन** — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। नौकरी में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

**कर्क** — मन अशान्त रहेगा। मन में निराशा एवं असन्तोष भी हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा, परन्तु कुछ कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

**सिंह** — आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित रहें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है।

**कन्या** — नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है। आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। सहयोग मिलेगा।

**तुला** — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु मन अशान्त हो सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है।

**वृश्चिक** — मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के क्रोध से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। खर्चों में वृद्धि होगी।

**धनु** — व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। विदेशी कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

**मकर** — आत्म संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च बढ़ेंगे।

**कुंभ** — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेगा। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। पिता का साथ मिल सकता है।

**मीन** — अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता

## प्रदेश के युवा सरदार 150 यूनिटी मार्च में शामिल होने नागपुर जाएंगे

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेशभर से चयनित 72 युवाओं (प्रत्येक जिले से 2) की टोली यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स गवर्नमेंट ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित सरदार 150 यूनिटी मार्च में शामिल होने नागपुर (नर्मदा प्रवाह) में शामिल होने रविवार 12 बजे बस द्वारा रायपुर से रवाना होंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, उप मुख्यमंत्री अरुण साव हरी झंडी दिखाकर टोली को खेल अकादमी के लिए रवाना करेंगे। यात्रा प्रभारी टिकेश साहू एवं सह प्रभारी प्रणय पाण्डेय होंगे। भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया, देश की एकता अखंडता व संप्रभुता के संस्थापक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर यह आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देशभर के सभी राज्य के जिलों से हजारों की संख्या में युवा शामिल होंगे। यूनिटी मार्च देश के प्रमुख चार केंद्रों से निकल रही है जिसमें प्रत्येक केंद्रों में 6-7 राज्यों के युवा शामिल होंगे। देशभर के सभी राज्यों के युवाओं को अलग-अलग केंद्रों से मार्च में शामिल होना है।

## कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

**ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना**

क्र./निर्माण/2025 दिनांक 19.11.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

| क्र. | कार्य का विवरण | अनुमानित लागत (रू.लाख में) | निविदा डालने की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|
| 1 | वार्ड क्र.31 (नया वार्ड क्र. 35) खरमोरा डाईट बिल्डिंग तिलक नगर के समीप बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य (सी.एस. आर. मद) (प्रथम निविदा) | 15.00 | 12.12.2025 (T.No.179914) |

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.castate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छत्तीसगढ़)

## कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

**ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना**

क्र./निर्माण/2025 दिनांक 19.11.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

| क्र. | कार्य का विवरण | अनुमानित लागत (रू.लाख में) | निविदा डालने की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|
| 1 | वार्ड क्र 36 अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग कॉलोनी में नाली निर्माण तथा जिला अस्पताल मुख्य मार्ग तक नाला का निर्माण कार्य (जि.ख.न्या. मद) (प्रथम निविदा) | 194.10 | 12.12.2025 (T.No. 179912) |
| 2 | नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत वार्ड क 36 अंतर्गत जिला चिकित्सालय के समीप एन.आर. सी. भवन का निर्माण कार्य (जि.ख.न्या मद) | 28.36 | 12.12.2025 (T.No. 179915 |

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

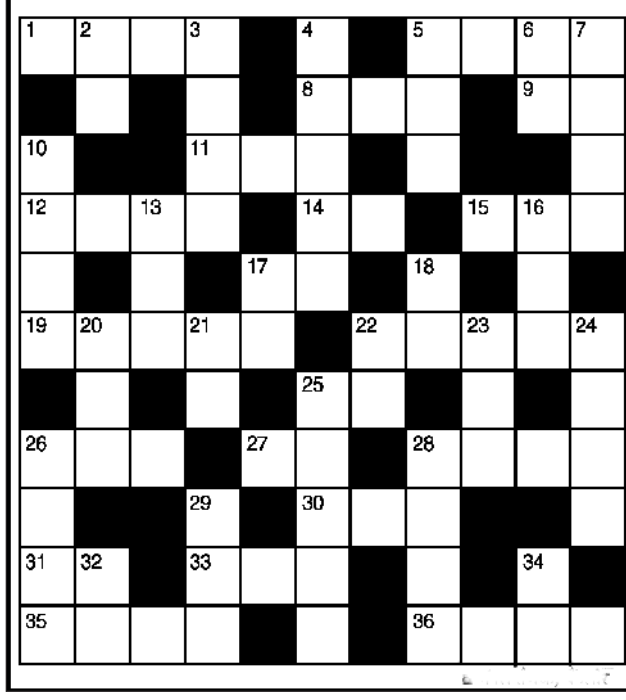

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

अधीक्षण अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छत्तीसगढ़)

## शब्द पहेली - 6056



**बाएँ से दाएँ**
1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

**ऊपर से नीचे**
2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

### शब्द पहेली- 6055 का हल



## सूडोकु नवताल - 6066

★★★★☆ मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 2 | | | 6 | | | 1 | |
| | 6 | | 8 | 9 | | | 7 | 5 |
| 3 | | | 1 | | | | | 2 |
| | 3 | | 4 | | | | 6 | |
| 6 | | 2 | | 1 | | 4 | | 3 |
| | 8 | | | | 5 | | 2 | |
| 2 | | | | | 3 | | | 1 |
| 5 | 1 | | | 7 | 6 | | 4 | |
| | 9 | | | 4 | | | 3 | 6 |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल - 6065 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 6 | 4 | 2 | 7 | 9 | 5 | 3 | 1 |
| 7 | 3 | 9 | 1 | 8 | 5 | 2 | 6 | 4 |
| 1 | 5 | 2 | 4 | 3 | 6 | 7 | 9 | 8 |
| 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 2 |
| 5 | 8 | 6 | 9 | 2 | 4 | 3 | 1 | 7 |
| 2 | 9 | 7 | 5 | 1 | 3 | 8 | 4 | 6 |
| 9 | 4 | 8 | 7 | 5 | 1 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 7 | 5 | 6 | 4 | 2 | 1 | 8 | 9 |
| 6 | 2 | 1 | 3 | 9 | 8 | 4 | 7 | 5 |

# एशेज : हेड की सुनामी में उड़े अंग्रेज, पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 8 विकेट से रौंदा

एजेंसी ▶▶| पर्थ

ट्रेविस हेड (123) ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों पर दबदबा बनाते हुए शतक जड़ा, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने तीन दिन रहते एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में 8 विकेट से जीत दर्ज की। हेड ने इंग्लैंड की 'बैजबॉल' की रणनीति पर पलटवार करते हुए 69 गेंद में शतक जड़ दिया, जिससे यह एशेज क्रिकेट के शानदार सैकड़ों में शामिल हो गया। उस्मान ख्वाजा के चोटिल होने के कारण हेड को पारी का आगाज करने के लिए उतारा गया और उन्होंने मैदान में हर तरफ बाउंड्री लगाईं। जीत के लिए 205 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हेड ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए 83 गेंद में 16 चौके और चार छक्के की मदद से 123 रन बनाए।

■ ट्रेविस ने 83 गेंद में 16 चौके और 4 छक्के की मदद से बनाए 123 रन

हेड टीम को जल्दी से जीत तक पहुंचाने की कोशिश में आउट हुए जब स्कोर दो विकेट पर 192 रन था और टीम को जीत के लिए महज 13 रन की दरकार थी। मार्नस लाबुशेन ने छक्का जड़कर स्कोर बराबर किया और जब टीम दो विकेट पर 205 रन पर पहुंची तो वह 51 रन बनाकर नाबाद रहे।

### दो दिन में खत्म हुआ टेस्ट, गिरे 30 विकेट

पर्थ में दो दिन में पांच सत्र में तीन पारियों में तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा, जिसमें 113 ओवर में 468 रन पर 30 विकेट गिरे। इसमें पहले दिन 19 विकेट और दूसरे दिन चाय काल से पहले 11 विकेट गिरे। ऑस्ट्रेलिया ने इस तरह घरेलू एशेज टेस्ट में अजेय लय 16 मैच तक बढ़ा दी, उसने 2010-11 में सीरीज गंवाने के बाद से 14 जीत और दो ड्रॉ खेले हैं। इंग्लैंड ने पहले चार सत्र में दबदबा बनाया लेकिन दूसरे दिन लंच के बाद बल्लेबाजी क्रम के लड़खड़ाने बाद नियंत्रण गंवा दिया। कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी की और टीम पहली पारी में 172 रन पर ढेर हो गई। इसमें ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 58 रन देकर सात विकेट झटके। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में महज 132 रन पर सिमट गई, जिसमें उसके लिए सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर 26 रन का था, जो विकेटकीपर एलेक्स कैरी का रहा। स्टोक्स ने पांच विकेट झटके।

### मिचेल स्टार्क रहे प्लेयर ऑफ द मैच

इंग्लैंड ने दूसरी पारी में दूसरा विकेट पर 65 रन पर गंवाया लेकिन इसके बाद तीन खिलाड़ी एक भी रन बनाए बिना 76 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। इससे टीम दूसरी पारी में 164 रन पर सिमट गई। इस तरह ऑस्ट्रेलिया के पास 205 रन के लक्ष्य का पीछा करने के लिए तीन दिन और एक सत्र था। और हेड ने एक सत्र में ही टीम को आसान जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे जिन्होंने मैच में कुल 10 विकेट झटके। पांच टेस्ट मैच की एशेज सीरीज का दूसरा टेस्ट ब्रिसबेन के गाबा में 4 दिसंबर से खेला जाएगा।

## खबर संक्षेप

### वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष बने गोलोवकिन

**वाशिंगटन।** पूर्व विश्व चैंपियन गेनाडी गोलोवकिन विश्व मुक्केबाजी की सर्वोच्च संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। कजाकिस्तान के रहने वाले गोलोवकिन को वर्ल्ड बॉक्सिंग के अध्यक्ष पद के लिए यूनान के हरिलाओस मारिओलिस के खिलाफ चुनाव लड़ने की उम्मीद थी, लेकिन संगठन ने कहा कि जांच प्रक्रिया के बाद वह एकमात्र योग्य उम्मीदवार पाए गए हैं। गोलोवकिन ने कहा, 'मुझे सूचित किया गया है कि अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल एकमात्र अन्य उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया है।' उन्होंने कहा, 'मैं वर्ल्ड बॉक्सिंग के स्वतंत्र जांच पैनल के काम की सराहना करना चाहूंगा, जिसने यह सुनिश्चित करने में मदद की कि सभी चुनाव ओलंपिक खेल में प्रशासन के उच्चतम मानकों के अनुसार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हों।' कजाकिस्तान के पूर्व मिडिलवेट चैंपियन गोलोवकिन को अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा था।

### यह ट्रैक हमारे ढांचे को अधिक रास आएगा : डोइशे

**गुवाहाटी।** भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोइशे ने कहा कि बरसापारा स्टेडियम की पिच भारतीय टीम को अधिक रास आयेगी लेकिन कहा कि टेस्ट मैच का नतीजा टीम के प्रदर्शन पर निर्भर करता है, पिच पर नहीं। दक्षिण अफ्रीका के लिए दूसरे टेस्ट के पहले दिन रन बनाना मुश्किल हो रहा था। उसके शीर्षक्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरूआत को भुना नहीं सके। टेन डोइशे ने कहा,' मेरा निजी मानना है कि विकेट यह तय नहीं कर सकता कि कौन जीतेगा। अगर हम कोलकाता में अच्छा खेलते तो उस पिच पर टेस्ट जीत जाते।' उन्होंने कहा,'आपको हालिया नतीजों पर नजर डालनी होगी। इस तरह के विकेट हमे अधिक रास आते हैं।'

### फिडे ने दी 'ड्रेस संहिता' में ढील

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने अगले महीने दोहा में होने वाली विश्व रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप के लिए आराम को तरजीह देने वाली ड्रेस संहिता की घोषणा की है, जिसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए 'क्लासिक नॉन-डिस्ट्रेस्ड जींस' पहनने की अनुमति होगी। एक साल पहले इसी टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन के जींस पहनने से 'जींसगेट' विवाद खड़ा हो गया था। विश्व शतरंज संचालन संस्था के अपडेट हुए नियमों के अनुसार 25 से 30 दिसंबर तक दोहा में होने वाली प्रतियोगिता के लिए पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए गहरे रंग के 'बिजनेस-कैजुअल ट्राउजर' पहनने की अनुमति होगी।

## गुवाहाटी टेस्ट पहला दिन : अफ्रीकी टीम बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम

# कुलदीप का जादू, दक्षिण अफ्रीका के 6 विकेट धड़ाम, भारत की दमदार वापसी

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए और भारत ने कुलदीप यादव की अगुवाई में आखिरी सत्र में 3 विकेट लेकर दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शनिवार को अच्छी वापसी की। भारत ने पहले दो सत्र में एक-एक विकेट लिया लेकिन तीसरे सत्र में वापसी करके उसने पहले दिन दोनों टीम का पलड़ा बराबरी पर रखा। खराब रोशनी के कारण जब 81.5 ओवर में दिन का खेल समाप्त किया गया तब दक्षिण अफ्रीका ने 6 विकेट पर 247 रन बनाए थे। पिच से अभी बहुत अधिक टर्न नहीं मिल रहा है लेकिन भारत ने दिन में जो छह विकेट हासिल किए उनमें से चार विकेट स्पिनर ने लिए।

### कुलदीप ने झटके 48 रन देकर 3 विकेट

**दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज तीन गेंद के अंदर आउट**

भारत की तरफ से बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप ने 48 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। उनके अलावा जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के दोनों सलामी बल्लेबाजों को तीन गेंद के अंदर पवेलियन की राह दिखा दी थी। बुमराह ने सुबह के सत्र के अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद पर एडेन मारक्रम (38) को बोल्ड किया। कुलदीप ने दूसरे सत्र के शुरू में ही दूसरे सलामी बल्लेबाज रियान रेकेलटन (35) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका के खेमे में खलबली मचा दी थी। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी करके अपने कप्तान के पहले बल्लेबाजी करने के फैसले को सही साबित किया था। तेम्बा बावुमा (41) और ट्रिस्टन स्टब्स (49) भी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की।

### गुवाहाटी में टूटा 148 साल पुराना रिवाज

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में गुवाहाटी के मैदान पर एक नया इतिहास बना। दरअसल, क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारुप के 148 साल के इतिहास में पहली बार एक नियमित टेस्ट मैच में लंच से पहले चाय का ब्रेक लिया गया। डे-नाइट टेस्ट में चाय डिनर से पहले ली जाती है, लेकिन अपना पहला टेस्ट आयोजित कर रहे गुवाहाटी ने एक नया उदाहरण पेश किया और लंच से पहले टी ब्रेक लिया। यह असामान्य निर्णय भारत के उत्तर-पूर्वी हिस्से में जल्दी सूर्योदय और सूर्यास्त होने के कारण लिया गया। नतीजतन, टेस्ट मैच का पहला सत्र सुबह 9 बजे से 11 बजे तक खेला गया, जिसके बाद 11 बजे से 11:20 बजे तक चाय का ब्रेक रखा गया।

### जडेजा ने 6 साल में 79 बार फेंकी नो बॉल

भारतीय टीम के लिए ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की नो बॉल सिरदर्द बन गया है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में उनकी एक गेंद नो बॉल रही। यह साल 2025 में अभी तक की उनकी 14वीं नो बॉल है। साथ ही पिछले छह साल में 79वीं बार वे ओवरस्टेप (क्रीज से बाहर पैर) कर चुके हैं। पिछले कुछ सालों में रवींद्र जडेजा की लगातार इस तरह की गेंदें देखने को मिली है। एक स्पिनर से उम्मीद की जाती है कि वह कोई एक्स्ट्रा न दे। लेकिन जडेजा इस कमी पर काम नहीं कर पा रहे हैं।

क्रिकेट

# न्यूजीलैंड ने दर्ज की हैट्रिक जीत वेस्टइंडीज को 4 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| हैमिंटन

तीसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को चार विकेट से हरा दिया। मैट हेनरी ने 4 विकेट लिए और मार्क चैपमैन ने 64 रनों की शानदार पारी खेली। इसी के साथ ने तीन मैचों की वनडे सीरीज पर 3-0 से कब्जा कर लिया।

हैमिल्टन में वेस्टइंडीज की टीम एक बार फिर शुरू में ही लड़खड़ा गई और महज 161 रन पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड ने यह लक्ष्य आसानी से 30.2 ओवर में ही 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। शुरुआत में न्यूजीलैंड के भी तीन विकेट जल्दी गिर गए थे और स्कोर 32 पर 3 हो गया था, लेकिन चैपमैन ने संभलकर खेला। माइकल ब्रेसवेल ने नाबाद 40 रन बनाए और दोनों ने मिलकर टीम को जीत तक पहुंचा दिया। इस सीरीज का यह सबसे एकतरफा मैच रहा। इससे पहले टी-20 सीरीज में भी न्यूजीलैंड ने 3-1 से जीत हासिल की थी। अब दोनों टीमों के बीच तीन टेस्ट मैच होने हैं, पहला मैच 2 दिसंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होगा।

### विंडीज की बैटिंग फ्लॉप

*वेस्ट इंडीज ने टॉस जीता था, लेकिन उनके बल्लेबाज फिर से नहीं टिक पाए। पूरी सीरीज में टीम की यही समस्या रही। कप्तान शे होप ने दूसरे मैच में शतक लगाया था, लेकिन इस मैच में सिर्फ 16 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने कहा, "हम बल्ले से बिल्कुल नहीं चल पा रहे। हालात को समझने और उस हिसाब से खेलने में हम पीछे रह गए। सिर्फ 36.2 ओवर तक बल्लेबाजी करना बिल्कुल स्वीकार नहीं है. हम रन बनाने की स्पीड ही नहीं बना पाए।*

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

# ठाकुर करेंगे मुंबई की कप्तानी, टीम में सूर्यकुमार, सरफराज और दुबे भी

■ ट्रॉफी का एलीट डिवीजन 26 नवंबर से 18 दिसंबर तक

एजेंसी ▶▶| मुंबई

शार्दुल ठाकुर सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में मुंबई की कप्तानी करेंगे, जिसकी 17 सदस्यीय टीम में भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव, सरफराज खान और शिवम दुबे भी शामिल हैं। मुंबई इस प्रतियोगिता की गत विजेता है। उसने पिछले वर्ष श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में यह खिताब जीता था, जो वर्तमान टीम का हिस्सा नहीं हैं। टीम में अजिंक्य रहाणे भी शामिल हैं। टीम में विकेटकीपर के रूप में अंगकृष रघुवंशी और हार्दिक तमोर शामिल हैं। तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे और तनुश कोटियन भी टीम में हैं। इस सत्र में रणजी ट्रॉफी के पहले चरण में अब तक पांच मैचों में तीन शतक और एक अर्धशतक की मदद से 530 रन बनाने वाले सिद्धेश लाड को भी टीम में शामिल किया गया है। सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी का एलीट डिवीजन 26 नवंबर से 18 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता का पहला दौर लखनऊ, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता में खेला जाएगा, जबकि नॉकआउट दौर इंदौर में होगा। मुंबई की टीम टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में 26 नवंबर को लखनऊ में रेलवे के खिलाफ खेलेगी।

### दिल्ली की कप्तानी करेंगे राणा

**नई दिल्ली।** नीतीश राणा को 26 नवंबर से शुरू होने वाली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए दिल्ली की टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। राणा का उत्तर प्रदेश से आने के बाद मौजूदा घरेलू सत्र में दिल्ली के लिए यह पहला टूर्नामेंट होगा। उन्हें दिल्ली की रणजी ट्रॉफी टीम में जगह नहीं मिली है। आयुष बडोनी और यश ढुल दोनों की अगुआई वाली दिल्ली की टीम अब तक रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी है। एलीट ग्रुप डी में दिल्ली पांच मैच में आठ अंक के साथ छठे स्थान पर है।

### बंगाल के लिए खेलेंगे शमी और आकाश दीप

**कोलकाता।** तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए बंगाल की टीम में शामिल किया गया है। अभिमन्यु ईश्वरन की कप्तानी वाली टीम में शमी के साथ तेज गेंदबाज आकाश दीप को भी जगह दी गई है। शमी को आस्ट्रेलिया के खिलाफ सफेद गेंद की श्रृंखला और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम में जगह नहीं मिली। यह तेज गेंदबाज हालांकि वापसी को बेताब है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी के दौरान कहा था,'मैं फिट रहकर भारतीय टीम में चयन के लिए उपलब्ध रहना चाहता हूं।

### संधू का शानदार प्रदर्शन, राइफल थ्री पोजीशन में जीता गोल्ड

**नई दिल्ली।** भारत की माहित संधू ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए टोकियो में चल रहे बधिर ओलंपिक खेलों की निशानेबाजी प्रतियोगिता में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता, जो उनका चौथा पदक है। माहित ने 45 शॉट के बाद कुल 456.0 अंक हासिल कर बधिर ओलंपिक खेलों का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया की डैन जियोंग ने 453.5 अंक के साथ रजत और हंगरी की मीरा जुजाना बियातोव्स्की ने 438.6 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। माहित ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बधिर खेलों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने क्वालीफाइंग दौर में 585 अंक बनाए और शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

# कोबोली ने नाटकीय सेमीफाइनल में बर्ग्स को हराया, डेविस कप फाइनल में इटली

एजेंसी ▶▶| बोलोग्ना

फ्लेवियो कोबोली ने नाटकीय सेमीफाइनल में सात मैच प्वाइंट बचाने के बाद बेल्जियम के जिजोउ बर्ग्स को 6-3, 6-7 (5), 7-6 (15) से हराकर दो बार के गत चैंपियन इटली को डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा दिया। कोबोली ने खुद छह मैच प्वाइंट गंवाए लेकिन आखिर में इटली को जीत दिलाने में सफल रहे। उन्होंने शर्ट उतारकर अपने साथियों के साथ जश्न मनाया और फिर बर्ग्स को सांत्वना देने गए, जो कुर्सी पर बैठकर आंसू बहा रहे थे।

डेविस कप के इतिहास में 17-15 का अंतिम सेट टाईब्रेक छठा सबसे लंबा था। कोबोली ने कहा, 'हमने अपने देश के लिए, इस जीत के लिए संघर्ष किया,

लेकिन आखिरकार मेरा सपना साकार हुआ। मैं अपनी पूरी टीम और अपने परिवार के लिए खेला। यह मेरे जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक है।' कोबोली की जीत से युगल मुकाबला खेलने की जरुरत नहीं पड़ी क्योंकि उन्होंने इटली को 2-0 की अजेय बढ़त दिला दी। इससे पहले माटेओ बेरेटिनी ने राफेल कोलिग्नन को 6-3, 6-4 से हराकर इटली को शुरुआती बढ़त दिलाई थी।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन का फाइनल मुकाबला आज

# सेन ने चीनी ताइपे के खिलाड़ी को दी मात, फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| सिडनी

भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने चीनी ताइपे के विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने शुरुआती गेम में मिली हार से उबरने के लिए जबरदस्त मानसिक दृढ़ता दिखाई और 86 मिनट तक चले सेमीफाइनल में दूसरे वरीय खिलाड़ी को 17-21, 24-22, 21-16 से हराया। वर्तमान सत्र में अभी तक कोई भी खिताब नहीं जीत पाने वाले 24 वर्षीय सेन का फाइनल में मुकाबला जापान के युशी तनाका या चीनी ताइपे के पांचवें वरीय लिन चुन-यी से होगा। फाइनल रविवार को खेला जाएगा।

### दोनों खिलाड़ियों ने 44 शॉट की खेली रैली

लक्ष्य शुरुआत में थोड़े ढीले दिखे, जबकि चेन अपने शॉट चयन में कहीं ज़्यादा सटीक थे। इससे ताइवान के खिलाड़ी ने पहले गेम के इंटरवल तक 11-6 की बढ़त हासिल कर ली, जो कुछ देर बाद 14-7 हो गई। लक्ष्य ने इसके बाद वापसी की। इन दोनों खिलाड़ियों ने 19-15 के स्कोर पर 44 शॉट की रैली खेली, जिसमें चेन ने जीत हासिल करके पांच गेम प्वाइंट हासिल किए। लक्ष्य ने दो गेम प्वाइंट बचाए, लेकिन फिर एक शॉट नेट में डालकर पहला गेम गंवा दिया।

### लक्ष्य ने तीसरे गेम में बनाई 6-1 की बढ़त

लक्ष्य ने तीसरे और निर्णायक गेम में 6-1 की बढ़त बना ली। चेन ने जिस तरह का खेल पहले गेम में दिखाया था उसको वह बरकरार नहीं रख पाए। लक्ष्य ने इसका पूरा फायदा उठाकर इंटरवल तक 11-6 बढ़त हासिल कर ली। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। ताइवान के खिलाड़ी ने चार मैच प्वाइंट बचाए लेकिन वह लक्ष्य को फाइनल में जगह बनाने से नहीं रोक पाए।

### दूसरे गेम का मुकाबला रहा कड़ा

दूसरे गेम के शुरू में दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी लेकिन चेन के सटीक हमले फिर से कारगर साबित हुए और उन्होंने 7-4 की बढ़त बना ली। लेकिन लक्ष्य ने शानदार वापसी की और इंटरवल तक 11-9 की बढ़त बना ली। लक्ष्य का स्मैश बाहर चला गया, जिससे चेन ने वापसी करते हुए स्कोर 12-12 कर दिया। इसके बाद एक समय स्कोर 17-17 बराबरी पर था लेकिन चेन ने लक्ष्य के नेट पर शॉट मारने पर बढ़त बना ली। ताइवान के खिलाड़ी ने इसके बाद तीन मैच प्वाइंट हासिल किए लेकिन लक्ष्य ने उनका अच्छी तरह से बचाव किया और फिर दूसरा गेम जीत कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया।

## प्रथम पृष्ठ का शेष

### चिकित्सा शिक्षा की...

अपना अस्पताल भी नहीं है। सभी सरकारी मेडिकल कालेजों में चिकित्सा शिक्षकों की कमी है और जिलों के मेडिकल कालेजों में सर्जरी की सुविधाएं नहीं हैं जिसकी वजह से भविष्य के डॉक्टरों को स्तरीय शिक्षा नहीं मिल पा रही। वहीं विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल का अभाव भी बड़ी समस्या है। राज्य में दस शासकीय मेडिकल कालेज संचालित है, मगर किसी भी कालेज में स्वीकृत सेटअप के अनुसार चिकित्सा शिक्षक नहीं हैं। कोरबा मेडिकल कालेज इंजीनियरिंग तो कांकेर और महासमुंद मेडिकल कालेज नर्सिंग कालेज के किराए के भवन में संचालित हो रहा है। खुद का अस्पताल नहीं होने की वजह से यहां के विद्यार्थी संबंधित जिला अस्पताल के भरोसे अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे हैं। इतना ही नहीं, चिकित्सा शिक्षा के सफल संचालन के लिए दूसरी बड़ी दिक्कत विद्यार्थियों के हास्टल की है। रायपुर जैसे बड़े मेडिकल कालेज में हास्टल बनाने का काम चल रहा और विद्यार्थियों को मोटी रकम देकर किराए के मकान में रहना पड़ रहा है।

### बस्तर के बाद तेलंगाना...

डाले हैं। तेलंगाना डीजीपी शिवधर रेड्डी के सामने कुल 37 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया जिनमें 3 स्टेट कमेटी सदस्य शामिल हैं। सरेंडर करने वालों में कोय्यादा सम्बैया उर्फ आजाद, अप्पासी नारायण उर्फ रमेश और दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य व माड़वी हिड़मा का करीबी मूचाकी सोमडा उर्फ एर्रा भी शामिल हैं, एर्रा को लंबे समय से हिड़मा के सबसे भरोसेमंद साथियों में गिना जाता था। सरेंडर करने वालों में 3 स्टेट कमेटी सदस्य, 3 डिवीजनल कमेटी सदस्य, 9 एरिया कमेटी मेंबर और 22 पार्टी मेंबर शामिल हैं। इन सभी पर कुल 1,40,05,000 रुपए का इनाम घोषित था। समर्पित नक्सलियों ने अपने साथ अत्याधुनिक हथियार भी पुलिस को सौंपा है। इन हथियारों में एक एके 47 रायफल, दो एसएलआर, चार 303 रायफल व अन्य हथियार शामिल हैं।

### समर्पित नक्सलियों...

इसकी जानकारी देकर ही आए हैं। राज्य समिति सदस्यों में कोइयाड उर्फ आजाद के अलावा अप्पासी नारायण अलियाज उर्फ रमेश व मुचाकी सोमड़ा उर्फ एर्रा भी शामिल है।

### एक बड़ा कदम-...

इच्छा को दर्शाता है। यह न केवल क्षेत्र में स्थिरता को मजबूत करेगा बल्कि माओवादी संगठन में फंसे अन्य लोगों को भी विकास, सम्मान और वैधानिक नागरिक जीवन की राह अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार, बस्तर पुलिस और स्थानीय प्रशासन की ओर से हम हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटने वाले प्रत्येक कैडर के सुरक्षित और सुगम सामाजिक पुनर्वास को सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं।

### नई दुनिया के...

कर रही थी। इस घटना से मीडिया जगत में शोक व्याप्त है हरिभूमि के प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी ने शोक जताते हुए परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की है। बताया जा रहा है कि परपा थाना क्षेत्र स्थित हाईवे इन ढाबा के सामने यह हादसा दोपहर लगभग 3 बजे हुआ, जब मेडिकल स्टूडेंट अंकित दानी निवासी भिलाई सेक्टर 7 और आली श्रीवास्तव, निवासी रायपुर जगदलपुर से मेकाज आ रहे थे। इसी दौरान ढाबा के सामने आयरन ओर से लदे ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक के परखच्चे उड़ गए, वहीं चालक अंकित की मौके पर ही मौत हो गई। पीछे बैठी आली श्रीवास्तव को गंभीर स्थिति में डिमरापाल मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी लगते ही मेडिकल छात्रों व डाक्टरों का जमावड़ा अस्पताल में लग गया। बताया जा रहा है कि दोनों मृतक मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में वर्ष 2021 बैच के थे। घटना जानकारी कैम्पस में लग गई और सीनियर डॉक्टरों व सहपाठियों का अस्पताल आना शुरू हो गया।

### आज होगा पीएम...

सूचना दे दी गई है। रविवार को पीएम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा।

### चौधरी के गृह मंत्री...

देखते ही राय ने गोली चलाते हुए भागने की कोशिश की। एक बयान में कहा गया, पुलिसकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए नियंत्रित गोलीबारी की। अंततः पुलिस ने उसे काबू कर लिया। आरोपी के पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी का इलाज सरकारी अस्पताल में किया जा रहा है और उसकी हालत खतरे से बाहर है।

### जी-20 की टूटी...

में एक संयुक्त घोषणापत्र पारित किया। दरअसल, जोहान्सबर्ग में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन का अमेरिका ने बहिष्कार किया है। इसके पीछे मेजबान दक्षिण अफ्रीका के साथ अमेरिका के राजनयिक मतभेद को कारण बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा कि अमेरिका ने संयुक्त घोषणापत्र के शब्दों पर आपत्ति जताई है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर पारित घोषणापत्र पर फिर से बातचीत नहीं की जा सकती है। राष्ट्रपति रामफोसा के दिए इस बयान से वॉशिंगटन और प्रिटोरिया के बीच जारी तनाव को उजागर किया है। शिखर सम्मेलन में अपना संबोधन देते हुए दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने संयुक्त घोषणापत्र के लिए व्यापक सहमति को स्वीकार किया और कहा, हमें इस शिखर सम्मेलन की शुरुआत में ही घोषणापत्र को स्वीकार करना चाहिए। रामफोसा के प्रवक्ता विंसेंट मैग्वेन्या ने कहा कि घोषणापत्र को शिखर सम्मेलन की कार्यवाही की शुरुआती दौर में असामान्य रूप से स्वीकार कर लिया गया और यह कदम इस मिले जबरदस्त समर्थन के कारण उठाया गया। जोहान्सबर्ग में 'उबंटू' का दर्शन अपनाया गया है। इसका मतलब है- 'मैं हूं, क्योंकि हम हैं'। यानी अब अमेरिका या यूरोप अपनी मनमानी करके और दूसरों को कुचलकर आगे नहीं बढ़ सकते। इस समिट में साफ कर दिया गया है कि अगर एक भी देश पीछे छूटा, तो पूरी दुनिया हार जाएगी। यह आर्टिकल आपको बताएगा कि कैसे विकासशील देशों ने एकजुट होकर पश्चिम की आर्थिक और कूटनीतिक दादागिरी को चुनौती दी है। एक सुर में कहा- परमाणु हथियारों की धमकी देना बंद करो: नेताओं ने एक सुर में कहा कि परमाणु हथियारों की धमकी देना बंद करो। नागरिकों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले करना अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। सूडान, गाजा और यूक्रेन में चल रहे कत्लेआम पर जी-20 ने गहरी चिंता जताई है। संदेश साफ है- शांति के बिना कोई भी देश, चाहे वह कितना भी अमीर क्यों न हो, सुरक्षित नहीं रह सकता। यह पश्चिम के उन नेताओं के लिए एक बड़ा झटका है, जो हथियार बेचकर अपनी अर्थव्यवस्था चलाते हैं।

### आतंकवाद को खत्म...

मुकाबले का प्रस्ताव भी पीएम ने रखा है। यहां बता दें कि फेंटेनिल वही ड्रग है, जिसे लेकर बीते वक्त में अमेरिका ने कुछ भारतीय कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाया था। सम्मेलन में जो तीन अन्य प्रस्ताव प्रधानमंत्री ने रखे। उनमें भारत का वैश्विक परंपरागत ज्ञान कोष, अफ्रीका में कौशल को बढ़ावा देने के लिए गुणक कदम, अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल प्रतिक्रिया टीम का गठन किया जाना मुख्य हैं। संस्थापक के बहिष्कार से कोई घबराहट नहीं: इस साल जी-20 के संस्थापक सदस्य और अगले अध्यक्ष अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में हुए इस सम्मेलन का बहिष्कार किया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी इसमें शामिल नहीं हुए। ट्रंप ने राष्ट्रपति रामफोसा को आयोजन के अंत में संयुक्त घोषणापत्र की बजाय एक बयान जारी करने के लिए कहा है। जिसे दक्षिण-अफ्रीका के राष्ट्रपति ने मानने से इंकार कर दिया है। साथ ही वह अमेरिका को ये भी साफ कर चुके हैं कि उनका देश किसी से डरने वाले या दबाव में आने वाले नहीं है। सम्मेलन के अंत में अमेरिका के सरकारी प्रतिनिधियों को जी-20 की बैटन या अन्य दस्तावेज सौंपने के लिए भी दक्षिण-अफ्रीका तैयार नहीं है। वहीं, 22 नवंबर को आयोजन स्थल पर दक्षिण-अफ्रीका के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी का जोरदार अंदाज में स्वागत किया। दोनों नेता कुछ देर तक एक दूसरे से हाथ मिलाते हुए मुस्कुराते हुए नजर आए। प्रधानमंत्री ने इस शानदार आयोजन और समूह की सफल अध्यक्षता के लिए राष्ट्रपति रामफोसा को बधाई दी। एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा, दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में स्किल्ड माइग्रेशन, पर्यटन, खाद्य सुरक्षा, एआई, डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवाचार व महिला जागरूकता जैसे विषयों पर सराहनीय काम हुआ है। नई दिल्ली में जी-20 सम्मेलन में जो ऐतिहासिक लिए गए थे। उन्हें यहां आगे बढ़ाया गया है।

आतंकवाद को फाइनेंस करने का माध्यम फेंटेनिल: प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद और उसे बढ़ावा देने के लिए मादक पदार्थों की तस्करी दुनिया के सामने खड़ा एक और बड़ा मुद्दा है। जिसमें फेंटेनिल जैसे अति घातक ड्रग्स बड़ी तेजी से फैल रहे हैं।

### नशेड़ी ने पत्नी...

विवाद बढने पर उसने डंडे व सिलबट्टे से देवकुमारी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृतका के साथ मारपीट करने के दौरान उसका छोटा बेटा घर में ही मौजूद था जबकि दो बेटे अन्यत्र गए थे। छोटा बेटा बीच बचाव की कोशिश करने लगा तो नशेड़ी पिता उसपर भी हमला करने लगा। उसने घर से बाहर भागकर अपनी जान बचाई। पत्नी की हत्या करने के बाद उसने उसकी लाश को पास के कुएं में फेंक दिया तथा ऊपर से पुआल से ढंक कर फरार हो गया। बड़े भाई के घर पहुंचने पर छोटे भाई ने घटना की जानकारी दी। शनिवार की सुबह परिवार के सदस्यों के साथ मृतका का बेटा उसकी लाश को तलाश रहा था। इस दौरान घर के कुएं में पुआल भरा होने पर उसे संदेह हुआ। पुआल हटाने पर मृतका की लाश दिखी तो परिजन ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

### दावा: 99 फीसदी...

द्वारा जिन स्थानों पर वितरण किया गया है, उसे लेने दोबारा नहीं पहुंच रहे हैं। रायपुर के साथ ऐसे हालात प्रदेशभर के हैं। वितरण करने बीएलओ को बूथ वाइस जिम्मा दिया गया है। 4 नवंबर से वितरण शुरू हुआ, लेकिन एक पखवाड़ा बीतने के बाद लोगों तक गणना पत्रक नहीं पहुंचा है। प्रदेश में राज्य निर्वाचन आयुक्त के निर्देश पर 63 हजार 439 बीएलओ एसआईआर की प्रक्रिया को पूरा करने में जुटे हुए हैं। सभी विधानसभा में बूथवार गणना पत्रक का वितरण कर फार्म वापस लेने की जिम्मेदारी बीएलओ की है। रायपुर में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए बीएलओ मतदाताओं के घर-घर पहुंच रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार रायपुर जिले में अबतक करीब 85 प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं। मिली जानकारी के अनुसार जिले में कुल 18,92,523 पात्र मतदाता हैं, जिनमें 16,08,644 को अबतक गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं। 31 प्रतिशत **डिजिटलाइजेशन** : गणना पत्रक के वितरण के बाद इन प्रपत्रों के संग्रहण और डिजिटलाइजेशन का कार्य प्रगति पर है।

### धरसींवा और अभनपुर...

माना जा रहा है कि सभी बीएलओ एक दो दिनों में विरतण पूरा कर लेंगे। रायपुर ग्रामीण और उत्तर विधानसभा क्षेत्र में वितरण का काम धीमा है। बीएलओ से कहा गया है कि वितरण कार्य जल्द करें।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी — डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS साईटिका तेल — शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुटमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

## आवश्यकता है

**आवश्यकता है-** जशपुर Investing Economics Pvt Company में काम करने के लिए लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार इच्छुक उम्मीदवार जल्द सम्पर्क करें 9303029912 (39214)

**आवश्यकता है-** बिलासपुर में रसोईया, माली, ड्राइवर और झाड़ू पोंछा आदि काम करने हेतु महिला या चौकीदार की आवश्यकता है आवास सुविधा उपलब्ध आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- 9893506053 (39084)

**आवश्यकता है-** थोक गिफ्ट दुकान में कार्य करने हेतु केवल लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। (नोट- 11बजे के बाद फोन करें) सम्पर्क करें- सिद्धि विनायक गिफ्ट, वृन्दावन परिसर, तेलीपारा बिलासपुर 982725 5100 (39222)

**आवश्यकता है-** दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गीता इलेक्ट्रीकल्स एण्ड हार्डवेयर सीपत रोड बहतराई चौक बिलासपुर 8839011077, 9827184971 (39221)

**आवश्यकता है-** इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में लोडिंग, अनलोडिंग कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री शारदा इंटरप्राइजेस सिटी कोतवाली चौक के पास तेलीपारा रोड बिलासपुर 9907326286 (39226)

**आवश्यकता है-** UTN शॉप में काम करने हेतु लड़के, लड़कियो की आवश्यकता है। वेतन 8000 से 12000 सम्पर्क करें- शॉप नम्बर एफएस- 16 प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा, मंगला चौक बिलासपुर 79995 94790, 7806007192 (39227)

**आवश्यकता है-** मेस में काम करने के लिए कुक की अतिशीघ्र आवश्यकता है सम्पर्क करें- दिल्ली आईएएस एकेडमी के पीछे मंगला बिलासपुर 9755655055 (39193)

**आवश्यकता है-** कॉलोनी में 6 सुरक्षागार्ड एवं 2 सुपरवाइजर चाहिए योग्यता 12वीं, उम्र 40वर्ष तक, इयूटी 12घंटे एंड्रॉयड फोन चलाने का अनुभवी, वेतन 10000 से 12000 सम्पर्क- सुबह 9 से 11बजे, रामावैली आवासीय सहकारी समिति प्रथम तल ऑफिस नं.-3 शॉपिंग काम्प्लेक्स, रामावैली कॉलोनी बोदरी बिलासपुर 88272 83767, 7999946658 (39224)

**आवश्यकता है-** सलवार सूट, लहंगा, ब्लाउज, गाउन सिलाई हेतु अनुभवी महिला, पुरुष टेलर चाहिए। वेतन 25000 से 30000 (प्रोफेशनल सिलाई, कटिंग की बेहतरीन ट्रेनिंग उपलब्ध) पता- परफेक्ट बुटीक, मुंगेली नाका, बिलासपुर 7389444785 (39223)

**आवश्यकता है-** बिलासपुर की Pvt. Ltd. कम्पनी को मैनेजर-2 (20000- 25000), फिल्ड ऑफिसर- 5 (13000 15000+ पेट्रोल), कांउसलर- 2 (15000- 17000), टेली कॉलर-4 (12000- 15000) कम्प्यूटर आपरेटर (एकाउंटेंट)- 2, (13000- 15000) ऑफिस ब्वाय (प्यून) चाहिए। उम्र 28 से 50वर्ष, अनुभवी ही सम्पर्क करें- नारायण प्लाजा, बिलासपुर 6269222003, 62692 22001 (39229)

**आवश्यकता है-** चौकीदार चाहिए बोदरी परसदा में गाड़ियों के यार्ड के लिए चौकीदार की आवश्यकता है रहने की सुविधा है सम्पर्क करें- 7583808008 (39230)

**आवश्यकता है-** सिक्यूरिटी गार्ड- 2, रिसेप्शनिस्ट/ कैप्टन- 2, किचन हेल्पर (इंडियन, तन्दूर, चाइनीज)- 1 चाहिए वेतन योग्यता अनुसार रहने, खाने की सुविधा सम्पर्क करें- होटल डाउन टाऊन, राजकिशोर नगर बिलासपुर 9144666000, 89829 30155 (39218)

**आवश्यकता है-** अनुभवी सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- किम्स हॉस्पिटल मगरपारा रोड बिलासपुर 76940 06583, 6364445676 (39204)

**आवश्यकता है-** Receptionist, & OT नर्स की जरूरत। Receptionist को Computer की जानकारी होना अनिवार्य। Salary अनुभव के आधार पर। सम्पर्क करे- अग्रवाल प्लास्टिक सर्जरी सेन्टर, लालगंगा बिजनेस पार्क, पचपेड़ी नाका, रायपुर। 9575042809 (10am से 7pm) (39190)

**आवश्यकता है-** बिरयानी सेन्टर में काम करने हेतु हेल्पर एवं वेटर लड़के चाहिए बाहरी लड़कों को रहने की सुविधा सम्पर्क करें- खान बिरयानी हरिभूमि प्रेस के सामने, रिंग रोड नं-2, बिलासपुर 70007 63104 (39210)

**आवश्यकता है-** फैक्ट्री मेस कैन्टीन में काउन्टर में खाना देने हेतु लड़के, बर्तन, झाड़ू पोछा, किचन हेल्पर, खाना, नाश्ता मिस्त्री चाहिए रहने खाने की सुविधा, वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 88718 24812, 9993334937 (39211)

**आवश्यकता है-** यश सुपर बाजार में बिजी सॉफ्टवेयर कम्प्यूटर आपरेटर (लड़का), सेल्स के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है अनुभवी सम्पर्क करें- रिंग रोड नम्बर 2, महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9981063081 (39205)

**आवश्यकता है-** सीए आफिस में टेली अनुभवी कॉमर्स वाले युवक, युवतियां चाहिए (एकाउंट्स सीखना हो) मासिक छात्रवृत्ति 2500, प्रातः 10 से शाम 8 बायोडाटा वाट्सअप करें- सीए मनोज कुमार अग्रवाल, फिनिटैक्स टावर, अमलताश कॉलोनी रोड, रियलहेवन अपार्टमेंट के पास मंगला चौक बिलासपुर 9827188833, 8982308890, 8458808890 (39207)

**आवश्यकता है-** सीए फर्म में कार्य हेतु सीए/ सीए इन्टर युवक, युवतियां चाहिए पता- सीए मनोज कुमार अग्रवाल, फिनिटैक्स टावर, अमलताश कॉलोनी रोड, रियलहेवन अपार्टमेंट के पास मंगला चौक बिलासपुर 8982308890 (39206)

**आवश्यकता है-** खाना बनाने हेतु पुरुष, महिला कुक चाहिए (खाना नाश्ता सभी के लिए अनुभवी) समय सुबह 8 से शाम 8 बजे तक पता- रामा वर्ड न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 9967299365 (39219)

**आवश्यकता है-** डी-कंसल्टेंट इंटीरियर कम्पनी में इंटीरियर डिजाइनर एवं योग्य साइट सुपरवाइजर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुभव अनुसार सम्पर्क करें- एम. गैलेरिया कॉम्प्लेक्स प्रथम तल, व्यापार विहार बिलासपुर 7722983234, 62669 66581 (39215)

**आवश्यकता है-** नौकरी अवसर क्राउन पब्लिशिंग सरकण्डा, बिलासपुर MS Office and Digital Marketing में 1 से 2 वर्ष अनुभव वाले 12वीं, स्नातकोत्तर लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें 7974794530 (39213)

**आवश्यकता है-** घर पर रहकर हमारे घर में घरेलू काम करने के लिए लड़का या लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गोड़पारा गुरुद्वारा के बाजू में बिलासपुर 96692 11111, 9827175811 (39216)

**आवश्यकता है-** लेथ मशीन मिस्त्री (अनुभवी) एवं फोरमेन जो कि सभी मशीन चलाना जानता हो सम्पर्क करें जोत इंजीनियरिंग कृष्णा जेसीबी के पीछे सिरगिट्टी बिलासपुर 7828070065 (39194)

**आवश्यकता है-** डोर स्टेप लॉन्ड्री में ड्राई क्लीनर (ऑल राउंडर) की अतिशीघ्र आवश्यकता है सम्पर्क करें- विनर्स वैली स्कूल के बगल में मन्दिर चौक बिलासपुर 99079 80004, 9300003383 (39202)

**आवश्यकता है-**हाऊस कीपिंग स्टाफ-100 (गर्ल, ब्यॉय) नर्स-15, लेडिज गार्ड- 10, वार्डब्यॉय-10, ऑफिस ब्यॉय-10 बिलासपुर अम्बिकापुर हेतु रहना फ्री ड्यूटी 8घंटे, वेतन 6000-10000 पता-डीके एण्ड सन्स प्लेसमेन्ट सर्विसेस शंकर नगर बिलासपुर 8889823100 (39144)

**आवश्यकता है-**औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुपरवाइजर 16000 फील्ड ऑफिसर 15000/- कम्प्यूटर ऑपरेटर 3 सुरक्षागार्ड 56 वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited, FF-6 जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर 7747000019, 77470 00016, 7746000016, 7746000019 (348)

**आवश्यकता है-** रेस्टोरेन्ट में काम करने के लिए तन्दूर मिस्त्री, किचन हेल्पर और वेटर लेडीज, जेंट्स दोनों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- साँझा चूल्हा महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 83193 44041 (39196)

**आवश्यकता है-** फोर व्हीलर वर्कशॉप में लड़के/ लड़कियों, सुपर डिजायनर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन, प्यून चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- बालाजी सेल्स एण्ड सर्विसेज मगरपारा रोड बिलासपुर (39197)

**आवश्यकता है-** परमानेंट ड्राइवर चाहिए फोर व्हीलर गाड़ी चलाने हेतु अनुभवी लाइसेंस धारी ड्राइवर की आवश्यकता है लोकल बिलासपुर वाले को प्राथमिकता वेतन 8000 सम्पर्क करें- 7470441882 (39198)

**आवश्यकता है-** खेत में कार्य करने वाले की आवश्यकता है जो परिवार सहित रहकर कृषि एवं अन्य कार्य की देखरेख करे वेतन कार्य क्षमता अनुसार 7999967254 (6577)

**आवश्यकता है-** शिवाय & रूद्र कार्पोरेशन को छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के लिए कृषि विकास और समृद्धि योजना हेतु प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर की तुरंत आवश्यकता हैं, वेतन 30000+ 5% इंसेटिव, योग्यता पोस्ट ग्रेजुएशन, ग्रेजुएशन +बाइक कॉन्टैक्ट:- 7909995001 (372)

**आवश्यकता है-** बिलासपुर जरहाभाटा में सी.ए. आफिस में कंप्यूटर में काम करने हेतु लड़के/ लड़कियों की, टैली आना अनिवार्य है, अनुभवी को प्राथमिकता रिज्यूम के साथ संपर्क करें:- 95841 99929

**आवश्यकता है-** सिक्यूरिटी एजेंसी में गार्ड का कार्य करने हेतु इच्छुक व्यक्ति की आवश्यकता है, न्यूनतम योग्यता 10वी पास, (अनुभवी को प्राथमिकता) संपर्कः- उमा सिक्यूरिटी सर्विसेज बिलासपुर 9981630084, 94255 34940 (373)

**आवश्यकता है-** कुत्ते के आश्रम में दयालु और जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, साफ सफाई, देख-भाल का कार्य 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, 72258 88800 (6951)

**टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)**
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स (पुरूष/महिला), ITI फिटर, ITI इलेक्ट्रिशियन, सिक्यूरिटी गार्ड चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध।
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 9827163216, 8462933820

**आवश्यकता है-** छत्तीसगढ़ से बाहर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -10000 (रहना फ्री) ट्रेनिंग के बाद कमाए 20-25 हजार नोट - नशेड़ी फ़ोन न करें मो. 9982589693, 88155 22974 (513)

## टैक्स कंसलटेंट

**टैक्स कंसलटेंट-** इनकम टैक्स, जीएसटी, गुमास्ता, डायवर्शन, अकाउंटिंग, एमएसएमई पंजीयन, फूड लाइसेन्स, लीगल कंसल्टेन्सी इत्यादि कार्यों हेतु सम्पर्क करें- सुयश अग्रवाल टैक्स कंसलटेंट, सेकेण्ड फ्लोर मुल्कराज कॉम्पलेक्स व्यापार विहार बिलासपुर 90091 01660, 9244068285 (39185)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

## बेचना है

**बेचना है-** परसदा (सकरी) कोटा मोड़ दीनदयाल हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से लगे सर्वसुविधायुक्त 2BHK मकान 26 लाख एवं 3BHK मकान 27 लाख में उपलब्ध हैं। बुकिंग कराने हेतु सम्पर्क करें- 9884261185, 98274 04638 (39217)

**बेचना है-** सैदा मेन रोड में 30 डिसमिल 95 का फ्रंट, खसरा नम्बर 18/1, मुख्य मार्ग से लगा सकरी रायपुर बाईपास से 300 मीटर दूर स्थित कॉमर्शियल प्लाट। सम्पर्क करें- 90093 73639, 9425569242 (39212)

**बेचना है-** सिन्धी कॉलोनी शारदा मंदिर के पीछे 1500 वर्गफुट में बना सर्वसुविधा युक्त फुल फर्निश्ड 3BHK मकान बेचना है संपर्क करें 8319404073, 79745 22234 (39203)

**बेचना है-** बिलासपुर सीपत में मेन रोड पर सीमांकन किया हुआ 8850 वर्गफीट प्लॉट फ्रंट 150 फीट एक साथ या टुकड़े में रजिस्ट्री पश्चात डायवर्सन कर दिया जावेगा सम्पर्क करें- 6399166000, 76975 58000 (39201)

**बेचना है-** मंगला अमन विहार में 3BHK डबल मंजिल न्यू कंस्ट्रक्शन शानदार लोकेशन में मकान बेचना है कीमत 32 लाख सम्पर्क करें- 93012 27779 (39228)

## वाहन बेचना है

**वाहन बेचना है**
अशोक लीलैंड डाला बॉडी गाड़ियां बेचना है
2018 मॉडल BS 4 - 14 चक्का
2020 मॉडल BS 4 - 16 चक्का
2021 मॉडल BS 6 - 16 चक्का
2022 मॉडल BS 6 - 16 चक्का
संपर्क करें - सजल सरकार 9303907960, 8435642826

## किराया

**किराया-** 1000 वर्गफुट हॉल अटैच टॉयलेट, टाइल्स फ्लोरिंग, फॉल्स सीलिंग, सेकण्ड फ्लोर, सीएलसी प्लाजा मंगला चौक, बिलासपुर में किराए पर देना है कोचिंग, ऑफिस, स्टूडियो, कमर्शियल उपयोग हेतु सम्पर्क करें- 9993067464 (39225)

**किराया-** राजीव गांधी चौक के पास रमेश स्टील के पीछे व्यवसायिक परिसर में दूसरे, तीसरे मंजिल में हाल किराये पर देना है कोचिंग,आफिस ट्रेनिंग सेन्टर हेतु उपयुक्त। सम्पर्क करें- 9229223243, 83198 88266 (39231)

**किराया-** बिलासपुर 27 खोली में गुरुद्वारा के सामने सर्व सुविधा युक्त 2BHK फ्लैट प्रथम तल पर किराए से देना है जॉब वाले ही सम्पर्क करें- 9752079958 (39209)

**किराया-** ओम नगर जरहाभाठा, कटहल चौक बिलासपुर में 1 BHK मकान किराये से देना है 2 मकान भूतल एवं 1 मकान प्रथम तल पर स्थित है। सम्पर्क करें- राकेश शर्मा (अधिवक्ता) 8269890000 (39208)

**किराया-** खरमोरा, कोरबा में 700 sft मे बना 4 BHK घर नव निर्मित किराए पर देना है. संपर्क करे 9893294680 (RS Yadav मकान न. 61/02) (6576)

## फायनेंस

**फायनेंस-** महालक्ष्मी फाइनेंस कंपनी समस्त प्रकार की लोन कृषि, बिजनेस, समूह लोन, पर्सनल, लेबर कार्ड, डेयरी फार्म, होम लोन आधारकार्ड पर (50000– 30 लाख तक) (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क:- 8349203168 (377)

## वैवाहिकी

### परिचय सम्मेलन

पंजीयन क्र. 1582/1969
**म.प्र. राजपूत समाज**
8वा अ.भा.क्षत्रिय/राजपूत युवक-युवती परिचय सम्मेलन
रविवार, 14 दिसंबर 2025
महाराणा प्रताप भवन, चार इमली मेन रोड नं. 3 भोपाल -16 (म.प्र.)
योग्य व उत्तम जीवनसाथी चयन हेतु आज ही हमारी वेबसाइड पर पंजीयन करायें।
web:- www.mprajputsamaj.org
पंजीयन हेतु अंतिम तिथि रविवार, 07 दिसंबर 2025
पंजीयन शुल्क 600 रुपए ऑनलाइन एवं 800 रुपए ऑफलाइन (पंजीयन शुल्क में राजपूत दर्पण पत्रिका का वैवाहिक विशेषांक शामिल है।)
Email:- mprajputsamaj1582@gmail.com
मो. 91790 81582, 98274 47630, 98260 15148, 94250 04866, 98268 15124

## वधु चाहिए

**वधु चाहिए**
गुजराती 44/ 5'-11" स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000 मासिक, युवक हेतु उच्च जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें-
9827114645
9131139179
(मैरिज ब्यूरो क्षमा)

**वधु चाहिए**
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175

## सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

## हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

## तरकश

संजय के दीक्षित

### आखिर इस्तीफा क्यों?

बहरहाल, प्रफुल्ल भारत ने इस्तीफा दिया क्यों, इस पर कोई खुलकर बोल नहीं रहा। मगर पर्दे के पीछे कुछ बातें रहीं, जिससे सरकार और महाधिवक्ता कार्यालय के बीच सब कुछ अच्छा नहीं था। उसमें जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू का केस ताबूत का आखिरी कील जैसा साबित हुआ। बालेश्वर ने किसानों के साथ गंभीर धोखाधड़ी की थी। पुलिस ने उनके खिलाफ तीन-तीन एफआईआर किया। मगर कोर्ट से गिरफ्तारी पर रोक लग गई। मामला जांच में चला गया। जबकि, पुलिस ने जांच करने के बाद मुकदमा कायम किया था। सरकारी पक्ष ने कोर्ट में इस बात को ढंग से रखा नहीं। पिछले एक साल में कई ऐसे एपिसोड हुए, जिसमें सरकारी विभाग के काम लटके रहे। प्राचार्य प्रमोशन में भी ऐसा ही हुआ। अप्रैल में प्रमोशन हुआ, और इस महीने जाकर मामला निबटा। तब तक 200 से अधिक प्राचार्य बेचारे बिना नेम प्लेट लगाए रिटायर हो गए। हालत ये हो गए थे कि अति महत्वपूर्ण केसों में थोक में सरकारी वकील होने के बाद भी पेनल लायर खड़े हो जाते थे। चना-मुर्रा टाईप केसों में भी सरकार की स्थिति दयनीय हो जा रही थी। इसमें राज्य महिला आयोग सहित तीन आयोगों में अब तक सत्ता पक्ष के पदाधिकारी की नियुक्ति न हो पाना भी शामिल है। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक ने कांग्रेस शासन में पदभार संभाला था। इसी तरह दो और आयोग में अब भी पुराने पदाधिकारी ही नियुक्त हैं। एक आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद सरकार की किरकिरी हो गई, जब नवनियुक्त अध्यक्ष को पदभार संभालने का मौका ही नहीं मिला और उन्हें आखिरकार दूसरे निगम का अध्यक्ष बना दिया गया। बहरहाल, हाई कोर्ट बनने के बाद नौ महाधिवक्ता बने हैं, जिनमें से रविश अग्रवाल, देवचरण सुराना, कनक तिवारी और प्रफुल्ल भारत की विदाई असहज स्थिति में हुई।

### 100 से अधिक की फौज और रिजल्ट?

हाई कोर्ट बनने के 25 साल में यह पहला मौका होगा, जब बिलासपुर महाधिवक्ता ऑफिस में 100 से अधिक की फौज है। सात एडिशनल एजी...सात डिप्टी एजी। 33 गवर्नमेंट वकील और 100 के करीब पेनल लायर। इतना भारी-भरकम अमला होने के बाद भी सरकारी पक्ष में कमजोर क्यों पड़ जा रहा, सिस्टम को इस पर सोचना चाहिए।

### ओपी के बंगले में अमित शाह

डीजीपी कांफ्रेंस के दौरान वित्त मंत्री ओपी चौधरी के बंगले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन दिन रुकेंगे। हालांकि, उनके लिए नवा रायपुर स्थित एक नए मंत्री के बंगले की बात हुई थी। मंत्रीजी तैयार भी हो गए थे। मगर शायद उन्हें किसी ने सलाह दे दी कि पूजा-पाठ के बाद बंगले में किसी और को रहना शुभ नहीं होगा। लिहाजा, उन्होंने लिखित रिप्लाई में अनिच्छा प्रगट कर दी। इसके बाद खाली बंगले की तलाश शुरू हुई। ओपी चौधरी को एलाटेड एम11 बंगला अभी खाली है। अफसरों ने उनसे बात की तो वे सहर्ष तैयार हो गए।

### गेस्ट हाउसों के दिन फिरे

अभी तक वीआईपी और वीवीआईपी रायपुर आते थे तो वे बड़े होटलों में रुकते थे। मगर पीएम नरेंद्र मोदी का इंस्ट्रक्शन है, सरकारी विश्राम गृहों, अतिथि गृहों में सरकारी नुमाइंदे ठहरेंगे...जो पैसा सितारा होटलों में खर्च होता है, उसे गेस्ट हाउसों को रिनोवेशन में लगाया जाए। यही वजह है कि 28 से 30 नवंबर तक होने वाले डीजीपी, आईजी कांफ्रेंस के लिए युद्ध स्तर पर सरकारी गेस्ट हाउसों को तैयार किया जा रहा है। इसके लिए भारत सरकार से पैसा मिला है, तो राज्य ने भी दिया है। निमोरा स्थित गेस्ट हाउस में 91 कमरे हैं। वहां वॉशरुम से लेकर दरवाजा, खिड़की, बेड सब कुछ बदल दिया गया। रायपुर और नवा रायपुर के सर्किट हाउसों को भी सजाया-संवारा जा रहा है। सभी प्रदेशों और केंद्र शासित प्रदेशों के सिकरेट्री होम रायपुर के सर्किट हाउस में ठहरेंगे। नेशनल सिक्यूरिटी एजवाइजर याने एनएसए अजीत डोभाल नवा रायपुर के सर्किट हाउस में पूरा एक फ्लोर दिया जा रहा है। हालांकि, उनके लिए आईआईएम के गेस्ट हाउस को देखा गया मगर अफसरों ने सर्किट हाउस को बेहतर समझा गया।

### मंत्री, प्रेयसी और सर्वधर्म सम्भाव

पिछले तरकश स्तंभ में एक सवाल था, मंत्री ने माशूका को खरीद कर दिया 3 करोड़ का बंगला....पार्टी के हिटलिस्ट में मंत्री। इस पर काफी प्रतिक्रियाएं आईं। 200 से अधिक अननोन पाठकों ने व्हाट्सएप्प के जरिये अपनी जिज्ञासा प्रगट की। मगर सबसे अधिक खरी-खरी फोन बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता का रहा। बोले... देश में प्रेयसी पर सर्वस्व न्यौछावर करने के अनेकों दृष्टांत रहे हैं...मुगलों के दौर में शाहजहां ने अपनी प्रियतमा के लिए विश्व प्रसिद्ध स्मारक बनवा दिया था। फिर छत्तीसगढ़ के एक मंत्री ने 3 करोड़ में बंगला खरीद अपनी प्रेयसी को दे दिया तो फिर हाय-तोबा क्यों? कैबिनेट मंत्री के लिए 3 करोड़ रुपए क्या मायने रखता है? आखिरी लाइन उनका ज्यादा टचिंग था...धर्मनिरपेक्ष देश में मंत्रीजी प्रेयसी के जरिये सर्वधर्म समभाव का उदाहरण पेश कर रहे तो इसमें किसी को दिक्कत क्यों? और क्या ये पहली बार हुआ है...? बात सही है। छत्तीसगढ़ बनने के बाद कई मंत्रियों, राजनेताओं और नौकरशाहों द्वारा इस तरह बंगला, फ्लैट खरीद दूसरा घर बनाने की चर्चाएं होती रही हैं। अबकी मंत्रीजी ने जल्दी कर दी, इसलिए एक्सपोज हो गए।

### कलेक्ट्रेट से विस भवन तक

बहुत कम लोगों का पता होगा कि विधानसभा सचिवालय कुछ दिनों तक कलेक्ट्रेट और मंत्रालय में लगा था। राजकुमार कॉलेज में प्रोटेम स्पीकर का चुनाव और विधायकों की शपथ के बाद बलौदा बाजार रोड पर स्थित भारत सरकार के जल संसाधन विभाग की बिल्डिंग को विधानसभा के लिए चुना गया था। मगर सदन के अनुकूल उसे तैयार करने में करीब दो महीने का वक्त लगा। लिहाजा, पहले कलेक्ट्रेट में विधानसभा सचिवालय लगा, फिर मंत्रालय में दो कमरे दिए गए। विधानसभा के वर्तमान सिकरेट्री दिनेश शर्मा न केवल सबसे पहले यहां ज्वाईन किए बल्कि अब उनके साथ एक और रिकार्ड जुड़ गया है। वह है मध्यप्रदेश के समय पुराने से नए विधानसभा में जाने का और अब छत्तीसगढ़ में भी यही संयोग दुहरा रहा। याने उन्हें एमपी, छत्तीसगढ़ को मिलाकर कुल चार विधानसभा भवनों में काम करने का मौका मिला।

### डिस्ट्रिक्ट जज सिकरेट्री

आजादी के बाद कई साल तक जिला न्यायाधीश स्तर के जज विधानसभाओं के सचिव होते थे। अविभाजित मध्यप्रदेश में सालों डीजे लेवल के सचिव रहे तो छत्तीसगढ़. बनने के बाद पहला सचिव भी डीजी टीपी शर्मा को बनने बनाया गया। टीपी शर्मा बाद में विधि सचिव रहे और हाई कोर्ट जज बने। खैर, टीपी शर्मा के बाद डीजे मिन्हाजुद्दीन को दूसरा सचिव बनाया गया। मगर दो-चार दिन काम करने के बाद उन्होंने अनिच्छा प्रगट कर दी। तब तक भोपाल से भगवानदेव इसरानी आ गए थे। स्पीकर स्व. राजेंद्र प्रसाद शुक्ल ने इसरानी को सचिव अपाइंट किया। इसके बाद विधानसभा के अधिकारी प्रमोट होकर यह पद संभालने लगे।

### देर आए, दुरुस्त आए?

सात सदस्यीय कमेटी द्वारा रायपुर में कमिश्नर सिस्टम लागू करने के लिए रिपोर्ट देने के बाद भी किन्हीं वजहों से राज्योत्सव के मौके पर इसे लागू नहीं किया जा सका। मगर अब खबर है, अगले महीने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पुलिस कमिश्नर के एक्ट को पारित कराया जाएगा। ओड़िसा की तरह छत्तीसगढ़ में भी एक्ट के जरिये पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू किया जाएगा। मगर अब देखना है कि ओड़िसा की तरह अपने रायपुर का पुलिस कमिश्नर सिस्टम भी प्रभावशाली होगा या सिर्फ नाम का रहेगा?

### कांग्रेस की नियुक्ति पॉलिसी

कांग्रेस पार्टी ने लंबे समय के एक्सरसाइज के बाद 11 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया। बाकी जिलों में कब होगा, इस पर पार्टी मौन है। कांग्रेस के नियुक्ति प्रक्रिया पर पार्टी के लोग ही सवाल उठा रहे हैं। कार्यकताओं और नेताओं को रिचार्ज करने के नाम पर संगठन में नियुक्तियों से पहले कांग्रेस में काफी बड़े स्तर पर राय-मशविरा, भेंट-मुलाकात चलता है मगर इससे कार्यकर्ता जितना रिचार्ज नहीं होते, उससे अधिक डिस्चार्ज हो जाते हैं। असल में, अत्यधिक कवायदों से सबकी उम्मीदें बंध जाती है और होता वही है, जो पहले से तय रहता है। और जब उम्मीदें टूटती है तो फिर सेल्फ गोल शुरू हो जाता है। अब पार्टी भले ही इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया कहकर खुश हो लें, मगर पार्टी के जिम्मेदार लोगों का कहना है कि इस एक्सपेरिमेंट से फायदे की जगह नुकसान हो रहा है।

### मनी लॉन्ड्रिंग पर लगाम

अरुण जेटली ने वित्त मंत्री रहते 2017 में मुख्यमंत्री को **DO** लेटर लिख छत्तीसगढ़ में जमीनों के गाइड लाइन रेट देश में सबसे कम होने पर चिंता जताई थी। उन्होंने लिखा था...रेट में भारी विषमता होने से छत्तीसगढ़ में मनी लॉन्ड्रिंग तेजी से बढ़ रहा है। जेटलीजी उसके बाद नहीं रहे। मगर आठ साल बाद अब उनकी आत्मा को शांति मिलेगी। पंजीयन विभाग ने रेट का युक्तियुक्तकरण करते हुए रेट में काफी सुधार किया है । इस पर सूबे के बिल्डरों और भूमाफियाओं में हाहाकार मचा हुआ है। दरअसल, 2017 से पहले गाइड लाइन दर हर साल सात से 10 परसेंट बढ़ता था। मगर पिछली सरकार ने रेट बढ़ाने की बजाय 30 परसेंट कम कर दिया। इससे छत्तीसगढ़ में दिल्ली, मुंबई जैसे मेट्रो सिटी से ब्लैक मनी का फ्लो बढ़ा। जाहिर है, सरकारी दर कम होने से खजाने को पंजीयन शुल्क का नुकसान होता ही है, इन्कम टैक्स विभाग को भी हर साल करीब 500 करोड़ का चूना लगता था। वो इसलिए कि, शंकर नगर, कचना, सड्डू जैसे एरिया में जो बिल्डर छह से सात हजार रुपये फुट में जमीन और मकान बेच रहे, उसका सरकारी रेट हजार, बारह सौ से ज्यादा नहीं। इस अंतर की राशि को कैश में देना पड़ता है। याने मकान या जमीन के लिए जितनी राशि एक नम्बर में ली जाती है, उससे कहीं अधिक दो नम्बर में। यही वजह है कि छत्तीसगढ़ में बड़े स्तर पर ब्लैक मनी को व्हाइट किया जा रहा था। ऊपर से नौकरी पेशा और मिडिल क्लास को सरकारी रेट कम होने से बैंकों से जरूरत के हिसाब से लोन नहीं मिल रहा था, फिर दो नम्बर में कैश जुटाने की मुसीबत थी, वो अलग। उम्मीद है, युक्तियुक्तकरण से स्थिति कुछ बदलेगी।

### अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या ये सही है...आयुष्मान योजना अगर बंद हो जाए तो सूबे के 60 परसेंट हॉस्पिटल बंद हो जाएंगे?
2. क्या ये सही है कि जिस राज्य में ब्यूरोक्रेसी कमजोर और सियासी हस्तक्षेप ज्यादा होता है, वहां डेवलपमेंट ठहर जाता है?

# बैंकिंग प्रणाली में बदलाव, डिजिटल सेवा और ग्राहकों की सुरक्षा पर भी किया मंथन

**छत्तीसगढ़ चार्टर्ड अकाउंटेंट एसोसिएशन ने "ज्ञान-सम्मेलन" में की चर्चा**

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

वित्त, कराधान और उद्योग जगत से जुड़े लोगों के लिए शनिवार को अपरान्ह तीन बजे शांति नगर स्थित विमतारा ऑडिटोरियम में एक नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस " ज्ञान-सम्मेलन " मंथन 2025" के साक्षी बनने के लिए विषय विशेषज्ञ भी पहुंचे। छत्तीसगढ़ चार्टर्ड अकाउंटेंट एसोसिएशन द्वारा सहकारी बैंक लिमिटेड के साथ मिलकर की गई इस कांफ्रेंस ने प्रदेश के व्यावसायिक परिदृश्य से जुड़े लोगों को नई ऊर्जा प्रदान की। इसका शुभारंभ बैंकिंग के भविष्य के लिहाज से किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में शरद नरहर गंगल ने कहा कि भारतीय बैंकिंग प्रणाली के व्यापक परिवर्तनों, डिजिटल विस्तार, ग्राहकों की सुरक्षा, नियामकीय मजबूती को समझना होगा।

विशिष्ट अतिथि ने विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "भारत वित्तीय अगवाई के नए युग में प्रवेश कर चुका है। आने वाले समय में सीएएस केवल अनुपालन विशेषज्ञ नहीं, बल्कि राष्ट्र की वित्तीय दिशा तय करने वाले रणनीतिक सलाहकार बनेंगे।"उनके विचारों ने पूरे सभागार में गंभीर चिंतन का वातावरण उत्पन्न किया। वक्ताओं द्वारा पेश किए नए विचार, नई नीतियों और नई तकनीक पर देशभर से आए प्रसिद्ध वक्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में गहन, व्यावहारिक और शोध-आधारित सत्र संचालित किया। सीए प्रफुल्ल पेंडसे ने सत्र में सेक्शन 148 पर मास्टर क्लास की जानकारी के साथ आयकर पुनर्मूल्यांकन, जांच प्रक्रिया और अनुपालन जोखिम का विश्लेषण सभी पेशेवरों के बीच प्रस्तुत किए। सीए जितेन्द्र सिंह खनूजा ने जीएसटी के वार्षिक रिटर्न और एफवाय-24-25 ऑडिट मुद्दे पर भी प्रकाश डालते हुए जटिल जीएसटी प्रावधानों को सरल तरीके से केस स्टडी और नवीनतम निर्देशों के साथ स्पष्ट किया। इस कड़ी में सीए अरिहंत जैन, करण गुप्ता, वैभव सिंघवी, निखिल अरेकर, किशोर बारडिया ने मंच का संचालन किया।

### विचारधारा और रोडमैप का आह्वान भी था

सीए धवल शाह समन्वयक के रूप में हर चरण में अग्रणी भूमिका निभाते रहे। वोट फार थैक्स केवल धन्यवाद नहीं था, बल्कि छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय वित्तीय हब बनाने की दिशा में एक स्पष्ट विचारधारा और रोडमैप का आह्वान भी था। शाह ने कहा कि "मंथन 2025 केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि ज्ञान, नेतृत्व और पेशेवर उत्कृष्टता को बढ़ाने का संकल्प है। हमारा उद्देश्य छत्तीसगढ़ को देश का प्रमुख कंसल्टिंग और वित्तीय केंद्र बनाना है। सीए अमिताभ दुबे ने सकारात्मक पहलू पर प्रकाश डालते हुए इस तरह की पहल को हो रहे बदलाव के लिहाज से बेहतर बताया।

# काशीराम नगर की लड़की की हत्या, लाश अमलीडीह के खाली प्लाट में फेंकी

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के अमलीडीह, पुलिस कॉलोनी में शनिवार दोपहर एक किशोरी की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका काशीराम नगर की रहने वाली थी। तीन दिन पूर्व वह घर से लापता हो गई थी, जिसकी पुलिस को लाश मिली है। मृतका के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि अज्ञात ने युवती के साथ मारपीट कर हत्या करने के बाद लाश खाली प्लाट में लाकर फेंक दी होगी। घटना स्थल पर पहुंचकर पुलिस तथा फोरेंसिंक एक्सपर्ट की टीम जांच कर आवश्यक साक्ष्य जुटाने कोशिश कर रही है। पुलिस के अनुसार जिस खाली प्लाट में किशोरी की लाश मिली है, वह पुलिस कॉलोनी के पास ही है। दोपहर के समय एक बकरी चराने वाले ने खाली प्लाट में किशोरी को मृत हालत में देखा, तो उसने पुलिस कॉलोनी के स्टाफ को लाश मिलने की सूचना दी। पुलिस स्टाफ से जुड़े पुलिसकर्मी ने मौके पर पहुंचकर लाश देखी। इसके बाद उस पुलिस स्टाफ ने घटना की जानकारी राजेंद्र नगर थाने को दी।

**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे**
**ई-निविदा सूचना**

**टेंडर नं :** SECR-GSU-BSP-ELECT-Kargi-Salka-16, Date: - 11.11.2025.
**कार्य का नाम :** "एसईसी रेलवे के बिलासपुर मंडल के कर्गी रोड सल्का रोड स्टेशनों पर ऊर्जा कॉरिडोर की क्षमता बढ़ाने हेतु एफ.एल.एस. कार्य, कर्गी रोड - सल्का रोड स्टेशनों के बीच तीसरी लाइन के निर्माण के संबंध में।" (सामान्य सेवा कार्य)
**निविदा मूल्य** :Rs.92,64,702.00 (बानवे लाख चौसठ हज़ार सात सौ दो रुपये मात्र।) **बोली सुरक्षा :** Rs. 1,85,300.00 (एक लाख पचासी हजार तीन सौ रुपये मात्र।) **निविदा बंद करने की तिथि एवं समय :** 17.12.2025 at 15.30 hrs. **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 17.12.2025 at 16.00 hrs. **समापन अवधि :** एलओए जारी होने की तारीख से 12 (बारह) महीने। **वेबसाइट विवरण और नोटिस बोर्ड का स्थान :** ई-निविदा दस्तावेज़, पात्रता मानदंड और उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण के बारे में अधिक जानकारी/संबंधित के लिए, कृपया निविदा दस्तावेज़ देखें/डाउनलोड करें जो हमारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
सहायक मंडल विद्युत अभियंता (गती शक्ती इकाई)
सीपीआर/10/AM/478 द.पू.म.रेलवे / बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

**कार्यालय प्राचार्य, पं. ज्वाला प्रसाद उपाध्याय शासकीय महाविद्यालय पटना, कोरिया (छ.ग.)**
E-mail.naveencollege.patna@gmail.com

क्रमांक 438/स्था./अ.व्या.भर्ती/2025 पटना, दिनांक 21.11.2025
परिशिष्ट 1

**अतिथि व्याख्याता हेतु संक्षिप्त विज्ञापन**

पं. ज्वाला प्रसाद उपाध्याय शासकीय महाविद्यालय पटना, जिला- कोरिया (छ.ग.) के सहायक प्राध्यापक के विरूद्ध समाजशास्त्र हेतु योग्य एवं निर्धारित अर्हताधारी आवेदकों से अतिथि व्याख्याता/अतिथि शिक्षण सहायक पद हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदक अपने समस्त प्रमाण-पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन दिनांक 03.12.2025 को सायं 5.30 बजे तक केवल रजिस्टर्ड डाक अथवा वाहक के हस्ते (कार्यालय से पावती प्राप्त करें) प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।
नोट :- विस्तृत विज्ञापन महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड एवं महाविद्यालय की वेबसाईट https://govtcollegepatna.ac.in/ में अपलोड किया गया है। जिससे विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
**प्राचार्य, पं. ज्वाला प्रसाद उपाध्याय शासकीय महाविद्यालय पटना, कोरिया (छ.ग.)**

**कार्यालय नगर पालिका परिषद बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ.ग.)**
Phone No. 07836-232224 Email ID- nppbkp@gmail.com

क्र./3471 / न.पा.परि. / लो.नि. / 2025 बैकुण्ठपुर, दिनांक 21/11/2025

**ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना**

लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से विभिन्न निर्माण कार्य कराये जाने हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका सिस्टम टेंडर क्रमांक 180196, 180188 एवं 180200 है जिसकी कुल लागत राशि 67.67 लाख रू. एवं निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 12.12.2025 है। उपरोक्त कार्यों की निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु विभागीय वेवसाईट **www.uad.cg.gov.in** या **http://eproc.cgstate.gov.in** का अवलोकन करें।

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी**
**नगर पालिका परिषद् बैकुण्ठपुर**
**जिला कोरिया (छ.ग.)**

**-: स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत निर्माण में योगदान दें: -**

ITSA HOSPITALS

हृदय के ब्लॉकेज - अब दिखें साफ़ और हों इलाज और भी बेहतर।

- एंजियोग्राफी सिर्फ़ रक्त नली की आकृति दिखाती है-अंदर की दीवारों को नहीं।
- कई ख़तरनाक प्लाक और कैल्शियम जमा भीतर छुपे रह जाते हैं।
- इसी वजह से ब्लॉकेज छूट सकता है, स्टेंट का आकार गलत चुन सकता है, या अनावश्यक प्रक्रियाएँ हो सकती हैं।
- ITSA Hospitals में हम IVUS और FFR तकनीक से दिल की सबसे सटीक जाँच करते हैं।

डॉ. अक्षत जैन
कंसल्टेंट
इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट
11+ वर्षों का क्लिनिकल अनुभव

ऐसी विश्व-स्तरीय तकनीकें जो छिपे हुए ब्लॉकेज को पहचानने में मदद करें और दिल का उपचार और भी सुरक्षित व सटीक बनाएं।

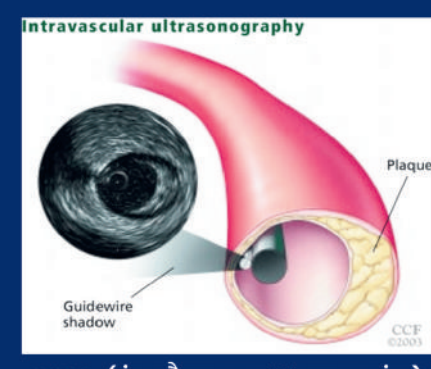


IVUS (इंट्रावैस्कुलर अल्ट्रासाउंड)
IVUS में आपकी धमनी के अंदर एक बिल्कुल छोटा कैमरा डाला जाता है।

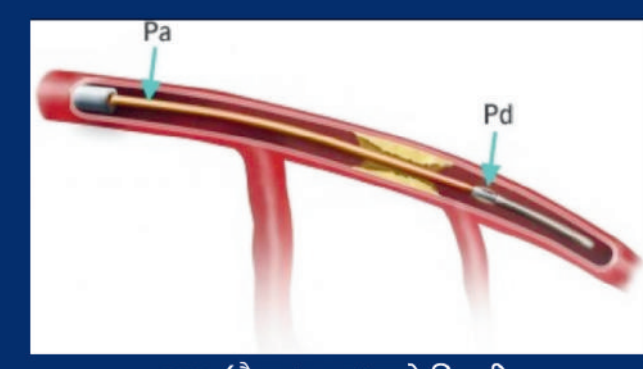


FFR (फ्रैक्शनल फ्लो रिजर्व)
FFR में एक प्रेशर-सेंसिंग वायर का उपयोग किया जाता है, जो यह जाँचता है कि ब्लॉकेज आपके वास्तविक रक्त प्रवाह को कितना प्रभावित कर रहा है।

- छिपी हुई प्लाक जमावट
- कैल्शियम के जमा
- ब्लॉकेज का सटीक आकार
- धमनी का वास्तविक व्यास
- स्टेंट की ज़रूरत है या नहीं
- स्टेंट को बिल्कुल सही फिट और पूरी तरह फैलने में मदद करता है।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| एंजियोग्राफी में न दिखने वाली बीमारी का पता लगाता है | री-ब्लॉकेज होने की संभावना कम करते हैं | अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करता है | लंबे समय तक बेहतर परिणाम देता है | US-FDA अनुमोदित सिस्टम का उपयोग करता है | एडवांस्ड इमेजिंग में प्रशिक्षित विशेषज्ञ कार्डियोलॉजिस्ट |

अगर आपको एंजियोप्लास्टी की सलाह दी गई है या आपको सीने में दर्द हो रहा है, तो ज़्यादा सुरक्षित और सटीक हृदय उपचार के लिए अपने डॉक्टर से IVUS + FFR के बारे में ज़रूर पूछें।

आपके दिल को सबसे साफ़ तस्वीर मिलनी चाहिए।

अम्बुजा सिटी सेन्टर मॉल के पास, सड्डू, रायपुर, छत्तीसगढ़
+91 7880110000, +91 7880120000
www.itsahospitals.com

# दुनियाभर में मनाए जाते हैं खान-पान से जुड़े ये विचित्र त्योहार, जानकर हो जाएंगे हैरान

खाना एक ऐसी चीज है, जो पूरी दुनिया को एक साथ जोड़ने की ताकत रखता है। हालांकि, हर देश और हर राज्य का खान-पान और उससे जुड़ी परंपराएं अलग होती हैं। जब भी बात खान-पान से जुड़े त्योहारों की आती है तो मन में तरह-तरह के व्यंजनों को चखने या बनाने का ख्याल आता है। हालांकि, दुनियाभर में खाने से जुड़े कुछ बेहद विचित्र त्योहार भी मनाए जाते हैं। इनके बारे में जानकर आप अपनी हंसी नहीं रोक पाएंगे।

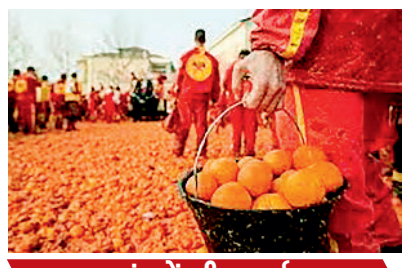

## संतरों की लड़ाई

कल्पना कीजिए कि आप लड़ाई के मैदान में उतर रहे हैं, लेकिन आपका हथियार केवल एक संतरा है। ऐसा इटली में होता है, जहां बैटल ऑफ ऑरेंज यानि संतरों की लड़ाई नामक त्योहार मनाया जाता है। यह पर्व बुरे शासक के खिलाफ विद्रोह का प्रतीक है, जिसकी शुरुआत 1808 में की गई थी। इसका जश्न 3 दिन तक चलता है, जिसके दौरान हजारों लोग एक दूसरे पर संतरे फेंकते हैं। अगले दिन सड़कें संतरों के पल्प से ढकी होती हैं।

## चीज रोल करने का पर्व

आम तौर पर चीज के जरिए खाने का स्वाद बढ़ाया जाता है। हालांकि, इंग्लैंड के एक शहर में इसको बेहद विचित्र तरीके से इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल, ग्लूस्टरशायर में हर साल चीज को रोल करने का उत्सव मनता है, जिसके दौरान लोग पहाड़ी से चीज को गिराते हैं। जो व्यक्ति सबसे पहले अपनी चीज के साथ फिनिश लाइन पर पहुंचा जाता है, उसे विजेता घोषित कर दिया जाता है। इस दौरान लोग चोटिल भी हो जाते हैं।

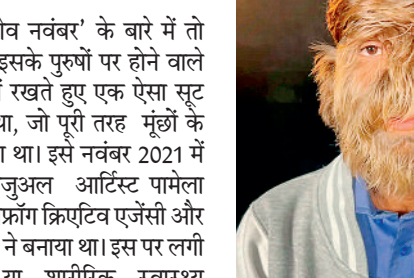

## चिनचिला मेलन त्योहार

ऑस्ट्रेलिया के शहर चिनचिला के लोग तरबूजों से प्रेम करते हैं और अपने प्यार को दर्शाने के लिए विशेष त्योहार मनाते हैं। दरअसल, इस शहर को 'दुनिया का मेलन कैपिटल' कहा जाता है और यहां मेलन त्योहार मनता है। इस पर्व पर स्कीइंग और बंजी जंपिंग जैसे तरबूज से जुड़े कई रोमांचक और मजेदार खेल आयोजित होते हैं। लोग तरबूज जैसे वस्त्रों में तैयार होते हैं और उसके बीजों को मुंह में भरकर निशाना लगाने का खेल भी खेलते हैं।

## ओल्नी पैनकेक रेस

आपने पैनकेक तो कई बार खाए होंगे, जो चपटे केक होते हैं। हालांकि, क्या अपने कभी इन्हें पकड़कर दौड़ लगाई है? दरअसल, इंग्लैंड के ओल्नी शहर में 1445 से एक परंपरा निभाई जा रही है, जिसे पैनकेक रेस यानि पैनकेक दौड़ कहा जाता है। इस दिन महिलायें एप्रन पहनती हैं और हाथों में फ्राइंग पैन लेकर दौड़ लगाती हैं, जिसमें पैनकेक रखे होते हैं। जो महिला यह दौड़ जीत जाती है, उसे पुरुस्कार के तौर पर एक चुंबक मिलता है।

## ला टोमाटीना

जिस तरह भारत की होली दुनियाभर में मशहूर है, उसी तरह स्पेन का ला टोमाटीना भी विश्व प्रसिद्ध है। यह दुनिया का सबसे बड़ा खाने से जुड़ा त्योहार है, जिसका मुख्य आकर्षण टमाटर होता है। इसके दौरान सभी लोग सड़कों पर उतर जाते हैं और एक दूसरे पर लाल व रसीले टमाटरों से हमला करते हैं। 1940 में कुछ दोस्तों ने मस्ती करने के लिए यह त्योहार मनाया था, जिसके बाद इसे एक परंपरा के रूप में देखा जाने लगा।

# फ्रांस के पूर्व सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट का खोया हुआ ब्रोच 38 करोड़ में हुआ नीलाम

**जिनेवा।** नेपोलियन बोनापार्ट फ्रांस के पूर्व सम्राट थे, जो फ्रांसीसी क्रांति के दौरान सुर्खियों में आए थे। उन्होंने 1796-1815 तक हुए क्रांतिकारी युद्धों और नेपोलियन युद्धों के दौरान पूरे यूरोप में सफल अभियानों की एक श्रृंखला का नेतृत्व किया था। वह फ्रांस के इतिहास का अहम हिस्सा रहे हैं, जिसके चलते उनसे जुड़ी वस्तुएं दुनियाभर के संग्राहकों को आकर्षित करती हैं। अब उनका एक हीरों वाला ब्रोच नीलाम हुआ है, जिसकी कीमत आपके होश उड़ा देगी।

### जिनेवा में हुई इस ब्रोच की नीलामी

हर साल सोथबी नीलामीघर जिनेवा में ऐतिहासिक जेवरों की नीलामी का आयोजन करवाता है। इस साल यह नीलामी 12 नवंबर को हुई, जिसे 'रॉयल एंड नोबल ज्वेल्स' नाम दिया गया था। इसके दौरान बेचे गए सभी जेवर यूरोप के इतिहास का अहम हिस्सा रहे हैं, जो सदियों से निजी संग्राहकों के पास थे। हालांकि, इस नीलामी का मुख्य आकर्षण नेपोलियन का ब्रोच ही था, जिसकी कीमत 38 करोड़ रुपये से ज्यादा लगी है।

### 100 से ज्यादा हीरों से सजा है यह ब्रोच

यह बेशकीमती ब्रोच एक समय पर नेपोलियन की टोपी की शोभा बढ़ाया करता था, जिसे वह खास मौकों पर पहनते थे। यह गोल ब्रोच लगभग 45 मिलीमीटर का है और इसके बीचों-बीच 13.04 कैरेट का एक बड़ा अंडाकार हीरा लगा हुआ है। बड़े हीरे के चरों तरफ गोल आकार में विभिन्न आकार के लगभग 100 हीरे जड़े हुए हैं, जो इसकी खूबसूरती को और बढ़ाते हैं। जानकारों के मुताबिक, यह वाटरलू की लड़ाई से भागते समय खो गया था।

### नेपोलियन का एक रत्न भी हुआ नीलाम

इस नीलामी के दौरान नेपोलियन का एक और कीमती जेवर बेचा गया था। यह 132.66 कैरेट का एक हरा बेरिल रत्न है, जिसे उन्होंने 1804 में अपने राज्याभिषेक के दौरान पहना था। सोथबी का अनुमान था कि यह 31 लाख से 52 लाख रुपये तक नीलाम होगा। हालांकि, चंद मिनटों में ही इसकी कीमत 9 करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी।

### 10 मिनट में ही बिक गया था ब्रोच

जब यह नीलामी के लिए सामने लाया गया था तब इसकी अनुमानित कीमत 1.33 से 2.21 करोड़ के बीच तय की गई थी। हालांकि, यह न्यूनतम अनुमान से 30 गुना ज्यादा की कीमत पर बिका है। इसे हासिल करने के लिए 4 लोगों ने बोली लगाई थी, जो महज 10 मिनट तक चली थी। हालांकि, अंत में एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संग्रहकर्ता ने बाजी मार ली, जिनकी पहचान गुप्त रखी गई है।

# मूछों से बने सूट से लेकर सबसे लंबी दाढ़ी तक, बालों से जुड़े हैं कई विचित्र रिकॉर्ड

जहां ज्यादातर लोग बालों को लंबा और घना बनाने के लिए परेशान रहते हैं, वहीं कुछ लोग अपने बालों के जरिए विश्व रिकॉर्ड बना डालते हैं। जी हां, दुनिया में कई ऐसे लोग हैं, जिनके बालों ने ही उन्हें प्रसिद्धि दिलाई है। इसी कड़ी में आज हम आपको बालों से जुड़े सबसे विचित्र विश्व रिकॉर्ड के बारे में बताएंगे। इनके बारे में जानकर आपको न केवल हैरानी होगी, बल्कि आप अपने बालों की देखभाल पर भी ध्यान देने लगेंगे।

### मूंछों से बने सूट का रिकॉर्ड

आपने 'नो शेव नवंबर' के बारे में तो जरूर सुना होगा। इसके पुरुषों पर होने वाले असर को ध्यान में रखते हुए एक ऐसा सूट तैयार किया गया था, जो पूरी तरह मूंछों के बालों से ढका हुआ था। इसे नवंबर 2021 में ऑस्ट्रेलिया के विजुअल आर्टिस्ट पामेला क्लेमन-पासी, बुलफ्रॉग क्रिएटिव एजेंसी और पोलिटिक्स कंपनी ने बनाया था। इस पर लगी मूंछें मानसिक या शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे पुरुषों द्वारा गुमनाम रूप से दान की गई थीं।

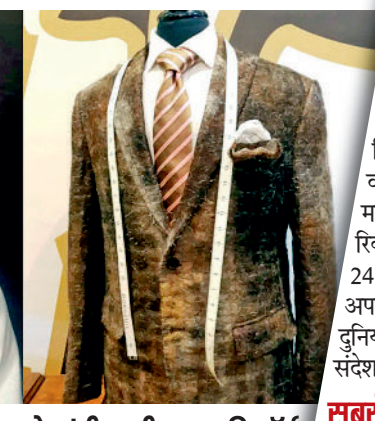

### चेहरे पर सबसे ज्यादा बालों वाला रिकॉर्ड

पुरुषों के आधे चेहरे पर तो दाढ़ी आना आम बात है। हालांकि, क्या आपने कभी किसी का पूरा चेहरा दाढ़ी से ढका देखा है? ऐसा ही कुछ 18 साल के ललित पाटीदार के साथ हुआ, जिनके चेहरे का 95 प्रतिशत हिस्सा बालों से ढका है। उन्हें हाइपरट्रिचोसिस नाम की एक दुर्लभ बीमारी है, जिसे वेयरवोल्फ सिंड्रोम भी कहते हैं। इस रोग के कारण वह 'किसी पुरुष के चेहरे पर सबसे ज्यादा बालों' वाला रिकॉर्ड कायम करने में सक्षम हुए हैं।

### सबसे लंबी दाढ़ी वाला रिकॉर्ड

भारत के पुरुष अपनी दाढ़ी को लंबा रखना पसंद करते हैं। हालांकि, कनाडा के सरवन सिंह का यह शौक जुनून में बदल गया और उन्होंने 'सबसे लंबी दाढ़ी' का रिकॉर्ड कायम कर दिखाया। उनकी दाढ़ी 2.54 मीटर यानि 8 फीट 3 इंच लंबी है। उन्होंने 2008 से यह रिकॉर्ड अपने नाम किया हुआ है और हर साल अपनी दाढ़ी को और बढ़ाकर उसे तोड़ते हैं। आखरी बार उनकी दाढ़ी को 15 अक्टूबर, 2022 नापा गया था।

### दाढ़ी वाली महिला का रिकॉर्ड

दाढ़ी वाले पुरुष तो हर जगह दिखाई देते हैं, लेकिन दाढ़ी वाली एक महिला ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया। हम बात कर रहे हैं हरनाम कौर की, जो पूरी दाढ़ी रखने का गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाने वाली सबसे कम उम्र की महिला हैं। जब उन्होंने यह रिकार्ड बनाया तब उनकी उम्र 24 वर्ष और 282 दिन थी। वह अपने दाढ़ी वाले लुक के जरिए दुनिया को बॉडी पाजिटिविटी का संदेश देना चाहती हैं।

### सबसे ज्यादा बालों वाले परिवार का रिकॉर्ड

मेक्सिको के एक परिवार ने अपने बालों के जरिए गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज करवाया है। यह गोमेज परिवार है, जिसके हर सदस्य का पूरा शरीर बालों से ढका हुआ है। इस परिवार की 5 पीढ़ियों के 19 सदस्य एक दुर्लभ बीमारी से पीड़ति हैं, जिसे जन्मजात सामान्यीकृत हाइपरट्रिचोसिस कहते हैं। इस स्थिति के कारण चेहरे और धड़ पर अत्यधिक बाल उगने लगते हैं। इस परिवार की महिलाओं के शरीर पर भी बाल ही बाल नजर आते हैं।

# फ्रिडा काहलो की दुर्लभ पेंटिंग ने तोड़े नीलामी के रिकॉर्ड 487 करोड़ रुपए में बिकी

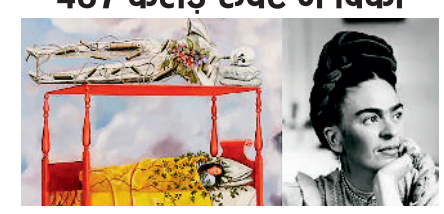

**न्यूयार्क।** फ्रिडा काहलो कला जगत का वह नाम है, जिसने लाखों महिलाओं को यह सिद्ध कर दिखाया कि सपने वाकई सच होते हैं। वह दुनिया की सबसे प्रतिभाशाली महिला पेंटर थीं, जिनकी कला आज भी लोगों को प्रेरित करती है। वह मेक्सिको की रहने वाली थीं और अपने सेल्फ पोर्ट्रेट्स के जरिए लोगों का दिल जीत लेती थीं। अब उनकी एक पेंटिंग 487 करोड़ रुपये में नीलाम हुई है और इसने एक नया रिकॉर्ड कायम कर दिखाया है।

**कब और कहां हुई पेंटिंग की नीलामी :** इस दुर्लभ पेंटिंग की नीलामी का आयोजन सोथबी ने न्यूयॉर्क में करवाया था। 20 नवंबर, 2025 को इसे 487 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर बेचा गया। अब इसने किसी भी महिला कलाकार द्वारा बनाई गई सबसे महंगी पेंटिंग का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड जॉर्जिया ओ'कीफ की 'जिमसन वीड/व्हाइट फ्लावर नंबर 1' पेंटिंग के नाम दर्ज था, जो 2014 में 393 करोड़ रुपये में नीलाम हुई थी।

**काहलो के जीवन की वास्तविकता हैं यह पेंटिंग :** इस पेंटिंग का शीर्षक 'एल सुएनो (ला कामा)' यानि 'सपना (बिस्तर)' है। यह काहलो की सेल्फ पोर्ट्रेट है, जिसमें वह आसमान में उड़ते हुए बिस्तर पर सो रही हैं। उनके बिस्तर के ऊपर एक कंकाल लेटा हुआ है, जिसपर कई डाइनेमाइट लिपटे हुए हैं। नीलाम होने से पहले यह पेंटिंग एक निजी संग्रह की शोभा बढ़ा रही थी।

### इस पेंटिंग ने तोड़ा एक और रिकॉर्ड

नीलामीघर के मुताबिक, इस पेंटिंग को हासिल करने के लिए करीब 4 मिनट तक बोली लगाई गई थी। हालांकि, इसके नए मालिक की पहचान को फिलहाल गुप्त रखा गया है। इस बिक्री ने काहलो के खुद के पिछले नीलामी रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। इससे पहले किसी लैटिन अमेरिकी कलाकार द्वारा बिकने वाली सबसे महंगी पेंटिंग काहलो और उनके पति को दर्शाने वाली 'डिएगो और मैं' थी। इसकी कीमत 309 करोड़ रुपये लगी थी।

# दुनिया के सबसे बुजुर्ग पिग्मी दरियाई घोड़े का धूमधाम से मना 52वां जन्मदिन

**न्यूयार्क।** आम तौर पर दरियाई घोड़े 40 से 50 साल तक ही जीवित रहते हैं। हालांकि, अमेरिका में एक बेहद प्यारा दरियाई घोड़ा रहता है, जिसने हाल ही में अपना 52वां जन्मदिन मनाया है। उसका नाम हन्ना शर्ली है, जो दुनिया का सबसे बुजुर्ग जीवित पिग्मी दरियाई घोड़ा है। 20 नवंबर, 2025 को सैन डिएगो ह्यूमेन सोसाइटी के रमोना वन्यजीव केंद्र में धूम-धाम से उसके जन्मदिन की पार्टी मनाई गई।

### 1973 में हुआ था हन्ना का जन्म

हन्ना एक मादा पिग्मी दरियाई घोड़ा है, जो एक छोटी और लुप्तप्राय प्रजाति है। इस प्रजाति के दरियाई घोड़े महज 25 से 30 साल ही जीते हैं, लेकिन हन्ना बिलकुल अलग है। उसका जन्म 22 नवंबर, 1973 में हुआ था और उसने इस साल की शुरुआत में लंबी उम्र का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। हन्ना के जन्मदिन की पार्टी का थीम 'हंगरी हंगरी हिप्पो' यानि 'भूखा भूखा दरियाई घोड़ा' था। इसके दौरान वह रंग-बिरंगी गेंदों से खेलती नजर आई थी।

### कब और कहां मिली थी हन्ना?

2002 में हन्ना को कैलिफोर्निया के एस्कोन्डिडो के एक घर के बगीचे से रेस्क्यू किया गया था। उसे एंडी ब्लू नाम के व्यक्ति ने बचाया था। उनके मुताबिक, उस वक्त भी हन्ना बहुत शांत और मिलनसार थी। तब से वह 13,000 वर्ग फुट के एक आवास में रह रही है, जिसमें एक तालाब और स्विमिंग पूल भी है। यहां हन्ना इतना आलीशान जीवन जी रही है, जिसकी हर कोई कल्पना करता होगा।

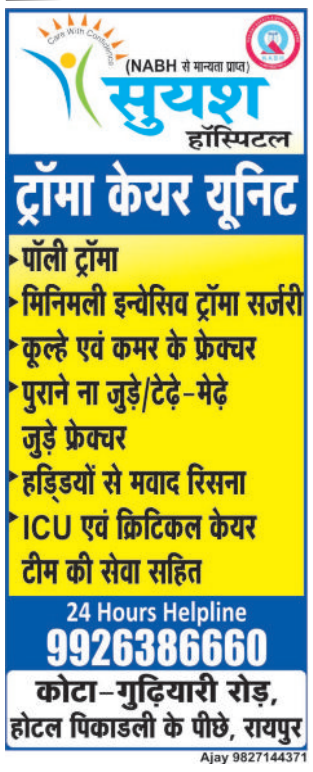

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com